

PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 451

मई बिल्ली, शनियार, नवस्थर 5, 1977/कार्तिक 14, 1899

No. 451

NEW DELHI, SATURDAY NOVEMBER 5, 1977/KARTIKA 14, 1899

इस भाग म⁴ भिन्न पृष्ठ संतथा ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

पारा II—पाण्ड 3—उप-पाण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, स्याच और कम्पनी कार्च मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई विल्ली, 29 सितम्बर, 1977

मां० कां० नि० 1451.—केन्द्रीय सरकार, निवित्न प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 कां 5) की प्रथम अनुसूची के धादेण 27 के नियम क्ष्व के खण्ड (क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व विधि मंद्रालय (विधि-कार्य विभाग) की श्रिधसूचना मं० गा० का० नि० 1412, नारीख 25 नवम्बर, 1960 में निम्निलिखित संणोधन और करने हैं. अर्थात —

उक्त ग्रिप्तिसूचना की भ्रनुसूची में, कर्नाटक में संबंधित बद 9 में, स्तम्भ (1) श्रीर (2) में उपमद (ख) ग्रीर उनमें म≄बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, भ्रथमि:——

"(ख) बंगलौर नगर में ग्रधीनस्थ स्थायालय श्री एन०पी० सोगरना, केन्द्रीय। सरकार के प्लीडर

(ग) श्रन्य न्यायालय

सरकारी जिला प्लीडर।"

2 यह अधिभूचना 1 अन्तूबर, 1977 से प्रवृत्त होगी।

[सं • फा • 35(5)/76-न्या •]

एम० गूप्तु, सालिमिटर

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 29th September, 1977

G.S.R. 1451.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of rule 83 of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the late Ministry of Law (Department of Legal Affairs) No. G.S.R. 1412, dated the 25th November, 1960 namely:—

In the Schedule to the said notification, in item 9 relating to Karnataka, for sub-item (b) and the entries relating thereto in columns (1) and (2), the following shall be substituted, namely:—

"(b) Subordinate Courts in Bangalore City.

Sri N. P. Noganna, Central Government Pleader

EGISTERED NO. D(D)-73

(c) Other Courts.

District Government Pleaders."

2. This notification shall come into force with effect from the 1st October, 1977.

[No. F. 35(3)/76-Judl.]S. GOOPTU, Solicitor

99 G I/77—1

नई तिरुनीः, 5 अक्तूबर 1977

सार कार मिर 1452 — रहुपति, संविधान के अनुक्छेद 299 के खण्ड (1) के नाथ पटिन अनुक्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रदेश शक्तियों . का प्रयोग करते हुए, भारत अरकार के भूतपूर्व विधि मंद्रालय (विधि कार्य विभाग) की अधिसूचना सं राज्यात कारते हैं, अर्थान्:—

उक्त श्रक्षिमूचना की प्रश्ताची में, णीर्षक "विक्य मंत्रालय", के नीचे, विष्यभान प्रविष्टियों के पूर्व निम्दलिखित प्रविष्ट ग्रन्त-स्थापित की जाएगी और सर्वेदा ग्रन्त-स्थापित की ुई समझी जाएगी, अर्थात्:---

"वित्त मंद्री ग्रौर "

[म० फा० 17(1)75-न्या०] पी०एच० रामचन्यानी, संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार

New Delhi, the 5th October, 1977

G.S.R. 1452.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77, read with clause (1) of article 299, of the Constitution, the President hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Law (Department of Legal Affairs) No. G.S.R. 1330 dated the 29th September, 1962, namely:—

In the Schedule to the said notification, under the heading "VI. Ministry of Finance", before the existing entries, the tollowing entry shall be, and shall be deemed always to have been, inserted, namely:—

"The Minister of Finance and-".

[No. F. 17(1)/75-Judl.]

P. H. RAMCHANDANI, It. Secy. and Legal Adviser

गृह मंत्रालय

नर्ड विल्ली, 19 **प्रश्नतूब**र, 1977

साठ कोठ भिठ 1453 — केन्द्रीय सरकार, पंजाब पुनर्गठन ग्राधिनियस, 1966 (1966 का 31) की धारा 87 द्वारा प्रवेत्त णक्तियों का प्रयोग करने हुए, पंजाब सायिकल-रिक्शा (अनुक्रांग्त का विनियमन) प्रिधिनियम, 1976 का (पंजाब प्रधिनियम, 41) का जैसा कि वह इस प्रधिसूचना की मारीख को पंजाब में प्रवृक्त था, वर्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में, निस्निलिखन उपान्स-रणों के प्रधीन रहते हुए, विस्तार करती है प्रथान:—

उपान्तरण

- सम्पूर्ण अधिनियम में, जब तक कि अन्यथा निदेश न किया जाए, "राज्य सरकार" शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं भी वे आए हैं "प्रशासक" शब्द रखा जाएगा।
- 2. धारा । में, जपधारा (2) में, "अधिसूचना द्वारा" मन्दीं के स्थान पर, "शंडीगढ़ राजपन्न में श्रिधसूचना द्वारा" गड़द रखे जाएगे।
 - 3. धारा 2 में,---
- (क) खड़ (क) को उसके खड़ (कग) के रूप में पुन. प्रक्षरांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुन. ग्रक्षरांकित खंड के पश्चात् निस्तलिखित खड श्रन्तःस्थापित किए जाएगे, ग्रथांत:—
 - (क) "प्रणासक" से राष्ट्रपति द्वारा मविधान के धनुष्छेद 239 के अधीन निय्क्त किया गया संघ राज्य क्षेत्र अंडीगढ़ का प्रशासक प्रभिन्नेन है;
 - (बाक) "चन्डीगढ़" से जन्दीगढ़ संघ राज्य कील में यथा प्रकृत पंजाब की राजधानी (विकास और विनियमन) श्रधिनियम, 1952

- की द्वारा 2 के खंड (घ) के प्रधीन यथा पारिभाधित चंडींगढ़ असिकेत है:
- (क ख) "मुख्य प्रणासक" से लंडीयत सघ राज्य क्षेत्र में यथा प्रवृक्ष पंत्राव की राजधानी (विकास और विनियमन) श्रीधनियम, 1952 की धारा : के खंड (ङ) के श्रधीन नियुक्त मुख्य प्रशासक श्रभित्रेत है :
- (ख) खण्ड (ख) में ''कोई क्षेत्र'' मध्यां के स्थान पर ''चडीगढ़ म्रोर कोई क्षेत्र'' सब्द रखे जाएंगे,
- (ग) खंड (ग) में "से रिश्वेस है और इसके अन्तर्गत" शब्दों के स्थान पर "चंडीगढ़ के संबंध में अभिन्नेत है मुख्य प्रणासक और इसके अन्तर्गत इस अधिनयम के अधीन नगरपालिका अधिकारी के अधिकारों का प्रयोग और इत्यो का निर्वेहन करने के लिए मुख्य प्रणासक द्वारा प्राधिकृत अधिकारी भी है और किसी अन्य नगरपालिका क्षेत्र के सबंध में अभिन्नेत है और इसके अन्तर्गत है" शब्द रखे जाएंगे।
- 4. धारा 3 में, उप धारा (1) में "पंजाब नगरपालिका अधिनियम, 1911" शब्दों श्रीर श्रंकों के स्थान पर "चंडीगढ़ सघ राज्य क्षेत्र में यथाप्रवृक्त पंजाब नगरपालिका अधिनियम, 1911" शब्द श्रीर श्रक रखे जाएंगे।
- 5. धारा 6 मे दोनों स्थानों पर जहा कहा भी "राज्य सरकार" शब्द श्राण हैं उनके स्थान पर "सरकार" शब्द रखा जाएगा।
 - o. धारा 7 में ;---
 - (क) उपधारा (1) से, "अधिसूचना द्वारा " शक्दों से पूर्व "चंडीगढ राजपत्न से" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे ;
 - (ब) उपधारा (2) का लोप किया जाएगा।

[सं० य० 11015/12/76-यू०टी०एल०-142]

हरीश चन्द्र बहुशी, ग्रवर सचिय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 19th October, 1977

G.S.R. 1453.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), the Central Government hereby extends to the union territory of Chandigarh, the Punjab Cycle-Rickshaws (Regulation of Licence) Act, 1976 (Punjab Act 41 of 1976), as in force in the State of Punjab at the date of this notification, subject to the following modifications, namely:—

MODIFICATIONS

- 1. Throughout the Act, unless otherwise directed for the words "State Government", wherever they occur, the word "Administrator" shall be substituted.
- 2. In section 1, in sub-section (2), for the words "by notification", the words "by notification in the Chandigarh Gazette" shall be substituted.
 - 3. In section 2,---
 - (a) clause (a) shall be re-lettered as clause (ac) thereof, and before the clause as so re-lettered, the following clauses shall be inserted, namely :—-
 - (a) "Administrator" means the Administrator of the union territory of Chandigarh appointed by the president under article 239 of the Constitution:
 - (aa) "Chandigarh" means Chandigarh as defined in clause (d) of section 2 of the Capital of Punjab (Development and Regulation) Act, 1952, as in force in the Union territory of Chandigarh;
 - (ab) "Chief Administrator" means the Chief Administrator appointed under clause (e) of section 2 of the Capital of Punjab (Development and Regulation) Act,

1952, as in force in the Union territory of Chandigarh.';

- (b) in clause (b), for the words "any area", the words "Chandigarh and any area" shall be substituted;
- (c) in clause (c), for the words "means and includes", the words "in relation to Chandigarh, means the Chief Administrator and includes as officer authorised by the Chief Administrator to exercise the powers and functions of a municipal authority under this Act and, in relation to any other municipal area, means and includes" shall be substituted.
- 4. In section 3, in sub-section (1), for the words and figures "the Punjab Municipal Act, 1911", the words and figures 'the Punjab Municipal Act, 1911, as in force in the Union territory of Chandigarh" shall be substituted.
- 5. In section 6, for the words "State Government" in both the places where they occur, the words "Government" shall be substituted.
 - 6. In section 7.—
 - (a) in sub-section (1), after the words "by notification", the words "in the Chandigarh Gazette" shall be inserted;
 - (b) sub-sectiton (2) shall be omitted.

[No. U-11015/12/76-UTL (142)] H. C. BAKH\$HI, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विमाग)

नई दिल्ली, 17 ग्रम्तूबर, 1977

सारकार कि 1454.—राष्ट्रपति संविधान के धनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा एक णक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वर्ण नियत्नण प्रशासक का क्षेत्रीय के लिय, बस्बई, बिक्त संत्रासय (राजस्व और बीमा विभाग) साधारण केकार सेवा (श्रेणी 3 और श्रेणी 1पद) भर्ती नियम, 1972 में संशोधन करने के िए निस्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथान् .—

- 1. (1) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियंवण प्रशासक का क्षेत्रीय कार्यालय मुम्बई, विच मंत्रालय (राजस्व ग्रीन बीमा विभाग) साधारण केन्द्रीय सेवा (श्रेणी 3 ग्रीन श्रेणी 1 पद) भर्ती (मंशांधन) नियम, 1977 के।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की नारीख की प्रवृत्त होंगे।
- 2. स्वर्ण नियंत्रण प्रणासक का क्षेत्रीय कार्यालय, बस्वई, वित्त मवालय (राजस्य ग्रीर कीमा विभाग) साधारण केन्द्रीय सेवा (श्रेणी 3 ग्रीर 4 पद) भर्ती नियम, 1972 में,——
 - (क) नियम । में उप नियम (१) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, ग्राथीत :--
 - "(i) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियम्नण प्रणासक का क्षेत्रीय कार्यालय, सन्दर्श यिन संद्रालय (राजस्त्र विभाग) साधारण केन्द्रीय सेवा (समृह 'गं ग्रीर समृह घ) पद भर्ती नियस, 1972 है"।
 - (ख) अनुसूची (1) में "श्रेणी 3" और श्रेणी "1 पद" कब्दो और अको के स्थान पर अहां कही वे आए हैं "समृह ग" और "ममृह घ" अस्द और अक्षर रखे आएंगे;
 - (ii) क्रम सं० 2 के नामने स्तम्भ II में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्निविधिय प्रविष्टि रखी जाएगी, ग्रंथीन ---

"भाधारण श्रेणी के निरीक्षकों की श्रेणी में प्रतिनियिक्त हारा प्रतिनियक्ति की ग्रविध सामन्यनः 3 वर्ष में श्रीधक नहीं होगी। विभोष परिस्थितियों में कालाविध कुल 4 वर्ष तक बढाई जा सकती है"

(iii) कम सं० 3 के सामने स्तम्भ 11 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्निसिधन प्रविष्टि रखी जाएगी, ग्रधीत्——
"प्रोन्नि—स्वर्ण नियत्रण प्रणासक के क्षेत्रीय कार्यालय, मुस्बर्ध के एमे उच्च श्रेणी लिपिक जिल्होंने उस श्रेणी में 10 वर्ष सेवा की हो।

प्रितिनय्क्ति--उप-कार्यालय प्रधीक्षक स्तर I की प्रतिनियुक्ति द्वारा जिसके न हो सकने पर उप-कार्यालय ग्रधीक्षक स्तर II जिल्होने उस थेणी में 2 वर्ष सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति की ग्रविध सामान्यत: 3 वर्ष से ग्रधिक नहीं होगी। विशेष परिस्थितियों में कालाविध कृष 4 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है";

- (iv) कम स० 4 के सामने,—
- (क) स्तम्भ 10 मे की प्रविद्धि के स्थान पर निम्निविधि प्रविद्धि रखी जाएगी, अर्थात्:--'स्थानान्तरण ढारा'';
- (क) स्वरुभ 11 में की प्रविद्धि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधित रखी जाएगी, श्रवीम् ——
 "केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क कलक्टरेट, मुम्बई के श्राणुलिपिक के स्थानान्तरण द्वारा बिना प्रविनियक्ति इयुटी) भन्ने के"
- (v) कम सं० 5 के सामने---
- (क) स्तम्भ 10 मे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नसिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थास् .--"स्थानातन्त्रण"
- (ख) स्तम्भ II में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नेलिखिन प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रथीन् — "केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क कलक्टरी, मुम्बई के उच्च श्रेणी लिपिकों के स्थानान्तरण द्वारा किन्तु बिना प्रतिनियृक्ति ((इ्यूटी) भने के":
- (vi) कम स० 6, 7, 8, 9 श्रीर 10 के सामने---
- (क) स्तम्भ 10 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रथात् —
 'स्थानान्नरण द्वारा";
- (ख) स्तम्भ 11 में की प्रविद्धि के स्थान पर निम्नलिखन प्रविद्धि किन्तु रखी जाएगी, प्रथीत् :---

'केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क कलक्टरी, मुम्बई में गे न्थानान्तरण द्वारा क्षिना प्रक्षिनियुक्ति (ज्यूटी) भने के''।

[गं० 7/1977—फा०ग०34/29,76-प्रशा० ी ए. (केन्द्रीय)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 17th October, 1977.

G.S.R. 1454.—In exercise of the powers conferred by the proviso to crticle 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Regional Office of the Gold Control Administrator. Bombay, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) General Central Services (Class III and Class IV Posts) Requirement Rules, 1972. namely:—

1. (1) These Rules may be called the Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, Ministry of Finance

(Department of Revenue and Insurance) General Central Services (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) General Central Services (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1972,—
 - (a) in rule 1, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(1) These Rules may be called the Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, Ministry of Fininace (Department of Revenue) General Central Services (Group "C" and Group "D" posts) Recruitment Rules, 1972.";
 - (b) in the Schedule-(i) for the words and figurs "Class III" and "Class IV" wherever they occur, the words and letters "Group C" and "Group D" shall be substituted.
 - (ii) against Scrial No. 2, in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "By deputation from the grade of Ordinary Grade Inspector. Period of deputation: Ordinarily not exceeding 3 years. The term may be extended up to a total of 4 years in exceptional circumstances.";
 - (iii) against Serial No. 3, in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "Promotions from Upper Division Clerks in Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, with 10 years service in the grade
 - Deputation of Deputy Office Superintendent level I failing which Deputy Office Superinten-

dent level II which 2 years service in the grade. Period of deputation: Ordinarily not exceeding 3 years. The term may be extended up to a total of 4 years in exceptional circumstances.";

- (iv) against Serial No. 4-
 - (A) in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 "By transfer.";
 - (B) in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—-
 - "By transfer of Stenographers of the Collectorate of Central Excise, Bombay without deputation (duty) allowance."
- (v) against Serial No. 5-
 - (A) in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 "By transfer.";
 - (B) in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "By transfer of Upper Division Clerks from Central Excise Collectorate. Bombay, without deputation (duty) allowance.";
- (vi) against Serial Nos. 6, 7, 8, 9 and 10-
 - (A) in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—-

"By transfer.";

- (B) in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "By transfer from Central Excise Collectorate, Bombay, without deputation (duty) allowance."
- [No. 7/1977—F. No. 34/29/76-Ad. IA (Cen.)]

सां का विश्व 1455. —राष्ट्रपति, संविधान के स्रमुख्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वर्ण नियंत्रण प्रशासक का क्षेत्रीय कार्यालय, सुम्बई, वित्त संत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) साधारण केन्द्रीय सेवा (श्रेणी 2 पद) भर्ती नियम, 1972 में संशोधन करने के लिए निस्निलिखन नियम बनाते हैं, ग्रर्थातु:—

- 1. (1) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियम्नण प्रशासक का क्षेत्रीय कार्यालय, मुस्बई, विल मंत्रालय (राजस्त्र श्रौर बीमा विभाग) साधारण केन्द्रीय सेवा (श्रेणी 2 पव) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2. स्थर्ण नियंत्रण प्रशासक का क्षेत्रीय कार्यालय, मुस्बई, बिन्त मंत्रालय (राजस्त्र भीर बीमा विभाग) साधारण केन्द्रीय सेवा (श्रेणी 2 पद) भर्ती नियम. 1972 में,——
 - (क) नियम 1 में उप नियम (1) के स्थान पर निम्निमिवन उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात :---
 - "(i) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियंक्षण प्रणासक का अन्त्रीय कार्यालय, मुम्बई, बिक्न मंद्रालय (राजस्व विभाग) माधारण केन्द्रीय सेवा (समृह ख) पद भर्ती नियम, 1972 है";
 - (ख) मनसूची में, कम सं० । तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्तलिखित रखा जाएगा, प्रथित् :----

| 1 | 2 | 3 | 4 | ž | 6 | 7 | |
|-----------------------------|---|---|-------------|----------------|---------------|---------------|--|
| "उप-म्रद्योक्षक (तकनीकी) | 1 | साधारण केन्द्रीय सेवा, समृष्ट 'ख' श्रराज- पन्नित्त, श्रस्तिपिक- वर्गीय | | लागु नहीं होता | मागू सही होसा | लागू सही होता | |
| | | | | | · | | |

| 8 | 9 | 10 | | 12 | 13 |
|----------------|----------------|--|---|---------------|---|
| लागृ नहीं होता | ल∵ग् नहीं होता | प्रति,नयुक्ति पर स्थाना न्य रण द्वारा | स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्तिः केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क विभाग के चयन श्रेणी निरीक्षक प्रथवा सामान्य श्रेणी के ऐसे निरीक्षक जिन्होंने उस श्रेणी में नियमिन ग्राधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष तक मेवा की हो । (प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि साधारणनः 3 वर्ष से ग्रिष्कि कही होगी) | तागृ सही होता | भध लोक सेवा आयोग से परामर्ण तब तक अपेक्षित नहीं जब तक किसी अवसर पर इन नियमों को शिथिल किया जाना न हो |

[सं० 6/1977-फा० सं० ३४/२९/७६-प्रणा० ी ए (केन्द्रीय)]

ए० एन० सरीन, प्रवर संचिव

- G.S.R.1455. -In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, Ministry of Finance, (Department of Revenue and Insurance) General Central Services (Class II Posts) Recruitment Rules, 1972, namely:
- 1. (1) These Rules may be called the Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, Ministry of Finance, (Department of Revenue and Insurance) General Central Services (Class II Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, Ministry of Finance, (Department of Revenue and Insurance) General Central Services (Class II Posts) Recruitment Rules 1972,--
 - (a) in rule 1, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:-
 - "(1) These rules may be called the Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, Ministry of Finance, (Department of Revenue) General Central Services (Group "B" Posts) Recruitment Rules, 1972";
 - (b) in the Schedule, for Scrial No. 1 and the entries relating thereto, the following Serial No. and entries shall be substituted, namely:

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|--------------------------------------|-------------------|--|--------------|---|----------------|---|
| "1 Deputy Superintendent (Technical) | Se 'B | eneral Central cryice Group 'Non-Gazetted on-Ministerial. | 30-900 | 50-EB- Not applicable | Not applicable | Not applicable |
| 8 | 9 | ··· ———— | 10 | 11 | 12 | |
| Not applicable | Not applicable | By transfer of | n deputation | Transfer on deputation: Selection Grade Inspectors of the Central Excise Depart- ment or Ordinary Grade Inspectors with 5 years service in the grade render- ed after appointment there- to on a regular basis. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years). | ; , | Consultation with the Union Public Service Commission not necessary un- less the provisions of these rules are proposed to be rela- ved on any occa- sion." |

(व्यय किमाग)

(रक्षा प्रभाग)

नई दिल्ली, 14 अन्तुबर 1977

सा॰का॰िक 1456.—राष्ट्रमित, संविधान के प्रमुख्य 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए वित्त मंजालय (रक्षा) (वर्ग 4पव) भर्ती नियम, 1969 में ग्रीर संगोधन करने के लिए निम्निलिखित नियम बनाते हैं, ग्रयातु:—-

- (1) इन नियमों का नाम बिन्न मंत्रालय (रक्षा) (बर्ग 4 पद)
 भर्ती (द्वितीय मंश्रोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रवक्त होंगे।
- 2. विक्त मंद्रालय (रक्षा) (वर्ग 1 पद) भर्ती नियम, 1969 की अनु-सूची में 'घपरासी' के पद से संबंधित कम सं० 4 के सामने स्तंभ 11 के मीचे 'हिन्दी' शब्द के स्थान पर ''हिन्दी, प्रंग्रेजी, या क्षेत्रीय भाषा'' शब्द न्छे जाएंगे।

[मं० 23/1/68 स्था-II]

अे० श्रार**० निम, सहायक वित्तीय सलाहकार (स्टाफ**)

(Department of Expenditure)

(Defence Division)

New Delhi, the 14th October, 1977.

- G.S.R. 1456.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes following rules further to amend the Ministry of Finance (Defence) (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1969, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance (Defence) (Class IV Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule annexed to the Ministry of Finance (Defence) (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1969 against serial No. 4 relating to the post of 'Peon', in column 11, for the word 'Hindi'.

the words "English or Hindi or Regional Language" shall be substituted.

[No. 23/1/68-Fstt. II]

I. R. NIM, Assistant Financial Adviser (E)

नाणिजन मंत्रासन

म**ई** दिल्ली, 13 अम्तुबर, 1977

सा० का० कि० 1457. —राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियोग करने हुए, वाण्ज्य मन्नालय (वस्त्र विभाग) में तकनीकी सहायक (विधि) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमिन करने याले निम्नलिखिन नियम बनाने हैं, अर्थानुः—

- ा. मंद्रिप्त गोर्षक तथा प्राटन (া) ये नियम तकनीकी महायक (विधि) वाणिज्य मल्लालय (वस्त्र विभाग) भर्ती नियम, 1977 कहे जाएंगे।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवत्त होंग ।
- 2. पद की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :--- पद की संख्या, इसका वर्गीकरण तथा इससे सम्बन्धित वेतनमान संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 तक में दिए अनुसार होंगे।
- 3 भर्ती की प्रक्रति, श्रायु-सीमा तथा सन्य सहैताएं:--- उक्त पद की भर्ती की प्रक्रति, श्राय्-सीमा, श्रहैताएं श्रीर उनसे सबंधित श्रन्य बाते ये होंगी जो पूर्वोक्त श्रनसुची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिधित्य हैं:

परन्तु केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-ममय पर निकाले - गये आदेशों के श्रनुसार, श्रनुसूचित जाति, श्रनुसूचित जन जाति या क्रिसी भ्रन्य विशेष प्रवर्ग के श्रश्यवियों के संबंध में स्मम्भ - 6 में निर्निदेष्ट भ्राधकतम श्रासुसीमा शिषिल की जा सकेगी।

- 4. निरहेताए:---वह व्यक्ति,----
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो ;

उक्त पद पर नियम्ति का पाल नहीं होगा:

्र परस्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के घन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के बधीन अनुजेय हैं और ऐसा करने 'के' लिए बन्य घाधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छट देसकेगी।

- 5. नियम णिथिल करने की णिथित :----जहा केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना घावण्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें लेख **यद्ध** करके तथा सच लोक सेवा धायोग से परामर्ण करके , इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की काबन, घादेश द्वारा शिथित कर सकेगी ।
- 6. ब्यावृत्ति : इन नियमो में कोई भी बात ऐसे आरक्षणो तथा ग्रन्य रिशयतों पर कुप्रभाव नहीं द्यांगी जिनका केन्द्रीय सरकार क्षारा देस सबंध में समय समय पर निकाल गये आदेणों के अनुसार, अनुसूचित जातियों . अनुसूचित जनजातियों तथा विणेष प्रयमों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

| गुसूची | | |
|--------|--|--|
| 12/21 | | |

| | | | | भनुसूची | | |
|-------------------------|----------------------|--|--|---|---|---|
| पदकानाम | पदींकी संख्या | वर्ग ीक रण | <u>-</u> वेतन मा न | चयन पद ग्रथवा गैर- च यन पद | : मीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए श्राय सीमा | सीधी भर्ती वाल उम्मीदवारों से ग्रपेक्षित गैंशिक तथा भ्रत्य योग्यताएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| तभनीकी महायक (दिश्य) | । म | ाधारण केन्द्रीय मेवा समृह 'च्च' ग्रराज- पित्रन | 550-25-750- द ् 30-900 क्षये | रो०- लागू नही होता | 30 वर्ष (सरकारी कर्मचार्तियोक लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पणो.—श्रिय मीमा अवधारित करते की निर्णायक नारी व भारत में रहने बाले अध्यियों से (उनको छोड़कर जो अख्मान भीर निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीण संघ राज्यक्षेत्रों में रहने हैं) आवेदन प्राप्त करने की तारी ख होगी। | भिनवार्य: (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व- रिधानय से विधि में उपाधि या समनुष्य। (2) न्यायातप के केसी के सबंध में कार्यवाही का 5 वर्ष का अनुभव (प्रह्ताए भन्यथा सुभिहित अस्यवी की दशा में संघ लोक सेवा प्रायोग के विवेकानुसार शिविल की जा सकती है, विशेषकर भनुभय संघंधी पर्दता अनुस्चित जाति धौर अनुस्चित जनगान के प्राप्यियों की दशा में, उनके लिए धारक्षित प्र्वा के लिए, शिथिल की जा सकती है)। |

| क्या सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित प्रायुत्तवा योग्यताएं पद्मोद्यति वाले उम्मीदवारों पर भी लागृ होंगी | | या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ | यदि पदोक्षति/प्रतिनियुक्षित/ स्थानान्तरण द्वारा भर्ती होनी हो तो वे सेड जिनसे पदोक्षति/प्रति- नियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है | समिति हो तो उसकी संर- | परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग का परामर्श लिया जाना है |
|---|---------------|---|---|-----------------------|---|
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| लागृ नहीं हो ता | 2 बर्ष | प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीघे भर्ती द्वारा। | | यागृ नहीं होता | सीधी भर्ती करने समय संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्थी करना आवश्यक होगा। |

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 13th October, 1977

- G.S.R. 1457.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Assistant (Legal) in the Ministry of Commerce (Department of Textiles) Namely: -
- 1. Short Title and Commencement.—(1) These rules may be called the Technical Assistant (Legal) Ministry of Commerce (Department of Textiles) Recruitment Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. Number of post, classification and scale of pay. The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.
- 3. Method of Recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matter relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

Provided that the upper age limit specified in column 6 may be relaxed in the case of candidates see belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

- 4. Disqualifications.—No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointmentate to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power To Relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

| | | | SCHEI | DULE | | |
|-----------------------------|-----------------|---|-----------------------------|--|---|--|
| Name of post | No. of Posts | Classification | Scale of pay | Whether Selection post or Non- Selection post | Age limit for direct recruits | Educational and other quali fi- cations for direct recruits |
| - | | - 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Technical Assistant (Local) | 1 | General Central Service Group 'B' Non- Gazetted | Rs. 550-25-750-EB-30 900 | Not applicable. | 30-years (Relexable for Government servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union territories of the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep) | Essential: (i) Degree in law from recongnised University or equivalent. (ii) 5 years, experience of dealing with Court cases. (Qualifications relaxable at the discretion of the UPSC in case of candidates otherwise well qualified; in particular the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes & Scheduled Tribes for posts reserved for them. Desirable; Knowledge of Government Rules and Regulations |

| Whether age and P educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees | | whether by direct recruit- | grades from which promo- tion/deputation/transfer to be made | f a DPC exists what is its composition | Circumstances in which U.P.S.C is to be consult- ed in making recruitment |
|---|---------|----------------------------|--|---|---|
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| Not applicable. | 2 years | - | Transfer on deputation: Officers under the Central Government holding analogous posts or with 5 years' service in Posts in the scale of Rs. 425800 or equivalent and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years) | Not applicable | Consultation with the UPSC shall be necessary while making direct recruitment |

[No. A-12022/15/75-E.II] O. P. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1977

(इलायची नियंश्रण)

सांब्कां वित 1458.— केन्द्रीय सरकार, इलायची प्रधिनियम, 1965 (1965 का 42) की घारा 33 बारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, इलायची नियम, 1966 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनानी है, प्रयोग्ः—

- । (1) इन नियमों का नाम इलायची (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपदा में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- इलायची नियम, 1966 में, नियम 46 के पश्चान् निम्नलिखिन नियम भन्तःस्थापित किए जाएंगे, प्रथान्:---
- "47. बोर्ड के निघटन पर उसकी णिक्तयों के प्रयोग के लिए नियुक्त व्यक्तियों का पारिश्वमिक ग्रादि:

प्रधिनियम की धारा 10 के प्रधीन बोर्ड के विधटन ग्रीर बोर्ड की सभी ग्राक्तियों ग्रीर कर्त्तव्यों के निर्धहन के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति की दणा में, ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को संदेय पारिश्रमिक ग्रीर ग्रन्थ भन्ते वे होंगे जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नियत किए जाएं।

- 48. रजिस्टरों श्रीर श्रीभलेखों का रखा जाना :
 - (1) बोर्ड रिजस्टर रखेगा जिनमें इलायची की खेती के प्रधीन प्रानं वाला क्षेत्र , प्रत्येक फसल में प्रभिन्नाप्त उत्पादन, निर्मात की गई फसल का प्रनुपात और ऐसे प्रत्य प्रभिलेख वर्ष प्रति वर्ष दिखाए जाएगें जो अध्यक्ष समय-समय पर आवश्यक समझे।
- (2) ऐसे रजिस्टरों और श्रीशिक्षों के परिरक्षण को गासित करने जाले ग्रनुवेग ऐसे नियमों और विनियमों के प्रनुमार विनियमित किए 99 G I/77—2

जाएंगे जो तत्ममय केन्द्रीय सरकार, के श्रन्य कार्यालयों को इस निमित्त लागू होने हैं।"

[फा॰ सं॰ 29/19/75-म्लाट (बी)]

New Delhi, the 14th October, 1977 (CARDAMOM CONTROL)

G.S.R. 1458.—In exercise of the powers conferred by section 33 of the Cardamom Act, 1965 (52 of 1965), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cardamom Rules, 1966, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Cardamom (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Cardamom Rules, 1966, after rule 46, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "47. Remuneration etc. of the persons appointed to exercise the powers of the Board on its dissolution.—In the event of dissolution of the Board under section 10 of the Act and the appointment of any person or persons for the exercise of all powers and duties of the Board, the remuneration and other allowances payable to such person or persons shall be such as may be fixed by the Central Government.
 - 48. Maintenance of registers and records—
 - (1) The Board shall maintain Registers indicating from year to year the area under cardamom cultivation, the production obtained in each season, the proportion of crop exported and such other records as the Chairman may deem necessary from time to time.
 - (2) The instruction governing preservation of such registers and records shall be regulated in accordance with such rules and regulations as are for the time being applicable in this behalf to other Central Government Officers".

[F. No. 29/19/75-Plant(B)]

सां का विश्व 1459.—केन्द्रीय सरकार, इलायची ग्रधिनियम, 1965 (1965 का 42) की धारा 33 द्वारा प्रदर्म शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इलाचशी (अनुजापन और रजिस्ट्रीकरण) नियम, 1968 को ग्रधिकान्त करने हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

- ा. (1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : इन नियमों का नाम इलायची (अनुज्ञापन और विपणन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख की प्रयुत होंगे।
- 2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से ग्रन्यथा ग्रपेक्षित नहीं ---
- (क) 'प्रधिनियम' से इलाचयी प्रधिनियम, 1965 (1965 का 42) प्रभिन्नेत है:
- (ख) 'नीनामकर्ना' से इलायची के नीनामों के संवालन के कारबार में लगा व्यक्ति अभिप्रेत हैं :
- (ग) व्यौहारी से इलायची के क्रय धौर विकय के कारबार में लगा व्यक्ति ग्रभिन्नेत है परन्तु इसके ग्रन्तर्गन नीलासकर्ता या निर्यानकर्ता नहीं है ;
- (घ) नियानिकर्ता से ऐसा व्यक्ति श्राभिन्नेत है जो भारत से इलायची निर्यात करता है ;
- (४) 'प्ररूप' से इन नियमों से उपाबद प्ररूप स्रभिप्रेत है ;
- (च) 'ब्यक्ति' मे कोई व्यष्टि भ्रभिप्रेत है भ्रौर इसमें अस्पती, फर्म सोसाइटी भ्रौर कोई भ्रन्य संगम या व्यष्टि निकाय सम्मिलित है, चाहे वह निगमित हो या मही।
- 3. इलायची का कारबार जलाने के लिए शर्ते: (1) कोई व्यक्ति इन नियमों के भन्तर्गत जारी की गई अनुजल्ति की शर्ती और निकन्धनों और इलायची उद्योग विकास बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुवेशों के अनुसरण में के सिशाय इलायची के नीलामकर्ता, व्यौहारी, या निर्मातकर्ता के रूप में कारबार नहीं करेगा।
- (2) इलायची का कोई उत्पादक, अपनी उपज, किसी अनुक्राध्य-प्राध्य नीलामकर्ता के माध्यम के बिना या उत्पादकों से इलायची क्रय करने के लिए अनुजध्य प्राप्त किसी व्यौहारी में भिक्ष किसी को विकय नहीं करेगा:

परन्तु यदि बोर्ड का समाधान हो जाए कि उपजकर्ताओं को लाभप्रद प्रतिफल सुनिष्चित करने के लिए सारी इलाजयी को नीलामों के माध्यम से निकालना आवण्यक है तो बोर्ड उत्पादकों से प्रपेक्षा करता है कि वे अपनी उपज, उपर्युक्त नीलामों के माध्यम से अनुक्राप्ति प्राप्त व्यौद्वारियों को विकय करें।

4. इलायची का कारबार करने के लिए व्यक्तियों का धनुज्ञापनः (1) कोई व्यक्ति जो किसी भी वर्ष नीलासकर्ता, व्यौहारी या निर्मातकर्ता के रूप में कारबार करने की बांछां करे, बोर्ड को प्ररुप के में भावेदन कर सकता है:

परन्तु जहां कोई व्यक्ति एक से अधिक हैनियत में अनुकष्ति प्राप्त करने की बांछा करना है वहां पृथक-पृथक भावेदन प्रावश्यक होंगे:

परन्तु यह स्रौर कि यदि कोई नीलामकर्ता एक से अधिक केन्द्र में नीलास का संचालन करने की बाछा करना है तो प्रत्येक केन्द्र के लिए नीलामकर्ता के लिए पृथक अनुक्तरित श्रावण्यक होगी

- (2) प्रत्येक श्रावेदन के साथ, एतक्किलम कोर्ड को देय अपनाए गए फास मांग ड्राफ्ट या पोस्टल श्रार्डर द्वारा, 100 रू० फीस दी जाएगी।
- (3) यदि प्राचेदक के यथोचित्य की बाबन बोर्ड का समाधान हो जाए तो वह उसे प्ररूप खार्मे भ्रन्ज्ञप्ति जारी कर सकता है।
- 5. धनुक्राप्तियों का नवीकरण : (1) वह व्यक्ति जो नीलामकर्ता, व्यौहारी या निर्यानकर्ता के रूप में घपनी धनुक्राप्त नवीकृत करवाने की बांछा करना है, प्ररूप के में नियम 4 के उपनियम (2) में विनिर्विष्ट रीति में, अपना धावेदन फीस के साथ बोर्ड को इस प्रकार भेजेगा कि वह बोर्ड के पास, जिस वर्ष में अनुक्राप्त समाप्त हो रही हो उससे पूर्ववर्ती वर्ष में 30 जुन को या उससे पूर्व पहुंच जाए:

परन्तु बोर्ड, प्रमुक्षप्ति के नवीकरण के लिए कोई प्रावेदन, धनुक्रप्ति की समाप्ति की तारीख तक ले सकता है, यदि विलम्ब के प्रति मास या उसके भाग के लिए 25 रु० की प्रतिरिक्त फीस साथ हो।

- 6. प्रनुज्ञप्ति की विधिमान्यता :-ग्रनुज्ञप्ति, सामान्यतः एक वर्षे की प्रविध के लिए विधिमान्य होगी :
- परन्तु बोर्डजारी किए जाने की *सारी*ख से वर्षके अन्त तक विधिमान्य श्रस्पतर अवधि के लिए भी अनुक्राप्ति जारी करमकता है।
- 7. अनुक्रप्ति को निलम्बन या रहकरण: (1) यवि बोर्ड को समाधान हो जाए कि अनुक्रप्तिधारी ने, अनुक्रप्ति की किसी शर्त का या अधिनियम तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के किसी उपबन्ध को या बोर्ड द्वारा प्राधिकृष अधिकारी द्वारा जारी किए गए साधारण या विशिष्ट निर्देशों का, उल्लंबन किया है या किसी व्यक्ति ने, जिसे इन नियमों के अधीन अनुक्रप्ति जारी की गई है, अनुक्रप्ति कपट या दुर्स्थपदेशन करके अभिप्राप्त की है तो वह किसी अन्य विधि के अधीन की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना, ऐसे अनुक्रप्तिधारी को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देने के पण्चात् और ऐसे कारणों से जो लेख बद्ध किए जाएंगें, एक लिखिन आदेश द्वारा ऐसी अनुक्रप्ति निलम्बिन कर सकता है।
 - (2) उपनियम (1) के अधीन किए गए भादेश की एक प्रति अनुवाप्तिधारी को भेजी जाएगी।
- 8. अपील : (1) कोई भी व्यक्ति, जो बोर्ड के किसी ऐसे आदेश से जिसके द्वारा किसी अनुकारित को जारी या नविक्वित करने से इन्कार किया गया हो या किसी अनुकारित को निलम्बित या प्रतिसंहुत किया गया हो, व्यथित हो, ऐसे आदेश किए जाने के साठ दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकता है।
- (2) उपनियम (1) के अधीन भ्रपील की प्राप्ति पर, केन्द्रीय सरकार, भ्रपीलार्थी को सुनवाई का युक्तियुक्त भवसर देने के पश्चात् जैसा बहु ठीक समझे दैसा आदेश पारित कर सकती है।
- 9. अनुझण्तिधारियों द्वारा प्रस्तुत की जानेवाली विवरणियां : प्रत्येक अनुझण्तिधारी, समय-समय पर, वैसे रिजस्टर और विवरणियां बनाएं रखेगा और किन फरेगा जो उन शर्तों के अधीन , जिन पर अनुझण्ति जारी की गई है, अपेकित है।

प्रस्प क

[नियम 4(1) श्रीर 5(1) वेखिए]

नीलामकर्ता/व्यौहारी/निर्यातकर्ता के रूप मे अनुक्राप्तके लिए अनुक्राप्त के नवीकरण के लिए आवेदन

- (1) (क) ब्रावेदक का नाम (माफ ब्रक्षरों में) (व्यप्टि/फर्म/कम्पनी/मोनाइटी/ मंगम)
 - (स्त्र) नवीन था नवीकरण यदि नवीकरण है तो पूर्ववर्ती वर्ष की ग्रनुक्चप्ति संख्याक दीजिए।
 - (ग) भेजी गई फीस के ब्यौरे
- (2) (क) पूरा पता (मुख्य कार्यालय ग्रीर शाखाग्रों के यदि, कोई हों पते दिए जाने चाहिए)
 - (ख) तार, टेलेक्स,टेलीफोन, यदि कोई हो
- (3) भण्डारण-स्थान का पूरा पता
- (4) कारबार की प्रकृति (नीलामकर्ता/व्यौहारी/निर्यानकर्ता)
- (5) फर्म/कस्पनी/सोसाइटी/संगम के स्वत्वधारी/स्वत्वधारियों/भागीदारों/निवेणकों के पूरे नाम और स्थायी पने
- (6) विनिहित पूंजी/वित्तीय ख्याति
- (7) वर्ष जिनके दौरान ग्रानेदक के पास बोर्ड की ग्रनुज्ञप्ति थी
- (8) निम्निलिखन भूचना (प्रत्येक मामले के भ्रनुसार) नीलामकर्ता
- (1) नीलाम का स्थान
- (2) नीलाम का विन/समय और मानुति
- (3) उपजकर्ताम्रों भौर नीलाम में सफल बोली बोलने वालों को दिए गए कोई बित्तीय सौकर्य
- (4) भण्डारण सुविधाएं/गोदाम की अवस्थिति
- (5) नीलामघर की प्रवस्थिति
- (6) इलायची के श्रेणीकरण के लिए मुविधाएं, यदि कोई हीं
- (7) सीन पूर्ववत अनुज्ञापन वर्षों के दौरान नीलाम की गई इलायची की मान्ना भौर उसका मूल्य

| वर्ष | माला |
|--------------------|------------|
| (सितृम्बर-ग्रगस्त) | (कि०ग्रा०) |
| 19 | 19, |
| 19, | 19 |
| 10 | 1.0 |

क्योहारी

- (1) इलायची के ऋय का स्नोत (रोपक से या नीलाम में)
- (2) भण्डारण सुविधाएं
- (3) क्या इलायची को भण्डारकरण की घवधि में ग्रसन से बचाने के लिए धुझारित किया गया है?

| (4) | गत | वर्ष | के | दौरान | िकसी | एक | संख्य | वहार | में | ऋय | मौर | विकथ |
|-----|----|------|----|-------|-------|-------|-------|------|-----|----|-----|------|
| • / | की | गई | इल | ायची | की मा | त्राय | ोर ः | उसका | मूर | य | | |

| वर्ष | ऋय | विक्रय |
|-------------------|-----------------|----------------|
| (मितम्बर-म्रगस्त) | भान्ना मूल्य | मीता मूल्य |
| | (कि०ग्रा०) (६०) | (कि०भा०) (क्०) |
| 19 | 19 | |
| 19 | 19 | |
| 19 | 19 | |

निर्यातकर्ता

- (1) ऋय का स्रोत (रोपक से, नीलाम मे ब्यौहारी से)।
- (2) क्या उसके पास व्यौहारी-श्रनुजिप्त है ? यदि हो तो उसका क्योरा
- (3) वे देण जिनको निर्यात किया गया है या निर्यात किया जाना है।
- (4) गत तीन वित्तीय ययों के दौरान किस-किस देश को कितना-किनना निर्यात किया गया।

| वर्ष | देश | योत पर्यन्त | मात्रा |
|------|-----|-------------|--------|
| 1 9 | 1 9 | निःशृल्क | |
| 1 9 | 1 9 | मूल्य | |
| 19 | 1 9 | | |

घोषणा

मैं/हम घोषित करता हूं/करते हैं कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे/हमारे सर्वोत्तम शान श्रोर विश्वास के श्रनुसार सही है श्रीर यह कि मैं/हम इलायची (श्रनुजापन श्रीर विपणन) नियम, 1977 का श्रीर कारबार संचालित करने के बारे में बोर्ड द्वारा समय-समय पर दिए गए धनुवेशों का पालन कर्लगा/करेगे। स्थान:

न्नावेदक या स्नावेदकों के हस्ताक्षर

तारीखः

टिप्पण : (1) किसी भी व्यक्ति को श्रपने कारतार के प्रत्येक स्थान के लिए या प्रत्येक प्रवर्ग के कारबार, जैसे नीलामकर्ता, व्यक्तिहारी या निर्यातकर्ता, के लिए श्रलग-प्रलग प्रावेदन करना चाहिए।

(2) जिन प्रावेदनों के साथ विहिन फीस नहीं है उन पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रकृष ख

[नियम 4(3) वे**से**]

1. नीलामकर्ता के रूप में श्रमुज्ञप्ति

(धनन्तरणीय) धनुक्रप्ति सं०

श्रीमती/श्री/मेसर्सः.....को नीलामकर्ता के रूप मेंमें इलायची का कारबार करने के लिए, यहां विनिर्दिष्ट शर्ती के प्रधीन प्राधिकृत किया जाता है।

अनुज्ञप्ति 19 के अगस्त के इकत्तीसके दिन तक विधिमान्य है।

स्थान :

मुद्रा

मिषव के हस्ताक्षर

गत

- (1) नीलामकर्ता उस स्थान पर, उस दिन और उस समय जो बोड क्वारा विनिश्चित किया जाए, नीलाम करेगा।
- (2) नीलामकर्ता विकय के लिए प्रस्तावित इलायची के ढेर में में 500 ग्राम इलायची नमूने के रूप में निकालेगा, उसमें से 350 ग्राम इलायची नीलाम ग्रारम्भ होने में चार घन्टे पहले नीलाम स्थल पर, बोली लगाने वालों की जांच के लिए ग्राभिद्याल करेगा तथा एक सूची प्रचालित करेगा जिसमें प्रत्येक ढेर की मात्रा, प्रत्येक ढेर के ग्रामों में यजन श्रौर ग्रारक्षित कीमत का उल्लेख होगा।

सूची की एक प्रति बोर्ड को मेजी जाएगी। नमूने में की 100 ग्राम इलायची सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को दी जाएगी छौर शेष 50 ग्राम किसी विवाद की दशा में, मस्यापन के लिए मुहरबन्द पोलियीन के थैले में मान दिन तक रखी जाएगी। यथास्थिति उक्त श्रवधि की समाप्ति पर या विवाद के व्यवस्थापन पर, इलायची को स्वामी, नीलामकर्ती द्वारा, नमृन के रूप में निकासी गई इलायची में से शेष इलायची वापस प्राप्त करने का हकदार होगा।

- (3) (क) नीलामकर्ता, अपने द्वारा की गई सेवाओं के लिए कमीशन के रूप में विकय कीमत का एक प्रतिशत से ग्रधिक प्रभारित नहीं करेगा।
- (ख) नीलामकर्ता, स्वामियों से जो श्रपनी इलायची नीलाम के लिए लाने हैं, उसे देय एक प्रतिशत कमीशन से श्रधिक कोई बट्टा या नकद या वस्तुरूप में संदाय/श्रपने लिए या केना की छोर से नहीं, लेगा या स्वीकार करेगा। नीलामकर्ता यह सुमिश्चित करेगा कि स्वामी को, नीलाम में बेची गई इलायची की सम्पूर्ण मान्ना का मूल्य मिले। ज
 - (4) नीलामकर्ता प्ररूप 'भ' में एक रिजस्टर रखेगा।
 - (5) नीलामकर्ता, नीलाम की तारीख से सान दिन के भीतर प्रकृप 'ग' में रखे गये रजिस्टर का उद्धरण बोर्ड को भेजेगा।
 - (6) नीलामकर्ता, नीलाम से श्रयले दिन नीलाम की एक अग्निम निपोर्ट प्ररूप 'घ' में भेजेगा।
- (7) तीलामकर्ता, किसी ऐसी एस्टेट के स्थामी में जिसने प्रपत्ती एस्टेट राजिस्ट्रीकृत न करवाई हो या किसी ऐसे व्यवहारी से जो बोर्ड से प्रनुर्काप्तः प्राप्त नहीं है, इलायची के विकय की वार्ता नहीं करेगा।
- (৪) जहां कोई नीलामकर्ता अपने कारबार को किसी दूसरे व्यक्ति को अन्तरित करता है यहां अन्तरित इलायची (अनुजापन भीर विषणन) नियम, 1977 के अधीन नई अनुजाप्त अभिप्राप्त करेगा।
- (9) जहां अनुजिन्छारी की मृत्यु हो जाए वहां मूल अनुक्रांग्न पर्यवसित हुई समझी जाएगी धौर यदि एक से अधिक व्यक्ति मृत व्यक्ति के वारिस होंगे का दावा करें तो वारिस या वारिसों में से प्रत्येक उसके लिए नई अनुकारित जारी करने के लिए बोर्ड को आधेदन करेंगे।

| | | | | ष में भ्रपने कारका | | | | | | श्र भिलेखों |
|----|----------------|--------------------|--------------------|------------------------|-----------------|------------|----------------|------------|---------|-------------|
| को | कोर्खके किसी ऐ | से प्रधिकारी द्वार | ा, जिसे इस निमिक्त | । प्रध्यक्ष ने प्राधिक | त किया हो, मांग | की जाने पर | , उसे निरीक्षण | के लिए पेश | करेगा । | |

🚹 व्यौहारी के रूप में ग्रन्जप्ति

(ग्रनस्तरणीय)

अनुज्ञप्ति सं०

श्रीमती/श्री/मे**गर्म**....

नीलाम में

/उत्पादकों से प्रत्यक्षतः इलायची खरीदने के लिए, जहां विनिर्दिष्ट शर्मी के ब्रधीन प्राधिक्कृत किया जाता है।

प्रमुक्तप्ति 19..... के ग्रगस्त के इकतीसवें दिन तक विधिमान्य है।

स्थान

नारीख

मुद्रा

सचित्र के हस्ताक्षर

गतें :—

- (1) व्योहारी, किसी ऐसे एस्टेट स्वामी से जिसने घपनी एस्टेट रजिस्ट्रीकृत न करवाई हो या ऐसे नीलामकर्ता से जिसे बोर्ड द्वारा श्रनुज्ञान्त न दी गई हो, इलायची नहीं खरीदेगा।
- (2) कोई व्यौहारी, इलायची उत्पादकों या नीलामकर्ताओं से नकद था जस्तु रूप में, चाहे वह बहु के रूप में हो या कमीणन के रूप में, कोई रकम मही भागेगा या स्वीकार नहीं करेगा। किसी भीलाम में भाग लेने वाला कोई क्यौहारी, लहों में उसके द्वारा क्रय की गई इलायची की सम्पूर्ण मान्ना के लिए पूर्ण मूल्य का संदाय करेगा।
 - (3) प्रत्येक व्यौहारी, प्ररूप 'रु' में एक मभिलेख रखेगा।
- (4) प्रत्येक ब्यौहारी प्ररूप 'च' में एक मासिक विवरणी इस प्रकार भेजेगा कि उसके पण्चात्वर्शी मास के दसवे दिन को या उससे पूर्व बोर्ड के पास पहुंच जाए।
 - (5) जहां कोई व्यौहारी भ्रपना कारबार, घन्य व्यक्ति को अन्तरित करना है वहां अन्तरिनी नयी अनुक्रप्ति अभिप्राप्त करेगा।
- (७) जहां ध्रनुक्रप्तिधारी की मृत्यु हो जाए वहां मूल श्रनुक्रप्ति पर्यवितित हुई समझी जाएगी और यदि एक से ग्रधिक व्यक्ति मृत व्यक्ति के बारिस होते का दावा करे तो बारिस या वारिसों में से प्रस्येक नई ग्रनुक्रप्ति जारी करने के लिए बोर्ड को बावेदन करेंगे।
- (७) प्रत्येक व्यौहारी, इलायची व्यौहारी के रूप में प्रपने कारबार के संबंध में, उसके द्वारा रखे जाने वाले सभी लेखाश्रों, रजिस्टरों श्रन्य श्रभिलेखों को को बोर्ड के किसी ऐसे अधिकारी द्वारा, जिसे इस निमित्त अध्यक्ष दे प्राधिकृत किया हो, सौग की जाने पर निरीक्षण के लिए पेश करेगा।

III निर्यातकर्ता के रूप में अनुज्ञप्ति

(ग्रनन्तरणोय)

धनुक्रप्ति सं०——————————— श्रीमतौ/श्री/मेसर्म

भारत में इलायची के निर्यातकर्ता के रूप में

कारबार करने के लिए, यहां विनिर्दिष्ट गर्तों के श्रधीन श्राधिकृत किया जाता है।

भनुज्ञप्ति 19...... के घगस्त के इक्तिसबै विन तक विधिमान्य है।

स्थान :

तारी**ख**

मुद्रा

मचित्र के हस्साक्षर

यसँ ।

- (1) निर्मातकर्ता किसी रायक से या नीलाम में नब तक इलायची प्रश्वकातः नहीं खरीद संकता जब सक कि उसके पास व्यीहारी के रूप में अनुक्राप्ति न हो।
 - (2) निर्यानकर्ता प्ररूप 'छ' में एक रजिस्टर रखेगा।
- (3) निर्यातकर्ता, बोर्ड को, प्ररूप 'छ' में एक मासिक कथन इस प्रकार भेजेगा कि यह सचिव, इसायची-बीर्ड के पास प्रत्येक पण्चात्यर्ती मास के दसवें दिन या उससे पूर्व पशुंच जाए।
 - (4) जहां कोई निर्यातकर्ता अपना कारबार, अन्य व्यक्ति को अन्तरित करता है वहा अन्तरिती नयीं अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करेगा।
- (5) जहां अनुज्ञप्ति धारी की मृत्यु हो जाए वहा मूल अनुज्ञप्ति पर्यवसित हुई समझी जाएगी और यदिएक से अधिक व्यक्ति मृत व्यक्ति के बारिस होने का बाबा करें तो बारिस व बारिसों में से प्रत्येक नई अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए बोर्ड को आधेदन करेगा।
- (6) प्रत्येक नियंतिकर्ता, इलायची नियंतिकार्ता के रूप में प्रपने कारबार के सम्बन्ध में, उसके द्वारा रखे जाने वाले सभी लेखाओं, रजिस्टरों ग्रौर श्रन्य श्रभियेखों को बोर्ड के किसी ऐसे श्रधिकारी द्वारा, जिससे इस निमित्त श्रष्ट्यक्ष ने प्राधिकृत किया हो, मांग की जाने पर, निरीक्षण के लिए पेश करेगा।

प्ररूप ग (प्ररूप खाः) देखिए)

(नीलाम रिपोर्ट)

(1) रोपक (2) ब्योहारी से प्राप्त इलायर्चा के नीलाम के लिए पृथक रिपोर्ट वी जानी चाहिए। हलायची बोर्ड प्रनुज्ञाप्ति सं०. प्रधिकतम कीमतः ₹₀ न्युननम कीमनः नीलाम सं०: ₹ o श्रीसतकीमतः नीलाम की तारीखः एस्टेट रजिस्ट्रीकरण चीलाम के लिए विक्रयकी प्रतिकि०ग्रा० बोलीलगाने इल≀यची टिप्पण - रोपक/ब्यौहारी का मूल्य कमीणन य०/ इनायची एवी गई मात्रा मावादी गई (Eo) **(**Eo) वाले का पूरा वोर्ड ्पूरानाम ग्रीरपसः दर बोर्डमन्ज्ञप्तिसं० (कि० ग्रा०) (कि०ग्रा०) (क०) न।मधीर पता भनुज्ञप्ति Ħσ

मैं/हम पुष्टि करता/करते हूं/है कि मैंते/हमते नीलाम में विकय की गई इलायबी के स्वामियों से, तियमों के प्रधीत मुझे/हमें प्रतुजात 1% कमीणन से भिन्न कोई बट्टा या कमीणन स्वीकार या प्राप्त नहीं किया है, न ही मैंते/हमते कोई इलायबी या कमीणन प्रापे केताओं को दी है। नीलामकर्ती के हस्ताक्षर

स्थानः तारीखः

प्ररूप घ (प्ररूप खा 1 देखिए)

श्रश्मिम नीलाम रिपोर्ट

नीलामकर्ताका नाम ग्रीर पता इलायची बोर्डकी ग्रनुज्ञप्ति सं०

- 1. ऋतु
- 2. नीलाम सं०
- 3. मीलाम की तारीख
- पूर्ववर्ती नीलामों से घग्रनीत माल्रा (कि०ग्रा०)
- 5. नयी स्नाम्द (कि०ग्रा०)
- 6. नीलाम के लिए रखी गई कुल मात्रा (कि॰ग्रा॰) [क्रम सं॰ (४) ग्रीर (5) की कुल मात्रा]
- 7. कृल विकय की गई माक्रा (कि०ग्रा०)
- 8. निकाली गई मास्रा (कि०ग्रा०) [क्रम सं० (6)-(7)]
- 9. रोपको को बापिस की गई मास्रा (कि०ग्रा०)
- 10. मीलामकर्ता के पास अतिशेष (कि०ग्रा०) [क्रम सं० (8)-(9)]
- 11 विकयों का कुल मूल्य (६०)
- 12. म्रधिकलमः कीमन (२०/कि०ग्रा०)
- 13. न्यूनतम कीमत (६०/कि ग्रा०)
- 14. श्रीमत कीमत (२०/कि० ग्रा०)

स्थान :

नारीखः

नीलामकर्ता के हस्ताक्षर

प्रस्प इन

(प्ररूप खाH देखिये)

(ग्रनुज्ञप्ति-प्राप्त अयौहारी द्वारा रखे जाने वाले र्राजस्टर का प्ररूप)

| ह र्योह ारी र | का नाम भ्रौर पताः | | | | | भास |
|---------------------------|--|---|--|------------------------|------------------------|------------------------------|
| क्य की तारीख | उस व्यक्ति का नाम और पना जिसमे क्रय किया गया है | उस व्यक्ति का प्रवर्ग जिससे अन्य किया गया है (उदाहरणतथा रोपक/नीलामकर्ता) | नीलामकर्ता की एस्टे सं०/ब्रनुक्राप्ति | • | मात्रा (कि०ग्रा०) | मूरूय (ह०) |
| | | 3 | | 4 | 5 | б |
| | | म्नान्तरिक विकय | | | निर्यात * | |
| · _ वित्रय की सारीख | उस व्यक्ति का नाम श्रौर पना जिसे इलायची विकय की गई | उस व्यक्ति का प्रवर्ग जिसे इलायची विक्रय की गई (उदाहरणनया निर्यातकर्ना/ उपभोक्ता, श्रन्य) | मान्ना (कि० ग्रा०) | मूल्य (फ ०) | मास्त्रा (कि०ग्रा०) | पोत पर्यन्त निणुल्क मूल्य |

केवल उन व्यवहारियों को लागृ है जिनके पास नियंतिकर्ता की अनुसन्ति है।

प्रकार च

(प्ररूप खा∏ देखिए)

(अनुज्ञ प्ति-प्राप्त व्यौहारी द्वारा कोई को भेजे जाने वाला मासिक व्यथन)

व्योहारी का नाम ग्रीर पता:

इलायची बोर्ड की प्रनृज्ञप्ति सं० :

मासिक :

| त्रय | | | श्रान्तरिक विक्रय | | | | L* 1 |
|------------------|----------------------|---------------|------------------------|----------------------|--------------------------|------------------------|-----------------|
| जिससे त्रयं किया | मान्ना (कि०ग्रा०) | मूल्य (६०) | जिसे विकय किया | मात्रा (कि०ग्रा०) | म् <i>स्य</i> (क्०) | — माना (कि० गा०) | मूस्य (रु०) |
| ा. रोपक | | | 1. नियतिकर्ना | | | | |
| 2. नीलामकर्ता | | | 2. उपभो क ा | | | | |
| 3. भ्रन्य | | | 3. भ्रन्य | | | | |
| कुल | | | <u> শু</u> ল | | | | क्ल |

- 1. पिछले मास का स्टाक अग्रनीता करना (कि०ग्रा०)
- 2. माम के दौरान ऋय की गई कुल माह्ना (कि० ग्रा०)
- 3. मास के दौरान भ्रान्यरिक विकयों की कुल मात्रा (कि०ग्र०)
- मास के दौरान किए गए नियनि की कुल मान्ना (कি० ग्रा०)
- 5 माम के ग्रन्त में बन्दी स्टॉक (कि०ग्रा०)
- *केथल उन व्यौहारियों को कामू होगा जिनके पास निर्यात की अनुक्राप्ति होगी।

मैं/हम पृष्टि करने हैं कि मैंने/हमने, इलायची के प्रपने उत्पादक से, प्रत्यक्षतः या नीलामकर्ता के माध्यम से कोई कमीणन या बट्टा नहीं स्वीकार किया है।

म्थान :

नारीखः

ज्यौहारी के हस्ताक्षर

प्ररूप छ

(प्ररूप खा⊞ देखिए)

(नियान की मासिक विवरणी इलायची के नियानकर्ता द्वारा बोर्ड को भेजी जाएगी)

निर्यानकर्ताका पूरा नाम और पना :

तारकापनाः

इलायची बोर्ड का प्रमाण पक्ष स० :

माग

| क्रम संस्यांक | पारित एस/बिल की तारीख | पोतलदान की तारीख | पत्तन जिससे निर्यात किया गया | गन्तव्यः स्थान | | मास्ना (कि०ग्रा०) | पोतपर्यन्त निण्हक मृ० (५०) | |
|------------------|--------------------------|---------------------|---------------------------------|----------------|-----------------------|----------------------|-------------------------------|-----------------|
| 117917 | 10 11 (14 | VIII 124 | (Matthewall and | पत्तनं देश | - (';;(*i'4 <i>')</i> | (14.0310) | Α΄c (4c) | (संग्राकाण्यात) |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| | | | | | | कुल | | · |

मैं घोषित करता हूं कि उपर्युक्त सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान ग्रौर विश्वास के ग्रनुसार सत्य है।

स्थान :

तारीख:

नियतिकर्ता के हस्ताक्षर

टिप्पण:---मास की रिपोर्ट पण्चात्वर्ती मास के दसवें दिन से पूर्व भेजी जानी चाहिए। विवरणी का निबंधित समय के भीतर स्रप्रस्तुनीकरण, इलायची (प्रनुज्ञापन भीर विपणन) नियम, 1977 का उल्लंघन होगा भीर इलायची ग्रधिनियम, 1965 (1965 का 42) की धारा 26 के ग्रधीन वण्डनीय होगा ।

> [फा॰र्स॰ 32(38/70-प्लांट (बी)] एस॰ महादेव ग्रन्थर, उपनिदेशक

- G.S.R. 1459.—In exercise of the powers conferred by section 33 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965), and in supersession of the Cardamom (Licensing and Registration) Rules, 1968, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—
- 1. (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Cardamom (Licensing and Marketing) Rules. 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) 'Act' means the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965);
 - (b) 'auctioneer' means a person engaged in the business of conducting cardamom auctions;
 - (c) dealer means a person engaged in the business of purchasing and selling of cardamom but does not include any auctioneer or exporter;
 - (d) 'exporter' means a person who exports cardamom from India;
 - He) 'form' means a form appended to these rules;
 - (f) 'person' means an individual and includes company, firm, society and any other association or body of individuals whether incorporated or not.
- 3. Conditions to carry on business in cardamom,—(1) No person shall carry on business as auctioneer, dealer or exporter of cardamom, except under and in accordance with the terms and conditions of a licence issued under these rules and such other instructions as may be issued, from time to time, by the Board for the development of the curdamom industry.
- (2) No producer of cardamom shall sell his produce otherwise than through a licensed auctioneer or to a dealer licensed to purchase cardamom from producers:

Provided that the Board may, if it is satisfied that to ensure remunerative returns to growers, it is necessary to route all cardamom through auctions, require producers to sell their produce to the licensed dealers through auctions above.

4. Licensing of persons to carry on business of cardamom.—(1) Any person desiring to carry on business as auctioneer, dealer or exporter in any year may apply in Form A to the Board for a licence:

Provided that separate applications shall be necessary where a person desires to be licensed in more than one capacity.

Provided further that separate licence shall be necessary for an auctioneer in respect of each centre if he desires to conduct auctions in more than one centre.

- (2) Every application shall be accompanied by a fee of Rs. 100 by a crossed demand draft or postal order drawn payable to the Board at Ernakulam.
- (3) The Board may, if it is satisfied as to the suitability of the applicant, issue a licence to him in Form B.
- 5. Renewal of licences.—(1) Any person desiring to renew his licence as auctioneer, dealer or exporter may submit his application to the Board accompanied by the fees, and in the manner, specified in sub-rule (2) of rule 4 in Form A so as to reach the Board on or before the 30th June of the year preceding to the year in which the licence expires:

Provided that the Board may entertain an application for the renewal of licence upto the date of expiry of the licence on payment of an additional fee of Rs. 25 for the delay of every month of part thereof.

6. Validity of licence.—The licence shall normally be valid for a period of one year:

Provided that the Board may issue a licence for a shorter period valid from the date of issue till the end of the year.

- 7. Suspension or cancellation of licence.—(1) If the Board is satisfied that a licensee has violated any of the conditions of the licence or any provision of the Act or rules made thereunder or in general or specific directions issued by the Board or an authorised officer of the Board or that any person to whom licence has been issued under these rules has obtained such licence by fraud or misrepresentation, it may, without prejudice to any other action which may be taken under any other law, after giving a reasonable epportunity to such licensee of being heard and for reasons to be recorded in writing, suspend or cancel such licence by an order in writing.
- (2) A copy of the order made under sub-rule (1) shall be communicated to the licensee.
- 8. Appeal.—(1) Any person aggreed by an order of the Board refusing to issue or renew a licence or suspending or revoking a licence may, within sixty days from the date of making of such order, appeal to the Central Government.
- (2) On receipt of the appeal under sub-rule (1), the Central Government shall, after giving a reasonable opportunity to the appelant of being heard, pass such order as it may deem fit.
- 9. Returns to be submitted by licensees.—Every licensee shall, from time to time, maintain and submit such registers and returns as may be required under the conditions on which the licence is issued.

FORM A

See rules 4(1) and 5(1).

Application for issue/renewal of licence as Autioneer/Dealer/Exporter.

- (1) (a) Name of the Applicant (in Block letters) (Individual/Firm/Company/Society/Association)
 - (b) Fresh or renewal If renewal give previous years, licence No.
 - (c) Details of fee remitted.
- (2) (a) Address in Full
 (Addresses of Principal office and branches if any should be given)
 - (b) Telegram, Telex, Telephone if any.
- (3) Address in full of the place of storage.
- (4) Nature of business /Auctioneer/Dealer/Exporter)

| | Ţ | Full name and permanent address of the proprietor/proprletors/partners/Directors of the Firm/Company/Society/Association. | | | | | | |
|-----|------------------------------|--|--|----------------------------------|----------------|-------------------------|--------|--------------|
| (6) | (| Capital Invested/Financial standing | | | | | | |
| (7) | | Years during which the applicant was in possession of Boar Licence | rd's | | | | | |
| (8) | | The following information to be given (as applicable each case). | : in | | | | | |
| | , | AUCTIONEER | | | | | | |
| | (i) | Place of Auction | | | | | | |
| | (ii) | Day/Time and frequency of Auction | | | | | | |
| | (iii) | Financial accommodation if any, given to growers and successful bidders in auction, | l | | | | | |
| | (iv) | Storage facilities/Location of Godown | | | | | | |
| | (v) | Location of Auction Hall | | | | | | |
| | (vi) | Facilities for grading of cardamom, if any. | | | | | | |
| | | Quantity and value of cardamom auctioned during the preceding three licensing year | Year (Sept.—Aug.) | | Quantity | , | (Kgs.) | |
| | | (September—August). | 19 | .19 | | | | |
| | DEA | LER | | | | | | |
| | (i) | Source of purchase of cardamom (from planter or at auctions) | | | | | | |
| | (ii) | Storage facilities | | | | | | |
| | (iii) | Is cardamom fumigated against infestation during storage | | | | | | |
| | | and the state of t | | | | | | |
| | (iv) | Maximum and minimum quantity purchased and sold in any one transaction during the last year. | | | | | | |
| | | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold | Year | Purcl | | | Sales | |
| | | in any one transaction during the last year. | Year (Sept.—Aug.) | Purel Qty. (kgs.) | Valve | Qty. (Kg s.) | V | alue Rs.) |
| | | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold | (Sept.—Aug.) | Qty. (kgs.) | Valve | | V | |
| | | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold | | Qty. (kgs.) | Valve | | V | |
| | | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold | (Sept.—Aug.) 19 19 | Qty. (kgs.) | Valve | | V | |
| | | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold | (Sept.—Aug.) 19 19 19 | Qty. (kgs.) 19 | Valve | | V | |
| | | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. | (Sept.—Aug.) 19 19 19 | Qty. (kgs.) 19 19 | Valve | | V | |
| | (v) | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. EXPORTER | 19 | Qty. (kgs.) 19 19 | Valve | | V | |
| | (v) | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. EXPORTER Source of purchase (from planter at auctions from dealers) | (Sept.—Aug.) 19 19 19 19 | Qty. (kgs.) 19 19 | Valve | | V | |
| | (v) | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. EXPORTER Source of purchase (from planter at auctions from | (Sept.—Aug.) 19 19 19 19 | Qty. (kgs.) 19 19 | Valve | | V | |
| | (v) (i) (ii) | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. EXPORTER Source of purchase (from planter at auctions from dealers) Whether in possession of Dealerers licence. If so detail | (Sept.—Aug.) 19 19 19 19 | Qty. (kgs.) 19 19 | Valve | | V | |
| | (i) (ii) (iii) (iv) | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. EXPORTER Source of purchase (from planter at auctions from dealers) Whether in possession of Dealerers licence. If so detail thereof | (Sept.—Aug.) 19 19 19 19 19 (April—March) | Qty. (kgs.) 19 19 19 19 Country | Valve | | V | ₹\$.) |
| | (i) (ii) (iii) (iv) | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. EXPORTER Source of purchase (from planter at auctions from dealers) Whether in possession of Dealerers licence. If so detail thereof Countries to which exported/intend to export. Country-wise export of cardamom during the last three | (Sept.—Aug.) 19 19 19 19 19 19 19 19 19 | Qty. (kgs.) 19 19 19 19 19 19 | Valve (Rs.) | | V | Rs.) |
| | (i) (ii) (iii) (iv) | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. EXPORTER Source of purchase (from planter at auctions from dealers) Whether in possession of Dealerers licence. If so detail thereof Countries to which exported/intend to export. Country-wise export of cardamom during the last three | (Sept.—Aug.) 19 19 19 19 19 19 | Qty. (kgs.) 19 19 19 19 19 19 19 | Valve (Rs.) | | V | Rs.) |
| | (i) (ii) (iii) (iv) | in any one transaction during the last year. Quantity and value of cardamom purchased and sold during the last three Licensing years. EXPORTER Source of purchase (from planter at auctions from dealers) Whether in possession of Dealerers licence. If so detail thereof Countries to which exported/intend to export. Country-wise export of cardamom during the last three | (Sept.—Aug.) 19 19 19 19 19 19 | Qty. (kgs.) 19 19 19 19 19 19 | Valve (Rs.) | | V | Rs.) |

Declaration

I/We declare that the information given above are true to the best of my/our knowledge and belief and that I/we shall abide by the Cardamom (Licensing and Marketing) Rules 1977 and any instruction given by the Board from time to time regarding the conduct of business.

Date

Singuature of the Applicant or Applicants

Note: (i) Separate application shall be made by a person for each category of business as auctioneer. dealer or exporter.

> (ii) Applications not accompanied with the prescribed fee will not be entertained.

FORM B

See rule 4(3)

I LICENCE AS AUCTIONEER

(Not Transferable)

I icence No. Smt/Shri/Messrs. is/are hereby authorised to carry on business in cardamom as auctioneer at subject to the conditions specified hereunder. The licence is valid upto the 31st day of August 19 Place.....

> Signature of the Secretary

SEAL

Conditions-

Date.....

- (1) The auctioneer shall conduct the auction at a place on a day and time specified by the Board.
- (1) The auctioneer shall draw 500 grammes out of each lot of cardamom offered for sale as sample expose 350 grammes out of it for bidders to examine the same at the auction four hours before the commencement of the auction and circulate a list indicating the quantity of each lot, weight in grammes per litre and the reserve price, A copy of the list shall be sent to the Board, 100 grammes of the sample shall be given to the highest bidder and the balance of 50 grammes shall be kept by the auctioneer in a scaled polythene bag for a period of seven days for verification in case of any dispute. On expiry of the said period or on settlement of the dispute, as the case may be, the owner, of the cardamom shall be entitled to receive back the cardamom remaining from the sample drawn by the auctioneer.
- (3)(a) The auctioneer shall not charge more than one percent of the sale price as commission for the services rendered by him.
- (b) The auctioneer shall not take or accept for himself or on behalf of the purchaser any discount or payment in cash or kind from owners who bring their cardamom for auction over and above the one percent commission due to him. The auctioneer shall ensure that the owner gets his value for the entire quantity of cardamom sold in the auction.
 - (4) The auctioneer shall maintain a register in form 'X'.
- (5) The auctioneer shall send to the Board an extract of the register maintained in Form C within seven days from the date of auction.
- (6) The auctioneer will send an advance report of the auction on the next day of auction in Form D.
- (7) The auctioneer shall not negotiate sale of cardamom with an estate owner who has not regisered his estate or dealer who is not licensed by the Board,

- (8) Where an auctioner transfers his business to another person, the transferee shall obtain in a fresh licence under the Cardamom (Licensing and Marketing) Rules, 1977.
- (9) Where a licensee dies, the original licence shall be deemed to have been terminated and if more persons than one claim to be the heirs of the deceased the heir or each of the heirs shall apply to the Board for the issue of a fresh licence for the same.
- (10) Every licensee shall produce on demand for inspection by any officer of the Board authorised in this behalf by the Chairman, all accounts, registers and other records kept by him in connection with his business as an auctioneer.

II LICENCE AS DEALER (Not Transserable)

| Licence No |
|--|
| Smt/Shri/Messrs |
| authorised to purchase cardamom in auction/purchase cardamom directly from producer subject to the conditions specified hereunder. |
| This licence is valid upto the 31st day of August 19 |

Signature of the Secretary

SEAL

Conditions--

Place.....

Date.....

- (1) The dealer shall not purchase cardamom from an estate owner who has not registered his estate or from an anctioneer who has not been licensed by the Board.
- (2) No dealer shall solicit or accept any amount in cash or kind from cardamom producers or auctioneers, whether by way of discount or commission. A dealer participating in an auction shall pay full value for the entire quantity cardamom in the lots purchased by him.
 - (3) Every dealer shall maintain a register in Form F.
- (4) Every dealer shall send a monthly return in Form F so as to reach the Board on or before the 10th day of the succeeding month.
- (5) Where the dealer transfers his business to another person, the transferee shall obtain a fresh licence
- (6) Where a licensee dies, the original licence shall be deemed to have been terminated and if more persons than one claim to be the heirs of the deceased the heir or each of the heirs shall apply to the Board for the issue of a fresh licence for the same.
- (7) Every dealer shall produce on demand for inspection by any officer of the Board authorised in this behalf by the Chairman, all accounts, registers and other records kept by him in connection with his business as cardamom dealer.

III LICENCE AS EXPORTER

Not Transferable)

| (Not 11a | ns(crable) |
|----------------------------------|----------------------------|
| Licence No | |
| rised to do business as exporter | Of Cardination, 1302. |
| Place | |
| Date | Signature of the Secretary |
| SF | AL. |

Conditions—

(1) The exporter cannot procure cardamom directly from planter or from auction unless he is in possession of a licence us dealer.

- (2) The exporter shall maintain a register in Form G.
- (3) The exporter shall send to the Board a monthly statement in Form C so as to reach the Secretary, Cardamom Board on or before the 10th day of every succeeding month.
- (4) Where the exporter transfers his business to another person, the transferee shall obtain a fresh licence,
- (5) Where a licensee dies, the original licence shall be demmed to have been terminated and if more persons than one claim to the heirs of the deceased the heir or each of the heirs shall apply to the Board for the issue of a fresh licence for the same.
- (6) Every exporter shall produce on demand for inspection by any officer of the Board authorised in this behalf by the Chairman, all accounts, registers and other records kept by him in connection with his business as Cardamom exporter.

FORM C

(See form B 1)

AUCTION REPORT -

[Separate report should be furnished for auctioning of cardamom received from (1) Planter (2) Delear]

Cardamom Board Licence No.

Season:

Maximum Price: Rs.

Auction No.:

Minimum Price: Rs.

Date of Auction:

Average Price: Rs.

| No. a | | Estate Reg. No./ Cardamom Board Licence No. | | Quantity sold (Kgs.) | Rate per Kg. (Rs.) | Value | Commission (Rs.) | Name and full address of the bidde | Board's | |
|-------|---|---|---|----------------------------|-----------------------------|-------|------------------|------------------------------------|---------|----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |

I/We confirm that no discount or commission other than the Γ_{co}^{0} commission permitted to me/us by the Rules has been accepted by me/us or received from the owners of cardamom sold in the auction nor have I/We passed on any cardamom or commission to the purchasers.

Signature of the Auctioneer.

FORM D (See form B 1)[ADVANCE AUCTION REPORT

Name and Address of the Auctionecr Cardamom Board's licence number:

- 1. Season:
- 2. Auction Number:
- 3. Date of Auction:
- 4. Quantity carried over from previous Auctions (Kgs.)
- 5. Fresh Arrivals (Kgs.)
- 6. Total Quantity put for Auctions (Kgs.) (Total of Sl. No. 4 & 5)
- 7. Total Quantity sold (Kgs.)
- 8. Quantity withdrawn (Kgs.) [Sl. No. (6)—(7)].
- Quantity returned to Planters (Kgs.)
- 10. Balance with the Auctioneur (Kgs). [Sl. No. (8) -(9)]
- 11. Total value of the sales (Rs.)
- 12. Maximum Price (Rs./Kg.)
- 13. Minimum Price (Rs./Kg.)
- 14. Average Price (Rs./Kg.)

Date:

Signature of the Auctioneer.

FORM E

(See form B II)

(Form of the Register to be maintained by Licensed Dealer)

Name and Address of the Dealer:

| Licence No. | | PURCHASES | | Mon | th: | |
|---------------|--|-------------|--|----------------|--------------------|---------------------------------------|
| Date of Pur | rchase Name and address of the person from whom purchase is made. | | Registration No. of the Estate/Licence No. of Auctioneer | - | antity gs.) | Value (Rs. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | | 5 | 6 |
| | | FORM E- | -Contd. | | · | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| - | INT | ERNAL SALES | | | EXPORT | S* |
| Sale t | Name and Address of Categ he person to whom Card ardamom is sold ters/ | · · | Quantity (Kgs.) | Value (Rs.) | Quantity (Kgs.) | FOB Value |
| | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

^{*}Applicable only to dealers who are having exporters' licence.

FORM F

(See from B II)

(Monthly statement to be sent to the Board by a Licenced Dealer)

Name and address of the Dealer:

Cardamom Board's Licence No.

Month

| PUI | RCHASES | | INTER | EXPORTS* | | | |
|----------------|--------------------|----------------|--------------|--------------------|----------------|--------------------|-----------------------|
| Purchased from | Quantity (Kgs.) | Value (Rs.) | Sold to | Quantity (Kgs.) | Value (Rs.) | Quantity (Kgs.) | FOB Value (Rs.) |
| 1 | | | | | | | |
| 1. Planters | | | 1. Exporters | <u></u> - | | | |
| 2. Auctioneers | | | 2. Consumers | | | | |
| 3. Others | | | 3. Others | | | | |
| Total | | | Total | | | Total | |

- 1. Carry over stock from last month (Kgs.)
- 2. Total quantity purchased during the month (Kgs.)
- 3. Total Quantity of Internal Sales during the month (Kgs.)
- 4. Total quantity of exports during the month (Kgs.)
- 5. Closing stock at the end of the month (Kgs.)
- *. Applicable only to dealers who are having exporters' licence.

I/We confirm that 1/We have not accepted any commission or discount from any producer of Cardamom directly or through the auctioneer.

| 2-1 | |
|-------|--|
| PIGCO | |
| | |

Date:

(Signature of the Dealer)

FORM G

(Sec from B III)

(Monthly statement on Export to be sent to the Board by an Exporter of Cardamom)

Name and full Address of the Exporter

Telegraphic Address:

| Caro | lamom Board's (| Certificate No. | Month | | | | | | |
|------|-----------------|-----------------|-----------------|-------|---------|------------|----------|----------------|------------|
| SI. | Date of S/ | Date of | Port at which | Desti | nation | Grade | Quantity | FOB | Unit Value |
| No. | Bill passed | Shipment | export was made | Port | Country | (Agmarked) | (Kgs.) | Value (Rs.) | Rs./Kg. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5a | 5b | 6 | 7 | 8 | 9 |

Total

I declare that the information given above is true to the best of my knowledge and belief.

Place:

Date:

Signature of the Exporters

N.B.:—Report for a month should be sent before the 10th day of the succeeding month. Non-submission of monthly return within the stipulated time is a violation of the Cardamom (Licensing and Marketing) Rules, 1977 and is punishable under Section 26 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965).

[File No. 32(28)/75-PLANT(B)]
S. MAHADEVA IYER, Under Secy.

योजना मंत्रालय

(संख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली 14 प्रक्तूबर, 1977

ता० का० कि० 1460.---संविधान के ध्रमुख्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदल शिक्तियों का प्रयोग करने हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा समंक विधायन प्रभाग तथा सर्वेक्षण अभिकरूप एवं भ्रमुंभेधान प्रभाग, राष्ट्रीय प्रतिदर्श मर्वेक्षण संगठन (श्रेणी-1 एवं श्रेणी-2 पर्व) भर्ती नियम, 1973 में झागे झीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, ग्रथीत्:--

- 1. (1) इन नियमों को समंक विधायन प्रभाग तथा सर्वेक्षण अभिकल्प एवं अनुसंधान प्रभाग, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (श्रेणी 1 एवं श्रेणी 2 पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977 कहा आय ;
- (2) ये नियम भारत के राजपत्न में प्रकाशित होने की नारीख से लागु होने।
- 2. समंक विधायन प्रभाग तथा सर्वेक्षण ग्राभिकल्प एवं ग्रनुसंधान प्रभाग राष्ट्रीय प्रतिवर्ण सर्वेक्षण संगठन (श्रेणी-1 एवं श्रेणी-2 पद) भर्ती नियम, 1973 में :--
- (1) नियम 7 के नीचे की सारणी के स्वंभ-2 की प्रविष्टियों में निम्न-लिखित कोष्टक तथा णब्द जहां भी हों, हटा दिए जायेंगे, प्रथित :--
 - (i) "(समक विधायन)"
 - (ii) "(समंक विधायन तथा सर्वेक्षण प्रभिकल्प एवं अनुसंधान)"

(2) प्रनुसुकी मे:----

- (i) स्तंभ 1 की प्रविष्टियों में निम्नलिखित कोष्टक एव प्रब्द जहां भी हों, हटा विए जायेंगे, प्रथात्:—
 - (क) "(समंक विधायन तथा सर्वेक्षण प्रभिकल्प एवं प्रनुसंधान)" ग्रीर
 - (ख्र) "(समंक विधायन)"
 - (ii) क्माक 3 के सामने,
 - (क) स्तंभ-4 की प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखन की प्रति-स्थापित किया जायेगा, प्रचित् :-- (1100-50-1600 रुपये)
 - (ख) स्तभ-11 की प्रविष्ठियों के लिए निम्नलिखिन को प्रतिस्थापित किया जायेगा, प्रार्थान्:---
 - "पदोन्नान : प्रशासन प्रधिकारी के ग्रेड में 5 वर्ष की भेवा, जिसके न होने पर, प्रशासन अधिकारी तथा लेखा-एवं-प्रशासन अधिकारी के पदों पर 8 वर्ष की सम्मिलित सेवा और दोनों के न होने पर, लेखा एवं प्रशासन अधिकारी के ग्रेड में नियुक्ति के बाद नियसित आधार पर 8 वर्ष की सेवा।
 - प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : भारत सरकार के प्रधीन समान पदों पर कार्य करने वाले प्रधिकारी या क्रमण: 700-1300 रू०/ 650-1200 के बतनमान या समकक्ष पदों में 5-8 वर्ष की सेवा हो तथा स्थापना लेखा संइंधी कार्य का प्रानुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की प्रविध सामान्यत : 3 वर्ष से प्रधिक नहीं होंगी)"

- (ग) स्तम्भ 12 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नेलिखित की प्रतिस्थापित किया जायेगा, ग्राथीतु:—-
- "(वर्ग क) विभागीय पदोक्षनि समिति का गठन इस प्रकार से है :---
- ग्रध्यक्ष या सदस्य, संघ लोक्ष सेवा श्रायोग श्रध्यक्ष
- 2. मिंबन, मोष्टियकी विभाग सदस्य
- उ म्ह्य कार्यकारी प्रधिकारी, राष्ट्रीय प्रतिर्देश सर्वेक्षण संगटन साहित्यकी विभाग सदस्य
- उप सिवा, माध्यिकी विभाग

मदस्य-सचिव

(घ) स्तंभ-13 की विष्टियों में निम्निलिखित का प्रतिम्थापित किया जायेगा, अर्थात्--- 'वर्ग 'ख्र' के प्रधिकारियों की पदीप्तित एवं प्रति-नियुक्ति के प्राधार पर नियुक्ति करते समय संघ लोक सेवा अर्थोग के साथ परामर्श श्रीवश्यक है।''

[मं० ए-12018/4/76-रा०प्र०मवें०-]]]

भार०एन० सब्सेना, उप सचिय

MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 14th October, 1977

- G.S.R. 1460.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Data Processing Division and Survey Design and Research Division, National Sample Survey Organisation (Class I and Class I) posts) Recruitment Rules, 1973, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Data Processing Division and Survey Design and Research Divisions, National Sample Survey Organisation (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Data Processing Division and Survey Design and Research Division, National Sample Survey Organisation (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1973:—
- (1) in the entries in column 2 of the Table below rule 7, the following brackets and words wherever occurring, shall be omitted, namely:—
 - (i) "(Data Processing)".
 - (ii) "(Data Processing and Survey Design and Research)",

- (2) in the Schedule :-
 - (i) in the entries in column 1, the and words, wherever occurring shall be omitted, namely:—
 - (a) "(Data Processing and Survey Design and Research)"; and
 - (b) "(Data Processing)";
- (ii) against serial No. 3,
 - (a) for the entry in column 4, the following shall be substituted namely:—

"Rs. 1100-50-1600";

- (b) for the entries in column 11, the following shall be substituted, namely:—
- "Promotion.—Administrative Officer with 5 years service in the grade, failing which with a combined service of 8 years as Administrative Officer and Accounts-cum-Administrative Officer, and failing both Accounts-cum-Administrative Officer with 8 years' service in the grade, rendered after appointment thereto on a regular basis.
- Transfer on deputation.—Officers under the Central Government holding analogous posts or with 5 and 8 years' service in posts in the scale of Rs. 700—1300/Rs. 650—1200 or equivalent respectively and having experience of establishment and accounts work.
- Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years)".
- (c) for the entry in column 12, the following shall be substituted, namely :—
- "(Group A) Departmental Promotion Committee which comprises of :—
- 1. Chairman or Member UPSC.

- Chairman

2. Secretary.

Department of Statistics .

- Member

3. Chief Fxecutive Officer, National Sample Survey

Organisation Department of Statistics-Member

- 4. Deputy Secretary, Department of Statistics.
- Member Secretary";
- (d) for the entry in column 13, the following shall be substituted, namely:—
- "Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making promotion and uppointing of Group 'B' Officer on deputation".

[No. A. 12018/4/76-NS\$.II] R. N. SAXENA, Dy. Secy.

कवि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विमाग)

नई दिल्ली, 17 अक्तुबर, 1977

सारकारित 1461 — राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय चीनी संस्थान (वर्ग 4 पदों पर भर्ती) नियम 1959 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थीय:——

- 1. (1) इन निवयों का नाम राष्ट्रीय चीनी संस्थान (वर्ग এ पदों पर भर्नी) संगोधन नियम, 1977 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

| (1) সাল্য | श्रीर श्रक "वर्ग 4" | के स्थान प | भर्ती) सियम, 1959 में ए. जहां कही वे द्यारे हैं 'उससे संबंधित प्रविष्टियें | है, शब्द स्रीर श्र | | | ो जाएंगी, ग्रर्थान |
|-------------------|---|--|--|--------------------|-----------------------------|-----|---|
| | 2 | 3 | 4 | 5 - | 6 | | 7 |
| विस्तृत मोटर वालफ | साधारण केन्द्रीय सेव समृह 'ध' ग्रराजपहि | ान 4-2 | -327-दर्गे०- 3 50-दर्गे०- 90 १० | लाग् नहो होता | लाग् नहीं होता | | प्रोधनिद्वारा, जिम के र सीधी भर्नी द्वारा |
| 8 | 9 | | 10 | 1 1 | | 1 2 | 13 |
| लाग् नही होता | (2) गरकारी सेव शिधिल कर की जो सक (3) विद्वित प्रधि भीमा, केर्द्र ग्राना समय निकाले गये प्रमुसार, कि सृचित जो सूचित सूचित जो सूचित सूचित जो सूचित जो सूच सूच सूच सूच सूच सूच सूच सूच सूच सूच | कों के लिए के 35 वर्ष ती है। कतम भ्राय, प्यादेशों के सी भी भ्रन, तं या भ्रन, प्रवर्ग के के सबंध में जा सकती | | হা কৰ্ম | ग्रहतिऍं. हां आय् े नहीं | | उपयुक्त कुलियो/प्रायल- मेन/मजद्रों की प्रोक्षित |

[सं० ए-12018/3/76-णुगर (डेस्क-1)] एन० त्यागराजन, डेस्क ग्राधकारी ।

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 17th October, 1977

G.S.R. 1461. —In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Sugar Institute (Recruitment to Class IV Posts) Rules, 1959, namely:

- 1. (i) These rules may be called the National Sugar Institute (Recruitment to Class IV) Amendment Rules, 1977.
 - (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the National Sugar Institute (Recruitment to Class IV Posts) Rules, 1959.

जाए ।

- (i) for the word and figure "Class IV", wherever they occur, the word and letter "Group D" shall be substituted.
- (ii) In the Schedule, for the item 'Motor Driver' and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted namely:—

| 1 | | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 . |
|---------------------|-------|--|--------------------------------------|---|-------------------|----------------|--|
| "Electric Driver | Motor | General Central Service Group- D Non- gazetted. | Rs. 210-4-226-EB-4- 250-EB-5-290. | 3 | Not applicable | Not applicable | 100% by promotion failing which by direct recruitment. |

| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
|-----------------|--|--|-----------|----------------------------------|---|
| Not applicable. | (1) Between 18 to 30 years. (2) Relaxable for Govt. servants upto 35 years. | Experience in Electrical or Mechanical work. | Two years | Qualifications: Yes; Age; No. | Promotion of suitable Coolies/Oil-men/Mazdoors. |
| | (3) The upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to the Sch. Castes/Sch. Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Govt. | | | | |
| | (4) The crucial date for determining the age limit shall, in each case, be the last date upto which the employment exchanges are asked to submit names. | | | | |

[No. A-12018/3/76-Sugar (Desk-I)] N. THYAGARAJAN, Desk Officer

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय, (पूर्ति विभाग)

नई विल्ली, 7 भक्नुबर, 1977

सा० का० मि० 1462.—संविधान के अनुच्छेर 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस प्रक्रियों का प्रयोग करने हुये राष्ट्रपति, एतद्द्वारा धूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (वरिष्ट आधिक अन्त्रेषक और आधिक अन्त्रेपक) भूती नियम, 1962 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखन नियम बनाते हैं, अर्थान्:---

- (1) ये नियम पूर्ति नथा निपटान महानिदेशालय (वरिष्ट प्राधिक प्रन्वेषक ग्रीर ग्राधिक ग्रन्थेषक) भर्ती (मशोधन) नियम, 1977 कहे जायेंगे।
- (2) सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशन की नारीश्व मे लागू माने जावेंगे।
- 2. पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (विरिष्ट धार्थिक ध्रन्वेषक ध्रौर धार्थिक ध्रन्वेषक) भर्ती नियम, 1962 की धनुसूची में, धार्थिक धन्वेषक के पव में मंबंधित कम सं० 2 में,
- (1) स्तम्भ 6 में लिखी हुई प्रविष्टिं के स्थान पर निम्निषिश्चित प्रविष्टि प्रति-स्थापित की जायेगी, ग्रयात्:--

"20 में 26 वर्ष तक"

(2) स्तम्ब 7 में लिखी हुई प्रबिध्ट के स्थान पर, निम्निसिश प्रविद्यि प्रतिस्थापित की जायेगी, प्रथात.—

"किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री जिसमें अर्थेशास्त्र मांख्यिकी एक विषय के रूप में हो"।

[फा० सं० ए-14/117(9)/77-पूनि० स० महानि०(i)]

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Supply)

New Delhi, the 7th October, 1977

G.S.R. 1462.—In exercise of powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Directorate General of Supplies and Disposals (Senior Economic Investigator and Economic Investigator) Recruitment Rules, 1962, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Directorate General of Supplies and Disposals (Senior Economic Investigator and Economic Investigator) Recruitment (Amendment) Rules, 1977
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Directorate General of Supplies and Disposals (Senior Economic Investigator and Economic Investigator) Recruitment Rules, 1962, against Serial No. 2, relating to the post of Economic Investigator,
 - (i) in column 6, for the entry, the following shall be substituted, namely:—

"20 to 26 years";

(ii) in column 7, for the entries, the following shall be substituted namely:—

"Degree with Economics or Statistics as a subject from any recognised university".

IF. No. A-14/177(9)/77-DG\$&D(i)]

सा० का० नि०1463.—संविधान के ब्रानुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिर्देशालय (मंगणक) भर्ती नियम, 1961 में संगोधन करने के लिए निम्नालिखित नियम बनाने हैं; प्रवित्:—

 (1) ये नियम पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (संगणक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 कहे जायेंगे।

- (2) ये सरकारी राजपक्ष में ग्रपने प्रकाशन की नारीख से लागू माने आयेंगे।
- 2. पूर्ति तथा निपटान महानिदेशकालय (संगणक) मर्ती नियम, 1961 के धनुसूची में:----
 - (1) स्तम्भ 7 मे लिखी हुई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापिन की जायेगी, भर्यात्:— "19 मे 26 वर्ष तक ।";
 - (2) स्तम्भ ४ में लिखी धुई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, ग्रयति:---

"किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री जिसमें गणित या सांक्रियकी एक विषय के रूप में हो।"

[फा॰ सं॰ ए-14/117(9)/77-पू॰नि॰महा॰नि॰(ii)]

शिव शंकर खबी, धवर मचिव

- G.S.R. 1463.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Directorate General of Supplies and Disposals (Computor) Recruitment Rules, 1961, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Directorate General of Supplies and Disposals (Computer) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Directorate General of Supplies and Disposals (Computor) Recruitment Rules, 1961 :-
 - (i) in column 7, for the entry, the following shall be substituted, namely:—

"19 to 26 years.";

- (ii) in column 8, for the entries, the following shall be substituted, namely:—
 - "Degree with Mathematics or Statistics as a subject from any recognised university.".

[File No. A-14/117(9)/77-DGS&D(ii)]

S. S. KSHETRY, Under Secy.

नाँवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 13 मक्तूबर, 1977

सीं कां मिं 1464.— महास परान ग्यासी कोई (योई के प्रधिवेशमों के लिए प्रक्रिया) नियम, 1975 में कांतिपय संगोधनों का प्राक्रप. महापत्तन ग्यास प्रधिनियम, 1963 (1963 का 38) की घारा 122 की उपधारा (2) की प्रपेक्षानुसार. फारत के राजयत, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1), तारीख 30 अप्रैल, 1977 के पृष्ट 1515 पर भारत सरकार के मौबहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संव सां कां कां कि 567, तारीख 16 अप्रैल, 1977 के अन्तर्गत प्रकाणित किया गया या जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उसके द्वारा प्रभावित होने की संभावना थी, राजपत में उकत अधिसूचना के प्रकाणित किए जाने के पैतालिस दिनों के प्रवसान तक प्राक्षेप और सुझाव मंग्रे गए थे;

ग्रीर उक्त शंजपत 10 मई, 1977 को जनता को उपसब्ध करा दिया गया था;

भीर जनता से कोई भाषीप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

भ्रतः, प्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा 22 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मद्राम पत्तन 99 GI/77---4 न्यासी **बोर्ड (बोर्ड के** ग्रिधिवेशानों के लिए प्रक्रिया) नियम, 1975 में निम्नलिखित संगोधन करती है, भ्रमीत्:—

संशोधन का प्रारूप

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मद्राम पत्तन न्यासी बोर्ड (बोर्ड के भ्रष्टिवेशनों के लिए प्रक्रिया) संगोधन नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख को प्रवृत होंगे।
- 2. मद्राम पत्तन न्यासी बोर्ड (बोर्ड के मधिवेशन लिए प्रक्रिया) संशोधन नियम, 1975 में नियम 2 के उपनियम (2) के स्थान पर निम्त-लिखित उपनियम रखा जाएगा, मर्थान् :—
- "(2) बोर्ड समय-समय पर, प्रक्षिवेशन की तारीख और समय का प्रविधारण करेगा:

परस्तु जहां बोर्ड किसी कारण से ऐसा करने में मसफ़ल रहता है वहां ग्रध्यक्ष ऐसे कारणों से जो लेखाबद किए जाएंगे, वैसा कर सकेगा।"

[सं॰ पीजीएल-14/74]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DRAFT AMENDMENTS

New Delhi, the 13th October, 1977

G.S.R. 1464.—Whereas the draft of certain admendments to the Board of Trustees of the Port of Madras (Procedure at Board Meetings) Rules, 1975, was published, as required by sub-section (2) of section 122 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), at page 1515 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i), dated the 30th April, 1977, under he notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 567, dated the 16th April, 1977, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of 45 days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 10th May, 1977;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Board of Trustees of the Port of Madras (Procedure at Board Meetings) Rules, 1975, namely:—

DRAFT AMENDMENTS

- 1. (1) These rules may be called the Board of Trustees of the Port of Madras (Procedure at Board Meetings) Amendment Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Board of Trustees of the Port of Madras (Procedure at Board Meetings) Rules, 1975, for sub-rule (2) of rule, 2, the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(2) The Board shall, from time to time determine the date and time of the meeting:

Provided that where the Board is unable to do so for any reason, the Chairman may do so for reasons to be recorded in writing."

INo. PGL-14/74]

सा० का० नि॰ 1465. — कलकत्ता पत्तन न्यासी बोर्ड (बोर्ड के धिविश्वनों के लिए प्रक्रिया) नियम, 1975 में कतिपय संशोधन का प्रारूप, महापत्तन न्यास ग्रिधिनियम, 1963 (1963 का 38) की घारा 127 की उपघारा (2) की ध्येक्षानुसार भारत के राजपन्न, भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 30 प्रप्रैल, 1977 के पृष्ट 1514-1515 पर मारत सरकार के नौबहत और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संव साव काव निव 566 तारीख 16 प्रप्रैल, 1977 के प्रन्तींगत प्रकाणित किया गया या जिसमें उन सभी व्यक्तियों में. जिसके उसके द्वारा प्रभावित होने की संमाधना थी, राजपन्न में उक्त प्रधिमूचना के प्रकाणित किए जाने के पैतालीस दिनों के धवमान तक प्राक्षेप और मुझाव मांगे गये थे;

श्रीर उक्त राजपन 10 मई, 1977 की जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

भीर जनता से कोई धाओप भीर सुसाव प्राप्त नहीं हुये हैं;

भतः प्रव, केन्द्रीय भरकार उक्त प्रधिनियम की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलकत्ता पत्तन त्यासी बोर्ड (बोर्ड के भ्रधियेशमों के लिए प्रक्रिया) नियम, 1975 में निम्निलिखित संशोधन करती है, अर्थात:——

संशोधन का प्राक्य

- 1.(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कलकत्ता पत्तन न्यांसी बोर्ड (बोर्ड के भिन्नवेशनों के लिए प्रक्रिया) संशोधन नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपता में प्रकाशन की तारीखा को प्रवृत होंगें।
- 2. कलकत्ता पत्तन न्यासी बोर्ड (बोर्ड के प्रधिवेशनों के लिए प्रक्रिया) संशोधन नियम, 1975 में नियम 2 के उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा आएगा, भ्रष्यीत् :---
- "(2) बोर्ड समय-समय पर, प्रविवेशन की तारीख भौर समय का भवधारण करेगा:

परन्तु जहां बोर्ड किसी कारण से ऐसा करने में असफल रहता है वहां भ्रष्ट्यक्ष ऐसे कारणों से ओ लेखबढ़ किए जाएगे, ऐसा कर सकेगा।"

[फा॰ सं॰ पीजीएल-23/74]

G.S.R. 1465.—Whereas the draft of certain amendments to the Board of Trustees of the Port of Calcutta (Procedure at Board Meetings) Rules 1975, was published as required by sub-section (2) of section 122 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), at pages 1514-1515 of the Gazette of India Part, II, Section 3, Sub-section (i), dated the 30th April, 1977, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 566, dated the 16th April, 1977, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of forty five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 10th May 1977;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Board of Trustees of the Port of Calcutta (Procedure at Board Meetings) Rules, namely:—

DRAFT AMENDMENT

- 1. (1) These rules may be called the Board of Trustees of the Port of Calcutta (Procedure at Board Meetings) Amendment Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Board of Trustees of the Port of Calcutta (Procedure at Board Meetings) Rules, 1975. for sub-rule (2) of rule 2, the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(2) The Board shall, from time to time, determine the date and time of the meeting:

Provided that where the Board is unable to do so for any reasons the Chairman, may do so for reasons to be recorded in writing."

[F. No. POL-23/74]

सृचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1977

सा० का॰ ६० 1466.—राष्ट्रपति, संविधान के ब्रतुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त लक्तियों का प्रयोग करते हुए, दूरवर्षन में स्टाफ़ कार, बृाइदर के पद की भर्ती पद्मित की विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रयोत:---

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रायम्भ:--(1) इन नियमों को दूरवर्शन स्टाफ़ कार ड्राइवर भर्ती नियम, 1977 कहा जा सकेगा।
- (2) ये नियम सरकारी राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. पद संख्या, वर्गीकरण भीर वेतनमान :--अक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण भीर असका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध भ्रानुसूची के कालम 3, 4 भीर 5 में विनिविध्ट हैं।
- 3. भर्ती की पद्धित, भायु-सीमा, ग्रहेंनाएं भादि:---उक्त पद की भर्ती की पद्धित, आयु-मीमा, भहेंनाएं और इनमें संबंधित भन्य बातें वे होंगी को उक्त अनुसुची के कालम 6 से 14 सक में विनिधिष्ट हैं।
 - 4. धनहैताएं :---वह व्यक्ति,---
 - ं (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी परनी जीवित है, विवाह किया हैया करने आ करार किया है, या
 - (ख) जि़सने भपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है.

उक्त पद पर नियुक्ति का पाझ नहीं होगा ; परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति ग्रीर विवाह के अस्य पक्षकार को लागू रतीय विधि के ग्रधीन अनुक्रय है भीर ऐसा करने के लिए ग्रन्य ग्राधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छट दे सकेगी।

- ्र ः 5. छूट देने की णब्तिः—∼ज्रहां केम्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उस्हें केस्बबद्ध करये इन नियमों के किसी उपयन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बायत श्रादेश द्वारा शिथिय कर सकेंगी।
- 6. व्यावृत्ति:---इन नियमों की कोई भी बात ऐसे ब्रारभणो बीर भस्य रियायलों पर प्रमाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए धादेशों के धनुसार, ब्रानुसचित जातियों, धनुसूचित जनजातियों ब्रीट श्रम्य विशेष प्रवर्गों के व्यानियों के लिए उपकार करना भावस्थक है।

| | | | | भन् भूवी | | | | |
|---|---------------------------------|---|--|---|--|--|---|---|
| पद का नाम | पदों की संख्या | वर्गीकरण | बैतनमार | ९ प्रवरणपदया भग्नवरणपद | सीधी भर्ती ^ह भायु ह | - | | केए <mark>जाने वाले व्यक्तियाँ</mark> शेक तथा ग्रन्य प्रईताः |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | 6 | · | 7 |
| स्टाफ़ कार ब्राइवर | 1 H | ामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' भ्रराज- पत्नित मिलिपिक वर्गीय | 260-6-326- व ०३ 8-350 चप र् | ो०- लागृनही होस | वीच टिप्पणी : व निर्भारित की नारीख मामल में वाले उग् (भ्रण्डमा- निकोबार समूह मं द्वीप में उम्मीदवा छोड़कर) दन पद्यो | प्रायु सीमा करने निर्णायक प्रत्येक में भारत रहने नीदवारों न व द्वीप- रेट लक्ष- रहने वाले रो को से प्राय्त | लाइसेंस मैकेनिक चलाने व का मनुष् | का ज्ञान झीर मोटण गकम सेकम पांचवर्ष ।वः। |
| क्या सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित भाय भीर पीक्षिक महंताएं पदोक्षति के मामले मे लागू होगी | परिवीक्षा क ग्रनिच यदि हो | कोई या प्रतिनियुक्ति न्तरण द्वारा तप | • | पदोन्नति या प्रतिनि स्थानान्तरण द्वारा भर्त में वे ग्रेड जिनसे पर नियुक्ति/स्थानान्तरण है | िकी दशा समि क्रिति प्रति- | | पदोश्चति की संरचना | भर्ती करने में फिन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा ग्रामोग से परामर्श किया जाना है |
| 8 | 9 | | 10 | 1 | 1 | 1 | 12 | 13 |
| सागू नहीं होता | 2 वर्ष | मियु क्ति प | रर स्थानाम्तरण केन हो सकने़ | कालम 8 में दी ग रखने वासे दूरः निदेशालय के सा नियमित कर्मचानि तथा ढ्राइविंग में स्टाफ कारी के में धावस्यक स वाली सक्षमता के संदर्भ में पद के युक्ता जांजने के गई हो, केप धाधार पर कर धाधार पर कर धाधार पर कर धाधार वा भन्य मंसालयों य में स्टाफ कार पद पर काम प्र ध्यक्तियों के स्था प्रतिनियुक्ति व सामान्यतया 2 | दर्शन मही- पूर्त 'घ' के त्यो में से टैस्ट, जो- डुग्ड्#रों मझे जाने स्तरों के लिए उप- लिए नी रिणाम के न्यानान्तरण ग विभागों डुग्ड्बर के करने वाले थानान्तरण गरा । ने अविध | सागू नर्ह | ो होता | मागू नहीं होता |

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 9th September, 1977

- G.S.R. 1466.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution the president hereby makes the following rules, regulating the method of recruitment to the post of Staff Car Driver in Doordarshan, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Doordarshan Staff Car Driver Recruitment Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number, classification and scale of pay of the post.— The number of the sald post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 3, 4 and 5 of the schedule annexed to these rules.
- 3. Methods of recruitment, age, limit, qualifications etc.—
 The method of recruitment of the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 6 to 14 of the said Schedule.

- 4. Disqualificaion.—No person,
- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

| S. Name of post No. | No of post | Classification | Scale of pay | Whether Selection post or non- selection post | Age limit for direct recruits. | Educational and other qualifica- tions required for the direct recruits |
|------------------------|------------|---|-------------------------|---|--|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1. Staff Car Driver | 1 | General Central Service Group 'C' Non- gazetted, Non- ministerial | Rs, 260-6-326-EB-8-350. | Not applicable | Between 23 & 30 years. Note:—The crucial date for determining the age limit will in each case be the last date of receipt of applications from candidates in India. (Other than Andaman & Nicobar Islands & Lakeshadweep) | Pass in the 8th standard. |

| Whether age and edu- cational qualifications Prescribed for direct recruits will apply in the case of promo- tees | | ment whether by pr direct recruitment or or by deputation, wh transfer and per- pu | omotion or deputation transfer grades from | If Departmental pro- motion Committee exists what is its com- positions | Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment |
|--|----|---|---|--|---|
| 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| Not applicable | | By transfer or transfer on deputation, failing which by direct recruit- ment. | By transfer from amongs regular group 'D' employees Directorate General Doordarshan possessing the qualifications mentioned in column 8 and of the result of a test in driving designed to adjudge suitability for the post with reference to the standards of competence considered essential in drivers staff cars; OR By transfer or deputation of persons holding the post staff car driver in other Ministries or Department (Period of deputation or dearly not exceeding two years). | nc. li, lig lig lig lig lig lig lig | Not applicable |

[No. 501/3/77-TV]
V. KRISHNAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 मन्तूबर, 1977

सा० का० कि 0 1467. — राष्ट्रपति संविधान के भाष्ट्रकेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रवस प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए, विज्ञापन भीर दृश्य प्रचार निदेशालय में पुस्तकालयाध्यक्ष (एड्रेस लायक्रेरी) के पद पर भर्ती की पद्धित को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं भर्यात: — 1. संक्षिप्त नाम भीर प्रारम्भ: — (1) इन नियमों का नाम विज्ञापन भीर दृश्य प्रचार निदेशालय पुस्तकालयाध्यक्ष (एड्रेस लायक्रेरी) मर्ती नियम, 1977 है।

- (2) ये राजपत्र में श्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. पद संख्या, वर्गीकरण ग्रीर श्रेननमान:---उन्त पद की पंत्रया, उसका वर्गीकरण ग्रीर उसका बेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपा-बद्ध श्रनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट है।
- 3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हुनाएं आदि:—भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हुताएं और उससे संबंधित भन्य बातें वे होगी जो उक्त भनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिद्दिष्ट हैं।
 - 4. निर्छ्ताए .--- वह व्यक्ति,
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है

या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जोवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है। जक्त पद पर नियुक्ति का पान्न नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति ग्रीर विवाह के ग्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के ग्रधीन ग्रनुक्रेय है ग्रीर ऐसा करने के लिए अन्य भाधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को नियम के प्रवर्तन से छूट वे सकेगी;

- 5. शिथिल करने की शक्तिः—-जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना ध्रावण्यक या समीचीन है वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद करके इन नियमों के किसी उपवन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के ध्यक्तियों की बाबत ध्रादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।
- 6. ब्यायृत्ति:—इन नियमों को कोई भी बात ऐसे धारक्षणों धौर घन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं झालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में ममय-समय पर निकाले गये धादेणों के घनुसार, प्रनुसूचित जातियों, प्रनुसूचित जनजातियों धौर ग्रन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना मायक्यक है।

| | | | प्रन | <u>मूची</u> | | |
|------------------------------------|-------------------|---|---|------------------------------|---|--|
| पद्कानाम | पदों की संख्या | वर्गीकरण | वेतनमान | प्रवरण पद या श्रप्रवरण पद | मीधे मर्ती के लिए श्रायु सीमा | सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक भीर भन्य श्रह्ताएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| पुस्तकालयाध्यक्ष (एढ्रेस लान्नेरी) | 1 | माघारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' (भ्रालि- पिक वर्गीय) (भ्रराजपश्चित) | 330-10380द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 ६० | चयन | 20 और 25 वर्ष के बीच टिप्पण: भर्ती नियमों के स्तम्भ 6 में दर्शायी गई भागु सीमा की निर्णायक नारीख प्रत्येक मामने में भारत में रहने वाले प्रकारियों (उनसे भिन्न जो भाजनान व निकोबार बीप समूह और नक्षद्वीप में रहने हैं) से भावेदन पन्न प्राप्ति की धन्तिम तारीख होगी। | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से हायर सेक- ण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण की हो |

| सीधी मर्ती किए जाने प बाने व्यक्तियों के लिएि विहित मायु भौर गैक्षिक अहंताएं प्रोक्तिकी दणा में सायू होगी या नही | मवधि यवि कोई | स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न | न्तरण द्वारा भर्तीकी दक्षा में वे | | |
|---|--------------|---|--|---|----------------|
| 8 | 9 | 10 | I l | 12 | 13 |
| महुँताएं : हां भायु : नही | 2 वर्ष | भत प्रतिशत प्रोम्निति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा । | विज्ञापम और दृश्य प्रचार निदेशालय में के विष्ठ पता लेखा प्रचालक (धंग्रेजी) या विष्ठ पता लेखा प्रचालक (हिन्दी) में से जो इस धर्म में 5 वर्ष सेवा कर चुके हैं। | यान) — प्रध्यक्ष 2. बितरण प्रबन्धक — सदस्य 3. जप-निदेशक (प्रशासन) | लागू नहीं होता |

New Delhi, the 13th October, 1977

- G.S.R. 1467.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Librarian (Address Library) in the Directorate of Advertising & Visual Publicity, namely.—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Advertising & Visual Publicity Librarian (Address Library) Recruitment Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The me hod of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,---

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Savings.—Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

| Name of post | No. of posts | Classification | Scale of Pay | Whether selection post or non- selection post. | Age limit for direct recruits. | Educational and other qualifica- tions required for direct recruits. |
|--------------------------------|--------------|--|-------------------------------------|---|--|---|
| 1 | 2 | 3 . | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Librarian (Address Library) | 1 | General Central Service, Group C (Non Ministerial) (Non Gazetted). | Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560. | - Selection | Between 20 and 25 years. Note :—The crucial date for determining the age limits mentioned in Col. 6 of the recruitment rules will in each case be the closing date for receipt of the applications from candidates in | Essential: 1. Pass in the Higher Secondary or its equivalent examination of a recognised Board/University. 2. One year's experience as a Librarian. |
| | | | | | India (other than Andaman & Nicobar Island Lakshadweep). | |

| Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees. | Period of probation if any. | whether by direct recruit- ment or by promotion or | In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made. | motion Committee exists | Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment. |
|--|-----------------------------|--|--|---|--|
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| Qualifications —yes. Age— No. | 2 years | 100% by promotion failing which by direct recruitment. | From amongst Scnior Addressograph Operator (English) or Senior Addressograph (Hindi), in the Directorate of Advertising and Visual Publicity, with 5 years service in the grade. | 1. Deputy Director (Campaigns) —Chairman. 2. Distribution Manager —Member. 3. Deputy Director (Administration) —Member Directorate of Advertising & Visual Publicity. 4. Deputy Director (Administration) of one of the Media Units of the Ministry of Information and Broadcasting. —Member. | Not applicable, |

निर्माण और आवास मंत्राक्षय

नई दिल्ली, 15 अन्तुबर 1977

सा० का० कि० 1468.—राष्ट्रपति, संविधात के अनुष्ठिव 309 के परस्तुक द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, कोराष्ट्री (वर्ग 3 और वर्ग 4 अनीयोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, कौराष्ट्री (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 मनीबोगिक पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपक्र में प्रकाशन की नारीख की प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत मरकार मुद्रणालय, कौराष्ट्री (वर्ग 3 और वर्ग 4 भनौद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम भन्त: स्थापित किया आएगा, मर्थात्:——

"5 क स्थानान्तरण की मिनन:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें नेखबढ़ किया जाएगा, मूद्रण निदेनक का ससाधान हो गया हो वहां वह, प्रावेण द्वारा किसी कर्मवारी को उक्त मुद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्राणालय को भीर अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्राणालय को भीर अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लीक हिन में या ऐसे कर्मवारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशेष कर्मवारिवृत्व के पुनः परिनियोजन के लिए निस्तलिक्षित मतों के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरिस कर सकता है, अर्थात्:—

- (1) जहां स्थानान्तरण का भादेश लोक हिन में किया गया हो वहां कमंचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृल प्रभाव नहीं पढ़ना चाहिए।
- (2) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनुरोध पर प्रमुकस्पा के प्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्राप्ते सूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के

प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया कै: भीर

(3) जहां किसी भ्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे आमेलित किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-मृद्रण]

S. GHOSE, Dy. Secy.

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 15th October, 1977

G.S.R. 1468.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Koratty (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press Koratty (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Koratty (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974. after rule 5, the following rule shall be inserted namely:—
 - 5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds

- or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely: --
- (1) Where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

JF. No. 2/17/75-ΛΙ/5450/77-Ptg]

साँ० काँ० किं 1469. ---राष्ट्रिल, संविधान के प्रमुख्छेव 309 के परन्सुक द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, कोराष्ट्री (वर्ग 3 प्रौर वर्ग 4 प्रौद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखन नियम बनाने हैं, प्रथति:--

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, कोराष्ट्री (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रौद्योगिक पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मृद्रणालय, कोराष्ट्री (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 श्रीक्कोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 6 के पश्चात् निस्नलिखित नियम श्रन्त:स्थापित किया जाएगा, श्रथांत:----

"6क. स्थानान्तरण की णिक्तः——जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को श्रीर अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय सें उक्त मुद्रणालय को लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारि चृत्व के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्निशिक्त शर्ती के अधीन रहते हुए स्थानांतरिन कर सकता है, अर्थातः——

- जहां स्थानान्तरण का प्रादेश लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के मेवा-हिनों पर प्रतिकृक्ष प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
- (2) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के धनुरोध पर धमुकस्पा के धाधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को श्रपने मूल एकफ में की गई मेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टना के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; धीर
- (3) जहां किसी धातिरिक्त व्यक्तिका पुनःपरिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे आसेलित किया गया है उसमें ज्येण्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए० 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1469.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Koratty, (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Koratty (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

 99 G I/77-5

- 2. In the Government of India Press, Koratty (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "6A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be freated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg]

सा० का० ति 1470. ---राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, कोराट्टी (वर्ग 3 अराजपित, अलिपिक वर्गीय पत्र) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रयात :---

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, कोराष्ट्री (वर्ग 3 प्रराजपन्नित, मिलिपिकवर्गीय पत्र) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2 भारत सरकार मृद्धणालय, कोराष्ट्री (वर्ग 3 ग्रंगजपत्नित भिलिपिक-वर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात निम्नलिखित नियम अन्तःम्थापित किया जाएगा, ग्रंथीन :---

"5क स्थानान्तरण की प्रांति --जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मूद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, प्रादेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त सुद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी भ्रत्य सुद्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी भूद्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी भूद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हित मे या ऐसे कर्मचारी के प्रमुरोध पर प्रमुकम्पा के प्राधार पर, या मृद्रणालयों के प्रधिशेष कर्मचारिवृत्य के पुन. परिनियोजन के लिए, निम्नलिखिन शर्नों के प्रधीन रहने हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, प्रधान:--

- (1) जहां स्थानास्तरण का प्रावेश लोक हित में किया गया हो बहां कर्मच.री के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पढ़ना चाहिए ।
- (2) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्या के प्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्योध्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; ग्रीर
- (3) जहां किसी प्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे भामेलित किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा ।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1470.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby maken the following 1014 to amend the Government of India Press, Koratty (Class III Non-Gazetted Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1775, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Koratty (Class III Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Koratty (Class III, Non-Gazetted, Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer. Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg]

सा० का० कि० 1471.—राष्ट्रपति, संविधान के श्रमुक्छेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार सृद्रणालय, रिंग रोड, नई दिल्ली (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रनीखोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संणोधन करने के लिए निस्नलिकित नियम बनाते हैं ग्रथित:——

- गृह (१) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, रिंग रोड, नई विल्ली (वर्ग 3 और वर्ग 4 अनीद्योगिक पव) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, रिंग रोड, नई विरुली (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रनीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखिस नियम श्रन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रवति :--

"5का, स्थानात्सरण की शक्ति:— जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, सृद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, श्रादेश हारा, किसी कर्मचारी को उक्त भूद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मृद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मृद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारिवृन्व के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित णतौं के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरिन कर सकता है, अर्थान :—

- (1) जहां स्थानान्तरण का प्रावेश लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के नेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।
- (2) जहा स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के प्राप्तार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मृल एकक में की गई नेवा का लाअ, उस एकक में ज्येष्टना के प्रयोजन के लिए नहीं सिलेगा जहां वह स्थानास्तरित किया गया है; और

(3) जहां किसी प्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनःपरिनियोजन किया गया हो त्रहो जिस एकक में उसे प्रामिलिस किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ स॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-मुद्रण]

G.S.R. 1471.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Ring Road, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts)

Recruitment Rules, 1974, namely :--

- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Ring Road, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press Ring Road, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by oder, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of themployee concerned on compassionate grounds the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg]

सा० का० नि ० 1472 — राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, रिग रोड, नई विल्ली (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रीचोगिक पत्र) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, ग्रर्थेनु :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार, मृद्रणालय रिंग रोड, नई दिल्ली (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीद्योगिक पद) भर्ती (संणोधन) नियम, नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, रिंग रोड नर्ड दिल्ली (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पश्चास निम्नलिखित नियम ग्रन्त.स्थापित किया जाएगा, ग्रद्यांतु:--

"5क. स्थानान्तरण की णिकः :--जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मूत्रण निर्देशक का संसाधान हो गया हो वहां वह, द्यावेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मृद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी प्रत्य भूत्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मूद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कर्मचारी के प्रनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मृद्रणालयों के प्रधिमेष कर्मचारिकृत्य के पुन. प्रामियोजन के लिए, निस्निकित शक्ती के प्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, प्रथांत ---

(!) जहां स्थानान्तरण का भादेश लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के मेवा-द्रितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।

- (2) जहां स्थानास्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के श्रनुष्ध पर प्रनुकस्या के श्राधार पर किया गया हो वहा सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (3) जहां किसी श्रांतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो बहा जिस एकक में उसे श्रामेशिक किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा० भं० 2/17/75--ए० 1/5450/77-- मुद्रण]

- G.S.R. 1472.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Piess, Ring Road, New Delhi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Ring Road, New Delhi (Class II) and Class IV Industrial Pos(s), Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Ring Road, New Belhi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redevelopment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the corployee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सा० का० कि० 1473.— राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवक्त गतिन्थों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, रिंग रोड, नई दिल्ली (बाचन गाखा वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात —

- 1 (1) इन नियभों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, रिंग रोड नई चिल्ली (वाचन णाखा वर्ग 3 पद) भर्ती (मंणाधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की नारीख को प्रवन होंगे।
- 2. भारत सरकार मृद्रणालय, रिग रोड, नई दिल्ली (बाचन पाखा वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पण्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थःपित किया जाएगा, अर्थातु:--

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति .-- जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो यहां यह, ब्राईश इंटर, किसी क्षमेंबारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी धन्य मद्रणालय को श्रीर अपने नियंत्रणाशीन किसी मृद्रणालय से उक्त मृद्रणालय

- को, लोक हिन में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के प्रधिषेष कर्मचारिकृत्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्नलिखिन शर्ती के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थात .——
 - (1) जहां स्थानान्तरण का प्रावेश लोत हित में किया गया हो बहां कर्मचारी के मेवा-हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए;
 - (2) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुगंध पर अनुकस्पा के आधार पर किया गया हो यहा सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाम, उस एकक में अयेष्टना के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहा वह स्थानान्तरित किया गया है; ग्रीर
 - (3) जहां किसी भ्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो बहा जिस एकक में उसे भ्रामेलिन किया गया है उसमें ज्येष्ठना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्नी किया गया व्यक्ति माना जाएगा।''

[फा० सं० 2/17/75---ए० 1/5450/77-मुक्षण]

- G.S.R. 1473.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Ring Road, New Delhi, (Reading Branch Class III Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Ring Road, New Delhi Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Ring Road, New Delhi (Reading Branch Class III posts), Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सा० का० नि० 1474:---राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों क। प्रयोग करने हुए, भारत सरकार पाठ्यपुस्तक मृद्रणालय, चण्डीगढ़ (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीग्रोगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाने है, श्रथांतु:---

- 1 (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार पाठ्यपुस्तक मृद्रणालय, खण्डीशळ (वर्ग 3 और वर्ग 1 पौद्यांगिक पद) भर्ती (गंगोधन) नियम, 1977 है ।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की नारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार पाठ्यपुस्तक मृद्रणालय, चण्डीगढ़ (वर्ग 3 मीर वर्ग 4 मीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पण्चात् निम्नलिखित नियम मन्तःस्थापिन किया जाएगा, अर्थात्:---

"5क. स्थानान्तरण की माक्ति: ---जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मृद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, स्रावेश द्वारा, किसी कर्मजारी को उक्त मुद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी भ्रन्य मुद्रणालय को भ्रीर धपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हिंत में या ऐसे कर्मजारी के भ्रनुरोध पर प्रमुक्तमा के स्राधार पर, या मुद्रणालयों के भ्रधिगय कर्मजारिवृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित गतों के भ्रधीन रहतं हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, भर्मीत :--

- (1) जहां स्थानान्तरण का श्रावेश लोक हिन में किया गया हो वहा कर्मचारी के सेवा-हितां पर प्रतिकृत प्रभाय नहीं पड़ना चाहिए;
- (2) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (3) जहां किसी मितिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे श्रामेनित किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ स॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1475.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Text Books Press, Chandigarh (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Text Books Press, Chandigarh (Class III and Class IV Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Text Books Press, Chandigarh (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AJ/5450/77-Ptg.]

सा० का० नि० 1475.—राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुक्छेद 309 के प्रियन्त्रक द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार पाठ्यपुस्तक गुद्रणालय, चण्डीगढ (वर्ग 3 प्रशाजपत्नित, श्रिलिपिक वर्गीय

- पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्निश्वित नियम बनाते हैं, अर्थात :---
- गः (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार पाट्य पुस्तक मुद्रणालय, चण्डीगढ़ (वर्ग 3 श्रराजपात्रित, श्रालिपिक वर्गीय पद) भर्ती (मंशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत में प्रकाशन की मारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारतं सरकार पाठ्यपुस्तक भुद्रणाक्षय, चण्डीगढ़ (वर्गे 3 प्रराजपत्नित, प्राक्षिपिक वर्गीय पद) शतीं नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निस्नालिखित नियम ग्रन्त.स्थापित किया जाएगा, प्रथति :--

"5क. स्थानान्तरण की णक्ति:——जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, सुद्रण निर्देणक का समाधान हो गया हो वहां वह, द्रादेश द्वारा, किसी कर्मजारी को उक्त सुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अस्य सुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त सुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मजारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशेष कर्मजारिबृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित गतौं के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थात:——

- (1) जहां स्थानान्तरण का ग्रादेश लोक हिल में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेथा-हिलां पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए;
- (2) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के धनुगेध पर धनुकम्पा के आक्षार पर किया गया हो बहां सम्बद्ध व्यक्ति को धपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; धौर
- (3) जहां किसी श्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहा जिस एकक में उसे श्रामेमित किया। गया है उसमे ज्येष्टमा के प्रयोजनो के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।

[फा॰ स॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1475.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India, Text Books Press, Chandigarh (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Text Books Press, Chandigarh (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rule, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Text Books Press, Chandigarh (Class III, Non-Gazetted Non Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds the individual concerned will not get the benefit

- of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सा० का० कि० 1476.—राष्ट्रपति, के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, चण्डीगढ़ (वर्ग 3 श्रीर दर्ग 4 श्रनौद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में संगोधन करने के लिए निस्नित्तित्वित नियम बनाने हैं, श्रथीन्:—-

- 1 (1) इस नियमों का नाम भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय भण्डीगढ़ (वर्ग 3 धौर वर्ग 4 ध्रतीद्योगिक पद) भर्ती (मणोधन) नियम. 1977 है।
 - (2) ये राजपत्त में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2. भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, चण्डीगढ़ (वर्ग 3 भ्रीर थर्ग 4 श्रीक्वोगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पण्चात् निम्नलिखिन नियम श्रन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रर्थातः ----

"5क स्थानान्तरण की याक्त .--जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, श्रादेण द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियक्षणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को श्रीर अपने नियंक्षणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के श्रनुरोध पर अनुकम्पा के श्राधार पर, या मुद्रणालयों के श्रीधणेय कर्मचारिवृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित शतों के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रथिन:--

- (i) जहां स्थानान्तरण का ग्रादेश लोक हित में किया गया हो यहां कर्मचारी के नेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़न। चाहिए ।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं सिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है और
- (iii) जहां किसी अतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया ही बहा जिस एकक में उसे आमेलित किया गया है उसमें ज्योष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा ।"

[फा० सं० 2/17/75-ए० 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1476.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Text Books Press, Chandigarh (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Text Books Press, Chandigarh (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Text Books Press. Chandigarh (Class III and Class IV, Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-

- deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
- (i) where the transfer ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सा० का० सि० 1477.—-राष्ट्रपति, संविधान के प्रानुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, भलीगढ़ (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीखोगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथति:—

- 1 (1) इन नियमो का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, घलीगढ़ (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रीधोगिक पद) भर्ती (सणोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख की प्रथुक्त होगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, प्रलीगढ़ (वर्ग 3 और वर्ग 4 घोषोगिक पव) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निस्निलिखित नियम प्रन्त-स्थापित किया जाएगा, घर्थात:——

"5क" स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निवेशक का समाक्षान हो गया हो वहां वह, पादेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशोष कर्मचारिकृत्व के पुनः परिनियोजन के सिए, निम्नलिखिस णती के अधीन रहने हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थान्:—

- (i) जहां स्थानात्नरण का ग्रावेश लोक हित में किया गया हो यहां कर्मचारी के सेवा-हितो पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहा सम्बद्ध व्यक्ति को अपने भूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी असिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो बहां जिस एकक में उसे आमेलिन किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75/ए॰ 1/5450/77-स्**द्रण**]

- G.S.R. 1477.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Aligarh (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975 namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Aligarh (Class III and Class IV Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

- 2. In the Government of India Press, Aligarh (Class III and Class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सां का नि 1478 — राष्ट्रपतिं, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार सुद्रणालय. अलीगढ़ (वर्ग 3 श्रराजपत्नित, अलिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम यनाते है, अर्थात्:—

- 1 (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, श्रालीगढ़ (वर्ग 3 भराजपितन, श्रीलिपिकवर्गीय पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, मलीगढ़ (वर्ग 3 म्रराजपितत, मिलिपिक वर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम भ्रन्तःस्थापित किया जाएगा, म्रथीतः—

"5क" स्थानान्तरण की शक्तिः — जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा. सूटण निर्देशक का समाधान हो गया हो वहां वह, ब्रादेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी धन्य मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय को उक्त मुद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिलेष कर्मचारिशृन्द के पुन. परिनियोजन के लिए, निम्नलिखन गर्नों के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थान: —

- (i) जहां स्थानान्तरण का ब्रादेण लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हिलों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सस्यक्ष कर्मचारा के अनुरोध पर अनुकस्पा के श्राधार पर किया गया हो वहा सम्बद्ध क्यक्ति को श्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में अ्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहा वह स्थानान्तरित किया गया है; और.
- (iii) जहां किसी भ्रतिरिक्त व्यक्ति का पुन. परिनियोजन किया गया हो बहां भिन एकक में उसे भ्रामेशित किया गया है उसमें अयेट्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ म॰ 2/17/75/ए॰ 1/5150/77—**- मुद्र**ण]

G.S.R. 1478.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government

- of India Press, Aligarh (Class III Non-Gazetted Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely :—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Aligarh (Class III Non Gazetted Non-Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Aligarh (Class III, Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975 after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "SA. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

साँ कार निरु 1479 — राष्ट्रपति, मंबिधान के अनुरुष्टेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मृद्रणालय, अलीगढ़ (वर्ग 3 और वर्ग 4 अनौग्रोगिक पव) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखन नियम बनाने है, प्रथित् ---

- (1) इन नियमों का नाम भारत मरकार मुद्रणालय, श्रलीगढ़ (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रनीद्योगिक पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की नारीख का प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मृद्रणालय, श्रनीगढ (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रनी-ग्रीगिक पद) भरी नियम, 1974 में नियम 6 के पश्चात् निम्निलिल नियम श्रन्त.स्थापित किया जाएगा, श्रथात्:——

"6क स्थानात्नरण की णिकः — जहा ऐसे कारणो से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मुद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेण द्वारा, किसी कर्मवारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को और अपने निरत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लीक दिन में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकरणा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिषेप कर्मचारित्रन्व के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्तितिवित्र मार्गों के अधीन रहने हुए, स्थानात्वरित कर सकता है, अर्थात ——

- (i) जहा स्थानान्तरण का श्रादेश श्रोक द्वित में किया गया हो वहा कर्मभारी के सैवा-द्वितों पर प्रतिकृल प्रभाव नहीं पडना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानास्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के ध्रनुरोध पर अनुकस्पा के ध्राधार पर किया गया हो वहा सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मृल एकक मे की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानास्तरित किया गया है, ध्रीर

(iii) जहां किसी सिलिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो अहा जिस एक कमें उसे प्रामेलिन किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा० सं० 2/17/75/ए० 1/5450/77-मुज्रण]

- G.S.R. 1479.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Aligarh (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Fress Aligath (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Aligarh (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:--
 - "6A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounder the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-P(g.]

साँ का कि 1480 — राष्ट्रपति, संविधाम के प्रमुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवन्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, कीयस्बद्द (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में संगोधन करने के लिए निम्नसिखित नियम बनाते हैं, श्रविन्:—

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, कोयम्बद्भर (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रीकोगिक पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारीख को प्रयुक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, कीयस्बट्र (वर्ग 3 धीर वर्ग 4 श्रीग्रीगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निस्तलिखित नियम श्रन्तः भ्यापित किया जाएगा, श्रर्थात्:---

"5क स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें नेखबद किया जाएगा, मृद्रण निदेणक का समाधान हो गया हो वहां वह, धादेश बारा, किसी कर्मचारी को उक्त मृद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी श्रत्य मृद्रणालय को श्रीर ध्रपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के श्रनुरोध पर श्रनुकम्पा के श्राधार पर, या मृद्रणालयों के श्रधिशेष कर्मचारिवृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित शतौं के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रद्यात्

 (i) जहां स्थानात्तरण का भावेश लोक हित में किया गया हो बहां कर्मजारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नही पड़ना चाहिए ।

- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रमुरोध पर धनुकस्पा के माधार पर किया गंभा हो वहा सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; श्रीर
- (iii) जहां किसी ध्रांतिरक्त व्यक्ति का पुनः परितियोजन किया गया हो यहां जिस एक्क में उसे धामेलित किया गया है उसमें ज्योष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति मानाजाएगा !"

[फा० सं० 2/17/75]ए० 1/5150/77—मुद्रण]

- G.S.R. 1480.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Coimbatore (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Coimbatore (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Coimbatore (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975 after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

स्रा० का० कि० 1481.— राष्ट्रपति, संविधात के अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, कोयम्बट्टर (वर्ग 3, प्रराजपित्रत, अलिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अथित्:—

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार सृद्रणालय, कोयम्बट्टर (वर्ग 3, प्रराजपिक्त धिलिपिकवर्गीय पव) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत होगे।
- 2. मारत सरकार मृद्रणालय, कोयम्बटूर (वर्ग 3, प्रराजपिक्षस, प्रिलिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निम्न-लिखित नियम प्रतःस्थापित किया जाएगा, भवितः—

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मृद्रण निदेणक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेश हारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मृद्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा

3130

के भाधार पर, या मुद्रणालयों के श्रिधशेष कर्मचारिलृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित शर्मी के श्रिधीम रहते हुए, स्थानाम्तरित कर मकता है, श्रर्थात् :---

- (i) जहां स्थानान्तरण का आदेश लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के मेवा-क्रिनों पर प्रतिकृल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए;
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक मे ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां यह स्थानान्तरित किया। गया है; और
- (iii) अहां किसी प्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो बहां जिस एकक में उसे ग्रामेलिन किया गया है उसमें ज्येष्ठना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जोएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75/ए० 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1481.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Coimbatore (Class III non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - (1) These rules may be called the Government of India Press, Coimbatore (Class III Non-Gazetted Non-Ministerial) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Coimbatore (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of sentority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सारकारित 1482.—राष्ट्रपति, सिविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, कोयम्बट्टर (वर्ग 3 और वर्ग 4 अनीयोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संबोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मृहणालय, कोयम्बटूर (वर्ग 3 ध्रौर वर्ग 4 ध्रनौद्योगिक पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 हैं।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाणन की मारीख को प्रवृक्त होंगे।

2. भारत सरकार मुद्रणालय, कोयम्बद्धर (वर्ग 3 भीर वर्ग 4 भनीशोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के परकात् निम्म-लिखित नियम भ्रन्त-स्थापित किया जाएगा, भ्रथांचः---

"5क स्थानान्तरण की शक्ति :— जहां ऐसे कारणो से, जिन्हें लेखसद किया जाएगा, मृद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, श्रादेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त सृद्रणालय से अपने नियंत्रणाश्चीन किसी श्रन्य सुद्रणालय को और श्रथने नियंत्रणाश्चीन किसी मृद्रणालय से उक्त सृद्रणालय को, लांक हिन में या ऐसे कर्मचारी के श्रनुरोध पर श्रनुकम्पा के श्राधार पर, या मृद्रणालयों के श्रीधियेष कर्मचारिकृत्व के पुन: परि-नियोजन के लिए, निम्नलिखन शर्नी के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रथान :—

- (i) जहां स्थानान्तरण का श्रादेश लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हिलों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।
- (ii) जहां स्थानास्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के ध्रनुरोध पर ध्रनुकस्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को भपने मूल एकक मे की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहा वह स्थानान्तरित किया गया है; ग्रीर
- (iii) जहां किसी अितिरक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे आमेलिल किया गया है जसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा ।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75/ए० 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1482.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Coimbatore (Class III and IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
 - 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Coimbatore (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Coimbatore (Class III and class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rulees, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions: namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सा० का० लि० 1483.—राष्ट्रपति, संविधान के मनुष्ठेद 309 के परम्तुक द्वारा प्रदेश गिवारों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, के० एस० राय रोड, कलकता (दर्ग 3 प्रीर वर्ग 4 प्रनीधोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, के० एम० राय रोड, कलकत्ता (वर्ग 3 श्रौर वर्ग 4 श्रनौद्योगिक पव) भर्नी (संगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाणन की तारीख को प्रवत्न होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, के० एस० राय रोड, कलकत्ता (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रनीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखन नियम श्रन्मःस्थापित किया जाएगा, श्रथात् :---

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हों लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निदेणक का ममाधान हो गया हो वहां वह, श्रादेश द्वारा, किसी कर्मवारी को उक्त मुद्रणालय से श्रपने नियंत्रणाधीन किसी श्रम्य मुद्रणालय को श्रौर श्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मवारी के श्रनुरोध पर श्रनुकम्पा के श्राधार पर, या मुद्रणालयों के श्राधारेष कर्मवारिवृन्द के पुन: परि-नियोजन के लिए, निम्नलिखित शर्तों के श्राधीन ग्हते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रथीन :—

- (i) जहां स्थानान्तरण का ध्रावेश लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।
- (ii) जहां स्थानास्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनुरोध पर प्रनुकम्पा के प्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में उर्यव्यक्ता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थामान्तरित किया गया है; ग्रीर
- (iii) जहां किसी झितिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया किया गया हो जहां जिस एकक में उसे झामेलित किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰1/5450/77-मृद्रण]

- G.S.R. 1483.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, K. S. Roy Road, Calcutta (Class III and Class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
 - (1) These rules may be called the Government of India Press, K. S. Roy Road, Calcutta (Class III and Class IV Non-Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, K. S. Roy, Road, Calcutta (class III and class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.

- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruitment for the purposes of seniority In the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

साठ काठ कि 1484.---राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस णिक्तयों कर प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, केठ एसठ राय रोड, कलकत्ता (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रीशोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संणोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं. ग्रथित:--

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, के० एस० राय रोड, कलकत्ता (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रीशोगिक पव) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय के० एस० राय रोड, कलकत्ता (वर्ग 3 धीर वर्ग 4 धीशोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 के नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम ध्रन्तःस्थापित किया जाएगा, धर्थात्:—

"5क. स्थानान्तरण की प्राक्षित:— जहां पेसे कारणों से, जिन्ह लेखबर किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, प्रादेश द्वारा, किसी कम्बारी को उक्त मुद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी प्रान्य मुद्रणालय को प्रीर प्रपने नियंत्रणाधीन किसी भूद्रणालय को प्रीर प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के प्रमृरोध पर प्रमुकम्पा के घाधार पर, या गृद्रणालयों के प्रधिरोध कर्मचरिवृन्त के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित शतों के प्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, प्रथात् :—

- (i) जहां स्थानान्तरण का श्रावेश शोक हित में किया गया हो वहां कर्मवारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रमुगेध पर प्रमुकम्पा के प्राधार पर किया गया हो वहा सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; ग्रीर
- (iii) अहां किसी भ्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे श्रामेक्षित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75/ए०1/5450/77-सुब्रण]

- G.S.R. 1484.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, K. S. Roy Road, Calcutta (class III and class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
 - (1) These rules may be called the Government of India Press, K. S. Roy Road, Calcutta (class III and class IV Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shalf come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, K. S. Roy Road, Calcutta (class III and class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he

may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—

- (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is abosrbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सां का निव 1485.— राष्ट्रपति, संविधान ने अनुक्छी 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त जिन्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मृद्रणालय, के एस राय रोड, कलकता (वर्ग 3 अराजपतित, प्रतिपिकवर्गीय पर) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थान् —

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मृद्दणालय. के० एस० राय रोड, कलकत्ता (वर्ग 3 घराजपितत, ग्रिलिपिकवर्गीय पद) भर्ती (भंशोधन) नियम, 1977 हैं।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रश्नुत होंगे।
- 2 भारत सरकार मृद्रणालय, कै० एम० राय रोड, कलकला (वर्ग 3 अराजपत्नित, श्रिलिपकथर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निम्निलित नियम श्रन्तःस्थापित क्रिया जाएगा, श्रथति :----

"5क स्थानान्तरण की शक्ति :--जहां ऐसे कारणो से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, श्रादेश द्वारा, किसी कमंचारी को उक्त मुद्रणालय से श्रपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को श्रीर अपने नियंत्रणाधीन किसी मृत्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कमंचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के श्राधार पर, या मुद्रणालयों के श्रिधिशेष कर्मचारिबृत्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्निसिक्त शतौं के श्रिधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रर्थात् :--

- (i) जहा स्थानान्तरण का श्रावेण लोक हिन में किया गया हो बहां कर्मचारी के मेवा हितों पर प्रतिकृल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर धनुकम्पा के आधार पर किया गया हो बहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां बहु स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी अतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे आमेलिन किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा० सं० 2/17/75-ए०1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1485.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, K. S. Roy Road, Calcutta (class III Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, K. S. Roy Road, Calcutta (class III, Non-

- Gazetted Non-Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, K. S. Roy Road, Calcutta (class III Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shalf be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सांक्रां निष् 1486. — राष्ट्रपति संबिधान के ध्रनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मृद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली (वर्ष 3 धौर वर्ष 4 ध्रनौद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई विल्ली (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 पद श्रीद्योगिक पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजयत्र में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रनीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 6 के पम्चात् निम्नलिखिन नियम अन्त-स्थापित किया जाएगा, ग्रथीत् :----

"5क. स्थानान्तरण की गर्नत :—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हे लेखबढ़ किया जाएगा, मृद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेण द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त सृद्रणालय से भ्रपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मृद्रणालय की श्रीर अपने नियंत्रणाधीन किसी सृद्रणालय के श्रीर अपने नियंत्रणाधीन किसी सृद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हिन में याऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर, या मृद्रणालयों के श्रिधिणेय कर्मचारिवृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्निलिवित शरी के अधीन रहते हुए, स्थानास्तरित कर सकता है, अर्थात् :—

- (i) जहां स्थानात्तरण का श्रादेण लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नही पड़ना पाहिए ।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के धनरोध पर ध्रनुकस्पा के घाधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को ध्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठला के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; ग्रीर
- (iii) जहां किसी ब्रितिष्टिक व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे ब्रामेलित किया गया है उसमें ज्येण्डता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना आएगा ।"

[फा० सं० 2/17/75-ए०1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1486.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
 - 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "6.A. Power to transfer.—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-development of surplus staff of the Presses subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of senjority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

साक्ताकार 1487.—राष्ट्रपति, संविधान के धनुष्णदेव 309 के परत्नुक द्वारा प्रवस गक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार सुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली (वर्ग 3 धौर वर्ग 4 धौद्योगिक पव) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, ध्रवीन् :—

- 1. (।) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली (वर्ग 3 स्रौर वर्ग 4 <mark>श्रीद्योगिक</mark> पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 हैं ।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली (बर्ग 3 ग्रीर बर्ग 4 ग्रीद्योगिक पद) भर्मी नियम, 1974 में नियम 6 के पण्चान् निम्नालिखिम नियम श्रन्तस्थापिन किया जाएगा, अर्थात् :—

"6क स्थानान्तरण की णिक्त :—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हे लेखबढ़ किया जाएगा, मृद्रण निर्देशक का समाधान हो गया हो वहां वह, प्रादेश हारा, किसी कर्मचारी को उक्त मृद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी भ्रत्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कर्मचारी के प्रमुरोध पर प्रमुकम्पा के प्राधार पर, या मृद्रणालयों के प्रधिशेष कर्मचारिवृत्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्निक्तित णर्मों के प्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, प्रथान :—

- (i) जहां स्थानान्तरण का घावेम लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।
- (ii) जहा स्थातान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुबन्धा के आधार पर किया गया हो बहा सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई नेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता

- के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है ; श्रीर
- (iii) जहां किसी श्रतिरिक्त व्यक्ति का पुन. परितियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे श्रामेलिन किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75—णु॰ 1/5450/77-**मुहण**]

- G.S.R. 1487.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Defhi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
 - (1) These rules may be called the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Delhi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Delhi (Class III & Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "6A. Power to transfer.—where the Director of Printing satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सारकारित् 1488.—राष्ट्रपति, संविधान के ध्रनुष्ठेष 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त णिवतयों का प्रयोग करने द्वुए, भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नर्क दिल्ली (वर्ष 3, ध्रराजपित्रत प्रक्षिपिक वर्गीय पव) भर्ती नियम, 1975 में मंशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, प्रथान् :---

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली (वर्ग 3, प्रराजपन्नित, ग्रलिपिकवर्गीम पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की मारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली (वर्ग 3 ग्रराजपत्नित्र प्रतिपिकवर्गीय पर्व) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात निम्नलिखित नियम श्रन्तःस्थापित किया जाएगा, ग्रर्थात् :---

"5क स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबाद किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेश हारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंद्रणाधीन किसी श्रत्य मुद्रणालय को झौर श्रपने नियंद्रणाधीन किसी मुद्रणालय से जक्त मद्रणालय को, लोक हिन में ऐसे कर्मचारी के श्रन्तरोध पर श्रनुकस्पा के भ्राधार पर, या मुद्रणालयों के भ्रधिशेष कर्मचारिशृस्य पुनः परि-नियोजन के लिए, निम्नलिखिस शर्तों के श्रधीन रहते हुए, स्थानास्तरित कर सकता है, भर्यात्:——

- (i) जहां स्थानान्तरण का भावेश लोक हित में किया गया हो वहां कर्मवारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना वाहिए ।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा कालाभ, उस एकक में ज्येष्ठना के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी भ्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो बहां जिस एकक में उसे श्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा० सं० 2/17/75-ए०1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1488.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Delhi (Class III, Non-Gazetted Non Ministerial Posts) Recruitment Rules. 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Delhi (Class III, Non-Gazetted, Non Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Rashtrapati Bhawan, New Delhi (Class III, Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17i/75-AI/5450/77-Pig.

सा० का० नि० 1489—राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुच्छेद 309 के परत्तुक द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, भो०पी० गाखा कलकत्ता (वर्ष 3 ग्रीर वर्ष 4 पद) भर्ती नियम, 1974 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, ग्रथीत :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, ध्रो० पी० शाखा, कलकत्ता (वर्ग 3 झौर वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1977 हैं।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होगे।

2. भारत सरकार मुद्रणालय, श्रो० पी० णाखा कलकत्ता (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 पव) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पश्चात् निम्त-लिखित नियम श्रन्त:स्थापित किया जाएगा, श्रथीत्:—

"5क. स्थानान्तरण की प्रक्तिः — जहां ऐसे कारणो से, जिन्हें लेखाबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेश द्वारा, किसी कर्मचारी को भारत सरकार ग्रो० पी० ग्राखा, कलकता से ग्रपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य स्थापन या भारत सरकार मुद्रणालय को ग्रीर ग्रपने नियंत्रणाधीन किसी भ्रग्य स्थापन या भारत सरकार मुद्रणालय से जक्त भारत सरकार ग्रो० पी० ग्राखा कलकत्ता को लोक हिल में या ऐसे कर्मचारी के श्रनुरोध पर श्रनुकम्पा के ग्राधार पर, या मुद्रणालयों के ग्रधिशेष कर्मचारिवृत्व के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित गतौं के ग्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, ग्रथित:----

- (i) जहां स्थानाम्लरण का भावेण लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनरोध पर प्रमुकस्पा के श्राक्षार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी ग्रांतिरक्स व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे ग्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनो के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75→ए॰ 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1489.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, O. P. Branch, Calcutta (class III and class IV posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, O. P. Branch, Calcutta (class III and class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, O. P. Branch, Calcutta (class III and class IV posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the Government of India O. P. Branch, Calcutta to any other Establishment or Government of India Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg]

साक्तां निव 1490. --- राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, मंदर मार्ग, कलकत्ता (वर्ग 3 अराजपिक्षत, श्रीलिपिक्रवर्गीय पव) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्निलिखित नियम बनाते है, अर्थात :---

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, मंदिर मार्ग, कलकसा (वर्ग 3 अराजपिन्नत, अलिपिकवर्गीय पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत होंगे।
- 2. भारत मरकार मुद्रणालय, मंदिर मार्ग, कलकत्ता (वर्ग 3 श्रराज-पत्नित श्रलिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पण्चात् निम्नलिखित नियम श्रन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रथीतु:—

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति :—जहा ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मुद्रण मिदेशक का समाधान हो गया हो नहां वह, श्रादेश द्वारा, किसी कर्मजारी को जक्त मुद्रणालय से श्रपने नियंत्रणाधीन किसी भन्दणालय को और श्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से जक्त मुद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कर्मजारी के श्रनुरोध पर श्रनुकम्पा के श्राधार पर, या मुद्रणालयों के श्रिधिशेष कर्मजारिवृन्द के पुनः परि-मियोजन के लिए, निम्नलिखित सतौं के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रथीन :—

- (i) जहां स्थानान्तरण का ब्रावेश लोक हिन में किया गया हा वहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पढ़ना चाहिए :
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मकारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी ग्रितिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे भ्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ मं॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77 **मुक्र**ण]

- G.S.R. 1490.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on, the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975 after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice-versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;

- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सारकारिक 1491.—राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुख्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का द्वयोग करते हुए, भारत गरकार मुद्रणालय, मिन्दिर मार्ग, कलकत्ता (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रीखोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाने हैं, प्रथिति:—

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, मंदिर मार्ग, कलकत्ता (वर्ग 3 और वर्ग 4 औद्योगिक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपन्न में (प्रिकाशन की नारीख को प्रयुक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, मंदिर मार्ग, कलकला वर्ग 3 प्रौर (वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 6 के पश्चात निम्नलिखित नियम बन्तःस्थापिन किया जाएगा, प्रथाक :---

"6क. स्थानान्तरण की णिक्तः—जहा ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेश द्वारा किसी कर्मचारी को उक्त मुद्राणालय से अपने नियल्लणाधीन किसी भन्य मुद्राणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोकहित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर या मुद्रणालयों के अधिशेष अर्मचारीवृन्द के पुनः परियोजन के लिए निम्म-लिखन गर्नों के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है अथीन:—

- (i) जहां स्थानान्तरण का श्रावेश लोकप्टित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नही पड़ना चाहिए;
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनुरोध पर प्रमुकस्पा के ग्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित कर दिया गया है; ग्रीर
- (iii) जहां किसी अतिरिक्त व्यक्ति का पुन. पिरिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे ब्रामेलिन किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रयोजन के लिये उसे नया भर्नी किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰स॰ 2/17/75-ए॰ 1/5 450/77**-मद्र**ण]

- G.S.R. 1491.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III and class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III and class IV Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III and class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "6A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control

- and vice-versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
- (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सार कार पिर 1492 ---राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, मंदिर मार्ग कलकता (वर्ग 3 और वर्ग 4 अनौद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाने है, अर्थानु---

- 1(1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, मंदिर मार्ग, कल्फना (वर्ग 3 और वर्ग 4 अनौद्योगिक पद) भर्नी संशोधन नियम, 1977 है।
 - (2) यें राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रयुक्त होंगे।
- थ. भारत सकार मुद्रणालय, मंदिर मार्ग, कलकला (यर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पण्चात् निम्नलिखित नियम, श्रन्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:----

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति :— जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेख-बड़ किया जाएगा, सुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, ब्रादेश हारा किसी कर्मचारी की उक्त सुद्रणालय से प्रपने नियलणाधीन किसी ब्रन्य सुद्रणालय को और श्रपने नियलणाधीन किसी सुद्रणालय से उक्त सुद्रणालय की, लोकहित में था ऐसे कर्मचारी के श्रनुरोध पर प्रतृकस्पा के श्राधार पर, या सुद्रणालयों के श्रधिशेष कर्मचारीबंन्द के पुनः परियोजन के लिए, निम्नलिखित शांसों के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर गकता है, श्रथीन् .—

- (i) जहां स्थानान्तरण का स्रादेण लोकहित में किया गया हो बटा कमेचारी के सेवा हिता पर प्रसिक्त प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ;
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनुरोध पर प्रनुकम्पा के प्राक्षार पर किया गया हो बहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मृल एकक में की गई मेबा का लाभ , उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिये नहीं मिलेगा जहां बह स्थानान्तरित किया गथा है; और
- (iii) जहा किसी स्रांतिरक्त व्यक्ति का पुन परिनियोजन किया गया हो बहा जिस एकक में उसे श्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए उसे नयः भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰सं॰ 2/17/75 ए॰ 1/5450/77-सुद्रण॰]

- G.S.R. 1492.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III and class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III and class IV Non-Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2. In the Government of India Press, Temple Street, Calcutta (class III and class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice-versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the induvidual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सावकाविक 1493.—राष्ट्रपति, सविधान के ध्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक (वर्ग 3 ध्रीर वर्ग 4 ध्रतीयोगिक पद) भर्ती नियम 1974 में संशोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम बनाते है, ध्रथीत् .—

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, नामिक (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 1 श्रनीग्रांगिक पद) भर्ती संशांधन नियम, 1977 है।
 - (3) ये राजपवा में प्रकान की तारीखा को प्रवृत्त होगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 भनी-द्यांगिक पद) भर्ती नियम, 1971 में नियम 5 के पश्चान् निम्नलिखित नियम ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा भ्रमान् :—-

"5क. स्थानान्तरण की णक्ति .—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेख-बद्ध किया जाएगा, सुद्रण निर्देशक का समाधान हो गया हो बहां वह, प्रादेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त सुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य सुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी सुद्रणालय से इक्त सुद्रणालय को, लोकहित से या ऐसे किसी कर्मचारी के अनुरोध पर या सुद्रणालयों के श्रिक्षिण कर्मचारीबृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्नलिखित शर्तों के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थान्:

- (i) जहां स्थानान्तरण का ग्रादेण लोकहिन में किया गया हो बहां कर्मचारी के सेवा हिनों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए;
- (ii) जहां स्थानान्तरण सस्बद्ध कर्मचारी के ब्रनुरोध पर ब्रनुरुस्पा के ब्राधार पर किया गया हो बहां सस्बद्ध व्यक्ति को श्रपने मूल एकक में की गई सेंबा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिये नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी ग्रांतिरक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो बहा जिस एकक में उसे श्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्टनाके प्रयोजनों के लिये उसे नया भर्ती किया गया क्यक्ति माना जाएगा।

[फा॰मं॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-मुद्रण]

G.S.R. 1493.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government

of India Press, Nasik (class III and class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, namely: --

- 1, (1) These rules may be called the Government of India Press, Nasik (class III and class IV Non-Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Nasik (class III and class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg]

सा०का०िन् 1494.— राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदस्त शिवनयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय (नामिक वर्ग 3 भीर वर्ग 4 पद श्रीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नितिक्वित नियम धनाने हैं, भ्रथित:—

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीद्योगिक पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवस्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय नानिक (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 श्रीसोिगक पत्र) भर्ती नियम 1974 में नियम 5 के पश्चात् निस्निलिवत नियम श्रन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात :---

"5क. स्थानान्तरण की णक्ति:——जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखधढ़ किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो त्रहां वह, प्रावेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी श्रूच्य सुद्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोकहिन में या किसी ऐसे कर्मचारी के प्रनृरोध पर, अनुक्रस्पा के आधार पर या सुद्रणालयों के अधिणेष कर्मचारीवृत्व के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखिन शतों के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थानः—

- (i) जहां स्थाननगरण का घादेश लोकहित में किया गया हो वहां कर्भचारी के मेबा-द्रितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाद्रिए।
- (ii) जहां स्थानान्नरण सम्बद्ध कर्मच,री के ब्रनुरोध पर ब्रनुकम्पा के ब्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को ब्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येस्टता के प्रयोजन के लिये नहीं मिलेगा जहां बहु स्थानान्तरित किया गया है, श्रीप
- (iii) जहां किसी श्रितिरिक्त ज्यक्ति का पुतः परिनियोजन किया गया
 हो वहां, जिस एकक में उसे श्रामेलित किया गया है उसमें

ज्येष्ठता के परोजनों के लिये उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जायगा।'

[फा॰सं॰ 2/17/75-ए॰-1-5450/77--मुद्रण]

- G.S.R. 1494.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Nasik (class III and class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, namely :—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Nasik (class III and class IV Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Nasik (class III and class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg]

सा०का०नि 1495.—राष्ट्रपित, संविधान के अनुकटीद 309 के परन्तुक धारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक प्रक्रिया अनुभाग (वर्ग 3पद) भनी नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिकित नियम बनाते हैं, अर्थात :---

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, नामिक प्रक्रिया प्रन्था। (वर्ग 3 पद) भर्ती (मंगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रयुत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुक्रणालय, नासिक प्रक्रिया प्रमुभाग (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पण्चान् निम्निक्षित नियम प्रन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथात् .--

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति .—जहा ऐसे कारणो मे, जिन्हें लेख-बद्ध किया जायगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां यह, ब्रादेण द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय को उक्त मुद्रणालय को, लोकहित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारीनृत्य के पुनः परिनियोजन के लिये, निस्नलिखित शर्नों के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थात् :—

- (i) जहां स्थानान्तरण का प्रादेश लोकहिन में किया गया हो बहां कर्मजारी के सेवा-हिनो पर प्रतिकृत प्रभाव नही पड़ना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध पर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने

मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां अह स्थानान्तरिय किया गया हो; धौर

(iii) जहां िकसी स्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे श्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1495.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press Nasik Process Section (class III Posts) Recruitment Rules, 1974, namely :—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Nasik Process Section (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Nasik Process Section (class III Posts) Recruitment Rules 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed"

[F. No. 2/17/75-AT/5450/77-Ptg.]

सा०का०िक 1496.—राष्ट्रपति, संविधान के ध्रनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का श्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणाक्षय, नासिक फोटोलियो पक्ष (वर्ग 3 धीर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिये निम्मलिखित नियम खनाते हैं, ग्रथित :---

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत मरकार मुद्रणालय, नासिक फोटोलियो पक्ष (वर्ग 3 ग्रौर वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाणन की तारीख को प्रकृत होंगे।
- 2. शारत सरकार मुद्रणालय, नासिक फोटोलिथो पक्ष (वर्ग 3 झौर वर्ग 4 पव) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम भ्रन्तःस्थापिन किया जाएगा, भ्रथति :---

"5क. स्थानाम्तरण की प्राक्त:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध क्रिया जायेगा मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, घावेग द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंग्नणाधीन किसी ध्रन्य मुद्रणालय को और अपने नियंग्नणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय

- को, लोकहित में या ऐसे कर्मचारी के मनुरोध पर मनुकम्पा के माधार पर या मुद्रणालयों के अधियेष कर्मचारीकृष्ट के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित गतों के मधीन रहने हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, प्रथांत्:—
 - (i) जहां स्थानान्तरण का ध्रादेण क्षोकहित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
 - (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनूरोध पर प्रनुकस्पा के प्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को ध्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिये नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; श्रीर
 - (iii) जहां किसी प्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे ग्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रयोजनों के लिये उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा० सं० 2/17/75-ए० 1/5450/77 मुद्रण]

- G.S.R. 1496.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Nasik, Photo Litho Wing (class III and class IV posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Nasik, Photo Litho Wing (class III and class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Nasik, Photo Litho Wing (class III and class IV posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the tollowing conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - tiii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सा॰का॰िक 1497.—राष्ट्रपति, संविधान के ग्रनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रयक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक (वर्गे 3 ग्रराजपत्रित, ग्रस्तिपिक वर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिक्ति नियम बनाते हैं, ग्रथात् :—

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक (वर्ग 3 धराजपित प्रलिपिकवर्गीय पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपब में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार मञ्जणालय, नामिक (वर्ग 3 प्रराजपत्नित, प्रिलिपिक-वर्गीय पत) भर्ती नियम, 1925 में नियम 5 के प्रशान निम्निकित नियम मन्त.स्थापिन किया आयगा, यशील् ----

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति — जहां ऐसे कारणों में, जिस्ते लेख-बढ़ किया प्राएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहा बह, अरोरण द्वारा, किभी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीत किसी अन्य मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोकहिन में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर, या मृद्रणालयों के अधिभेष कर्मचारिवृत्व के पुनः परिनियोजन के लिए निम्निखित शर्नों के अधीन रहने हुए, स्थानान्तरिस कर सकता है, अर्थात् :—

- (i) जहां स्थानान्तरण का श्रादेण योकहिन में किया गया हो यहां कर्मचारी के सेजा-हिलों पर प्रतिकृत प्रभाव नही पड़ना चाहिए;
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्त-रित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी श्रांतिरिक्त ध्यक्ति का पुनः पिरिनियोजन किया गया हो वहा जिस एकक में उसे आमेक्षित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए०-1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1497.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Nasik (class III Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Nasik (class III Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Nasik (class III Non-Gazetted Non-Gazetted Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

साक्साविश्व 1498.—राष्ट्रपति, संविधान के स्रमुख्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदम शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मारत सरकार मुद्र-शालय, करीदाबाद (अर्ग 3 सीर वर्ग 4 स्वतीयोगिक पद्र) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम सनाते है, स्वरीत :--

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद (वर्ग 3 ग्रीप वर्ग 4 श्रमीशोगिक पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत में प्रकाशन की नारीश्व की प्रवृक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मृद्रणालय, फरीदाबाद (वर्ग 3 धीर वर्ग 4 धनौद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :----

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेख-बढ़ किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, श्रावेण द्वारा, किसी कर्मचारे, को उक्त मुद्रणालय से श्रपने नियंत्रणाधीन किसी श्रन्य मुद्रणालय को श्रीर श्रपने नियंत्रणाधीन किसी. मृद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोकहित में या ऐसे कर्मचारे, के श्रनुरोध पर श्रमुकम्या के श्राधार पर, या मुद्रणालयों के श्रधिशेष कर्मचारिवृत्व के पुतः परिनियोजन के लिये, निम्नलिखित शर्तों के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर मकता है, श्रथीत् —

- (i) जहां स्थानान्तरण का ध्रावेश लोकहित में किया गया हो वहाँ कर्मचारी के सेचा-हिनों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिये;
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनुरोध पर धनुकस्पा के प्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिये नहीं मिलेगा जहां वह स्थाना-न्तरित किया गया है; थीर
- (iii) जहां किसी अतिरिक्त व्यक्ति का धुनः परिनियोजन किया गया ही बहां जिस एकक में उसे आमेलिन किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रयोजनो के लिये उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए०1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1498.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Faridabad (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974 namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Faridabad (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Faridabad (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the tollowing conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.

- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सरे का शिवा 1499—राष्ट्रपति, संविधान के धनुकछेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदन्त गिवनयों का प्रयोग करते हुंग, भारत सरकार मृद्रणालय फरीवाबाव, (वर्ग 3 भीर वर्ग 3 धीथोंगिक पव) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्तलिखन नियम बनाते हैं, प्रयोत :---

- (१) इन नियमो का नाम भारत मरकार मुद्रणण्त्य, फरीवाबाव (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीसोशिक पद) भर्नी (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (१) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय फरीदाबाद (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रीधोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम श्रन्त स्थापित किया जाएगा, ग्राथित ----

"5क. स्थानान्तरण की प्राक्तिः—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो बहां बहा, आदेण द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंद्रणाधीन किसी अन्य सुद्रणालय को और अपने नियंद्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त सुद्रणालय को, लोकहिल में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनु-कम्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारिश्वन्द के पुतः परिनियोजन के लिये, निम्नांशिक्षत शर्ठों के अश्वीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थात् ः—

- (1) जहां स्थानान्तरण का ब्रादेश लोकहिल में किया गया हो बहां तर्मचारी के सेबा-हिलों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए;
- (2) जहां स्थानात्नरण संबद्ध कर्मचारी के ध्रनुरोध पर ध्रनुकस्पा के ध्राधार पर किया गया हो बहां, सम्बद्ध व्यक्ति को ध्रपने मृक्ष एक में की गई रावा का लाभ, उस एकक में उयेच्छता के प्रयोजन के लिये नहीं मिलेगा जहां बहु स्थानान्तरित किया गया है; धीर
- (3) जहां किसी म्रातिरिक्ष्म व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे भ्रामेषित किया गया है उससे ज्येक्टता के प्रयोजमों के लिये उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएना।"

[फा०स० 2/17/75-ए० 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1499.—In erercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Faridabad, (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Faridabad (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2, In the Government of India Press, Faridabad, (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted namely:—

- "5A. Power to transfer.—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AL/5450/77-Pig.]

सा० काँ० नि० 1500—राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदश्ण णक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मृद्रणालय, फरीवाबाद प्रक्रिया अनुभाग (वर्ष 3 पद) भर्ती नियम, 1973 में संणोधन करने के लिए निस्तर्लिखन नियम बनाते हैं, स्थित .—

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद प्रक्रिया प्रन्भाग (वर्ष 3 पद) भर्ती संशोधन नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाणन की तारीख की प्रयुक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, फरीवाबाद, प्रक्रिया ध्रनुभाग (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पण्चान् निस्नलिखित नियम प्रन्त स्थापित किया जाएगा, प्रथित :---

"5क. स्थानान्तरण की शक्तिः - - जहां ऐसे कारणों से जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मूद्रण निर्देणक का समाधान हो गया हो जहां वह, श्रावेण द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से श्रपने नियंत्रणाधीन किसी श्रन्य मुद्रणालय को श्रीर श्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय को श्रीर श्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोकहित में या ऐसे कर्मचारी के श्रन्थोध पर श्रनुकस्पा के श्राधार पर, या मुद्रणात्रयों के श्रधिलेप कर्मचारिकृत्य के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्निलिखित णहीं के श्रीन रहते हुए स्थानान्तरिक कर सकता है, श्रथितः

- (!) जहां स्थानात्परण का आदेश लोकहित में किया गया हो वहां कर्मचारी के मेवा-हितों पर प्रतिकृल प्रभाव नही पड़ना बाहिए;
- (2) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मवारी के ग्रनुरोध पर ग्रनुकस्पा के ग्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को ग्रपने मृल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (3) जहां किसी प्रतिरिक्त व्यक्ति का पुन. पिरिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे आमेलित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजन के लिये उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ म॰ 2/17/75—ए० 1/5450/77**-मृद्रण**]

G.S.R. 1500.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of

India Press, Faridabad, Process Section (Class III Posts) Recruitment Rules, 1974, namely :---

- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Faridabad, Process Section (Class III Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Faridabad, Process Section (Class III Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - 5A. Power to transfer:—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सार्क्षार्शति 1501.—-राष्ट्रपति, सिवधान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक हारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार सुद्रणालय, फरीदाबाद (वर्ग 3 घराजपित्रिन, प्रतिपित्रवर्गीय पर्द) भर्ती नियम, 1975 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनात है, प्रथित .--

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय फरीदाबाव (वर्ग 3 प्रराजपश्चित ग्रालिपिकवर्गीय पद) भर्नी (संबोधव) नियम, 1977 है।
 - (2) यें राजपत में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2 भारत सरकार मुद्रणालय, फरीवाबाद (वर्ग 3, ध्रराजपित्रत, ध्रालिपिकवर्गीय पद) भ्रमी नियम, 1975 में नियम 5 के पण्चाल् निम्न-लिखिन नियम श्रन्त-स्थापित किया आएगा, अर्थान् :- -

"5फ स्थानास्तरण की णिवन.— जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखकड़ किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उपन मृद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्क मुद्रणालय को, लोकहिल में या ऐसे कर्मचारी के प्रनुरोध पर प्रमुकस्पा के आधार पर या मुद्रणालयों के प्रधिणेष कर्मचारीवृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्मलिखिन णतौं के प्रधीन रहते हुए, स्थानात्मरित कर भवाता है, प्रयत्ति ——

- (।) जहां स्थानान्तरण का म्रावेश लोकहित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवाहितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए:
- (2) जहां स्थानान्तरण सस्बद्ध कमेचारी के भनुगंध पर ग्रानुकास्पाके ग्राप्तार पर किया गया हो यहां सम्बद्ध व्यक्ति को ग्रपने मृत एकका में की गई मेना का लाग, उस एकक में अमेरठता के प्रयोजन के लिये नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और

(3) जहां किसी धांतिरिक्त व्यक्ति का पुन परितियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे धार्मेलित किया गया है उसमें ज्येग्टिता के प्रयोजनों के लिये उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फार संव 2/17/75-ए० 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1501.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Faridabad (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - (1) These rules may be called the Government of India Press, Faridabad (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Faridabad, (Class III Non-Gazetted Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted namely:—
 - 5A. Power to transfer:—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of senjority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

साक्षाक्षिक 1502.—सार्प्रपित, संविधान के ब्रनुक्छेद 309 के परन्तुक क्षेत्रा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मूद्रणालय, शिमला (वर्ग 3 ब्रीर वर्ग 4 अनौद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, प्रयात् :--

- 1.(1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुझ्णालय, शिमला (बर्ग 5 ग्रीर वर्ग 4 ग्रमीग्रोगिक पर्व) भनी (संशोधन) नियम, 1977
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की नारीख को प्रकृत होंगें।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, शिमला (वर्ग अभीर वर्ग 4 प्रभीकोशिक पद) भर्ती नियम,1974 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम प्रन्त स्थापित किया जाएगा, प्रयात् ——

"उक स्थानान्तरण की णाक्ता:—~जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेख-बद्ध किया जाएगा, मुद्रण निर्देशक का समाधान हो गया हो बहा, बह, प्रादेश द्वारा किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियन्नणाधीन किसी अच्य सुद्रणालय श्रीर अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रशालय से उक्त मुद्रणालय को, लोकहित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकश्या के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारीकृत्व के पुनः पश्चियोजन के लिए, निम्नलिक्षित सर्वों के प्रधान रहते हुए, स्थानास्तरित कर सकता है, प्रथति:---

- (1) अहा स्थानान्तरण का आदेश लोकहित में किया गया हो वहा कर्मचारी के मैबाहिलों पर प्रतिकल प्रभाव नहीं पडना चाहिए ;
- (2) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनुशेष्ठ पर प्रनुकस्पा के आक्षार पर किया गया हो बहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपनि मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिये नहीं मिलेगा जहां वह स्थाना-तरित किया गया है; ग्रीर
- (3) जहां किसी श्रांतिरिश्त व्यक्तिका पुनः परिनियोजन किया गया बहां जरा एकक में उसे श्रामेलित किया गया है उसमे ज्येष्टिश के श्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फार न न 2/17/75- ए०1/5450/77- मुद्रण]

- G.S.R. 1502.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Simla (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
 - 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Simla (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Simla (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer: —Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redevelopment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (ii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सा० का० पि० 1503.—राष्ट्रपति, संविधान के धनुज्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, णिमला (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रीशींगिक पव) भर्ती नियम, 1974 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, श्रथांनु:---

- (1) इन नियमों का नाम भारत संकार मुद्रणालय, शिमला (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीयोगिन पद) भर्नी (संगोधन) नियम, 1977
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की तारीख को प्रयुक्त होगे।

2 भारत सरकार मुदणालय, शिमला (वर्ग 3 ध्रीर वर्ग 4 ध्रीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 6 के पण्चात् निम्न-लिखित नियम प्रन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :---

"6 क स्थानात्नरण की णांकत :— जहां ऐसे कारणों से, जिन्हों लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निर्देशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेश हारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय के अक्त मुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारीवृन्द के पुन: परि-नियोजन के लिए, निम्नलिखित शार्तों के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थान :—

- (i) अहां स्थानान्तरण का भावेश लोक हित में किया गया है।
 यहां कर्मचारी के सेवाहितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के श्रीधार पर किया गया हो तहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां यह स्थानान्तरित किया गया है; श्रीर
- (iii) जहां किसी श्रितिरक्त व्यक्तिका पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे श्रामेलित किया गया है उसमें ज्येण्डता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा ।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1503.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Simla (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
 - (1) These rules may be called the Government of India Press, Simla (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Simla (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:—-
 - "6A. Power to transfer:—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iil) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सार का । विश् 1504.— गास्त्रपति, संविधान के अनुष्ठेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत संकार सुद्रणालय शिमला (वर्ग 3 अगाजपत्नित, अलिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :~-

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, शिसला (वर्ग 3 घराजपित्रत, धिलिपिक वर्गीय पद) भनी (मंगोधन) नियम, 1977 है ।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की नारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, शिमला (वर्ग 3 प्रराजपितत, प्रलिपिक-वर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्त-स्थापित शिया जाएगा, प्रयत् :----

"5क स्थानान्तरण की शक्ति :---जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मुद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां यह, आदेण द्वारा, किसी कर्मचारी को उकत सुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य सुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उकत सुद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिभेष कर्मचारिवृत्व के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित शनी के अधीन रहने हुए, स्थानान्नरित कर सकता है, अर्थान् .---

- (i) जहां स्थानान्तरण का आवेश लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेथा-हितो पर प्रतिकृष प्रभाव नही पड़ना चाहिए।
- (ii) जहां स्थामान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनुरोध पर प्रनुकस्पा के प्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने सूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्योच्छता के प्रयोजन के लिए नहीं सिलेगा जहां वह स्थानास्तरित किया गया है; ग्रीर
- (iii) जहां किसी श्रांतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे आमेलित किया गया है उसमें ज्येस्टना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा ।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1504.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Simla (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Simla (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Simla (Class III and Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer :—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, mainly:
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.

- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred, and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1 /5450/77-Ptg.]

सा० का० कि० 1505.—राष्ट्रपति संविधान के प्रमुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय गंगटोक (वर्ग 3 थ्रीर वर्ग 4 भ्रनीयोगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, भ्रयत्:—

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मृद्रणालय, गंगटोक (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रनीशोगिक पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारीख को प्रयुक्त होंगे।
- 3. भारत सरकार मुद्रणालय गगटोक (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रनीशोगिक पद) भर्ती नियम. 1975 में नियम 5 के पण्याम् निम्न-लिखित नियम ग्रन्सःस्थापित किया जाएगा, ग्रर्थात् :---

"5क स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणो से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, प्रादेण ढारा, किसी कर्मचारी को उक्त सृद्रणालय से प्रपने नियंक्षणाधीन किसी अन्य मृद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय से उक्स मृद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्या के आधार पर, या मृद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारिवृन्द के पुन: परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित शर्ती के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थात्:—

- (i) अहा स्थानान्तरण का भ्रावेश लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हिनो पर प्रतिकृष प्रभाव नही पड़ना चाहिए।
- (ii) जहा स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अभुकम्पा के अप्रधार पर किया ता हो तरा तम्बद्ध व्यक्ति का ध्रपने मृल एकक में की गई नेवा का लाभ, उस एकक में ज्योष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी मितिरिक्त ध्वक्ति का पुन. परितियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे प्रामेलित किया गया है उसमे ज्येष्टना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्नी किया गया व्यक्तिमाना जाएंगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰ I/5450/77--मुद्रण]

- G.S.R. 1505.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Gantok, (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - 1. (1) These rules may be called the Government of Iudia Press, Gangtok (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules 1977, namely:—
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

- 2. In the Government of India Press, Gangtok (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Ruls, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control the vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred, and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-Al /5450/77-Ptg.]

सा०का०नि० 1506.—राष्ट्रपति, संविधान के धनुष्केद 309 के परन्तुक बारा प्रदन पश्चियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, गंगटोक (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीधोगिक पव) भर्ती नियम, 1974 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, धर्थात् :——

- (1) इन नियमो का नाम भारत सरकार मृद्रणालय, गंगटोक (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीद्योगिक पद) भर्ती (मंगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, गगटोक (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीश्रोणिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 5 के पण्चात् निस्न-लिखित नियम श्रन्तःस्थापित किया आएगा, अर्थातः—

"5क स्थानान्तरण की णाक्त — जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेख-बढ़ किया जाएस, मुद्रण निदेणक का समाधान हो गया हो वह वह, आदेश हारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोक दिन में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर, अनुकस्मा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिगेष कर्मचारिकृत्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिश्विष्ट णतीं के अधीन रहते हुए, स्थाननात्रित कर सकता है, अर्थात:--

- (i) जहां स्थानान्तरण का श्रावेश सीक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-ष्टिनों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रनुरोध पर अनुक्तम्पा के प्राधार पर किया गया ही वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानास्तरित किया गया है; धौर
- (iii) जहां किसी प्रतिरिक्त व्यक्ति का पून. परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे प्रामेलित किया गया है उसमे ज्येष्टन के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰I/5450/77 मुद्रण]

- G.S.R. 1506.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Gangtok (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Gangtok (Class III and Class IV Industrial Posts) Recrui.ment (Amendment) Rules 1977, namely:—
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Gangtok (Class III and Class IV Industrial Post) Recruitment Rules. 1974, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control the vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniorty in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-AI /5450/77-Ptg.]

सा॰का॰िम॰ 1507.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, गंगटोक (वर्ग 3 अराजपित्रत, अलिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निस्नलिखित तियम बनाते हैं, धर्यात :——

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार गंगटोक (वर्ग 3 अराजपन्नित, अनिपिकवर्गीय पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977
 १ ।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की नारीख़ को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मृद्रणालय गगटोक (वर्ग उन्नराजपित्तत, ग्रिलिपिक-वर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पण्यात् निम्निलिखिल नियम श्रन्त-स्थापित किया जाएगा, ग्रिथीन .——

"5क स्थानान्तरण की शक्ति:—-जहा ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहा वह, आदेश द्वारा, किसी कमंचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारिवृन्द के पुनः परिन्तियोजन के लिए, निम्नलिखन शर्मों के अधीन उन्ते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थान .—

- (i) जहां स्थानान्तरण का भादेण लोक हिन में किया गया हो वहां कर्नकरों के सेवा-हिनो पर प्रतिकृष प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानात्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के ध्रनूरोध पर अनुकम्पा के ध्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति की ध्रपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टमा के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानात्करित किया गया है; और
- (tii) जहां किसी शनिरियत व्यक्ति का पुनः परिनियोज किया गया हो बहां जिस एकक में उसे झामेलित किया गया है

उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया श्यक्ति माना आएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए० 1/5450/77→-मु**द्र**ण]

- G.S.R. 1507.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press Gangtok (Class III Non-Gazetted Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975 namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Gangtok (Class III Non-Gazetted Non-Ministerial Posts) Reiruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Gangtok (Class III, Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[F. No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सा**्का**ंकिः 1508:—राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार फार्म स्टोर कलकत्ता (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाने हैं, ग्रथिन् —

- । (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार फार्म स्टोर, कलकता (वर्ग 3 ग्रौर वर्ग 4 पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) यें राजपत्न में प्रकाणन की नारीख को प्रथुक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार फार्म स्टोर, कलकता (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 6 के पश्चात् निम्नलिखित नियम झन्त:-स्थापित किया जाएगा, प्रथित :---

"6%. स्थानान्तरण की णक्ति :— जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया आएसा, सूद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, ध्रादेश द्वारा, किसी कर्मनारी को भारत सरकार फार्म स्टोर, कलकना से ध्रपने नियंद्रणाधीन किसी ध्रन्य स्थापन या भारत सरकार सूद्रणालय को ध्रीर प्रपने नियंद्रणाधीन किसी ध्रन्य स्थापन या भारत सरकार मृद्रणालय को ध्रीर प्रपने नियंद्रणाधीन किसी ध्रन्य स्थापन या भारत सरकार मृद्रणालय उक्त भारत सरकार फार्म स्टोर कलकत्ता को स्रोक हिन में या ऐसे कर्मनारी के ध्रनुरोध पर ध्रनुकस्पा के घ्राधार पर, या मृद्रणालयों के ध्रधियोष कर्मचारियृत्व के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्नियित शर्तों के ध्रधीन रहने हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, ध्रधीन —

 (i) जहां स्थानात्सरण का आदेण लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेबा-हिनों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पदना चाहिए ।

- (ii) जहां स्थानास्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के प्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां अहं स्थानान्तरिल किया गया है; और
- (iii) जहा किसी भ्रतिरिक्त ज्यक्ति का पुत्र परितियोजन किया गया हो बहा जिस एकक से उसे भ्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे तथा भर्ती किया गया ज्यक्ति साना जाएगा ।"

[फा० सं० 2/17'75-ए० 1/5450/77---मुद्रण]

- G.S.R. 1508.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Forms Store, Calcutta (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Forms Store, Calcutta (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Forms Store, Calcutta (Class III and Class IV Posts), Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:
 - "6A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the Govt. of India Forms Store, Calcutta to any other Establishment or Govt. of India Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सा०का०कि०1509: —राष्ट्रपति, संविधान के ग्रनुक्छेद 309 के परन्तुक होरा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, भुवतेभ्वर (वर्ष 3 ग्रीर वर्ष 4 ग्रनौयोगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में संणोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम बनाते है; अर्थातृ :—

- 1 (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्र-णालय, भुयनेण्वर (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रनीद्योगिक पव) भर्ती (संगो-धन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की नारीस्त्र को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भीरम सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, भृषकेश्वर (वर्ग 3 और वर्ग 4 अमीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निस्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रथीत :----

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणो से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, सुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, अदिल द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त सुद्रणालय से प्रपने नियंवणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को भीर अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मृद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के प्रनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के आधिणेष कर्मचारिकृत्व के पृतःपरितियोजन के लिए, निम्निलिश्वित णतों के आधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थान् :---

- (i) जहां स्थानान्त्ररण का श्रादेण लोक हित में किया गया हो बहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।
- (ii) जहां स्थानान्मरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपने मूल एकक में की गई रोबा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टना के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्त्ररित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी प्रतिरिक्त ध्यक्ति का पुतः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे प्रामेशित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया ध्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰ 1/5450/77-स्व्रण]

- G.S.R. 1509.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Text Books Press, Bhubaneshwar (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Text Books Press, Bhubaneshwar (Class III and Class IV Non-Industrial Posts). Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Text Books Press, Bhubaneshwar (Class III and Class IV Non-Industrial Posts), Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सारकारिक 1510 .—राष्ट्रपति, संविधान के ध्रमुक्छेव 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त पक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, भुवनेश्वर (वर्ग 3 और वर्ग 4 भीद्योगिक पद) भर्ती नियम,
1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाने हैं, अर्थानु:-

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार पाठ्य पुन्तक मुद्र-णालय, भुवनेन्वर (वर्ग 3 धौर वर्ग 4 धौद्यांगिक पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977 है ।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की नारीख की प्रवृक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, भुवनेण्यर (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 1 ग्रीग्रोगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में लियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम ग्रन्तःम्शापित किया जाएगा, ग्रथातः :---

"5क. स्थानान्तरण की णिक्त :—-जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेख-बद्ध किया जाएगा, मृत्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, श्रावेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उकत मृत्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मृत्रणालय को श्रीर श्रपने नियंत्रणाधीन किसी मृत्रणालय से उक्त मृत्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के श्राधार पर, या मृत्रणालयों के श्रीधणेष कर्मचारिबृन्द के पुन.परिनियोजन के लिए, निम्नियिश्वन शर्तों के श्राधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है श्रथीन :—

- (i) जहां स्थानान्तरण का घावेश लोक हिन में किया गया हो यहां कर्मचारी के मेश्रा-हिनों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के धनुरोध पर धनुकम्पा के प्राधार पर किया गया हो बहां सम्बद्ध व्यक्तिको अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; धौर
- (iii) जहा किसी ध्रतिरिक्त व्यक्ति का पुतःपिरिनयोजन किया गया हो वहां जिस एकक मे उसे घ्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा० मं० 2/17/75--ए० 1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1510.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Text Books Press, Bhubaneshwar (Class III and Class IV Industrial Posts), Recruitment Rules, 1975, namely:—
- I. (1) These rules may be called the Government of India Text Books Press, Bhubaneshwar (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules,
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Text Books Press, Bhubaneshwar (Class III and Class IV Non-Industrial Posts), Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds.

the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and

(iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सार कोर मिर 1511 - राष्ट्रपति, सिवधान के धनुकछेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार, पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, भूबनेश्वर (वर्ग 3, घराजपित्रत, धिलपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम बनाने है, प्रथीत् :--

- (1) इस नियमो का नाम भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मृद्रणालय, भुवनेश्वर (वर्ग 3 घराजपन्नित, ग्रालिपिकवर्गीय पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाणन की नारीक्ष को प्रवृत्त होंगें।
- 2. भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मृद्रणालय. भूवनेण्यर (वर्ग 3 प्रराजपत्नित, प्राक्षिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पण्जात् निस्तिलिखित नियम प्रान्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथात्:----

"5क. स्थानान्तरण की शक्ति :--जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मृत्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आदेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मृद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मृद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय को उक्त मृद्रणालय को क्रांतर पर अनुकारणा के आधार पर, या मृद्रणालयों के अधिशेष कर्मचारिबृन्द के पुन:परिनियोजन के लिए, निस्नलिखित शती के अधीन रहते हुए, स्थानास्नरिन कर सकता है, अथित :---

- (i) जहां स्थानान्तरण का प्रादेश लोक हिट में किया गया हो बहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए
- (ii) जहा स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मकारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर किया गया हो बहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहा वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी झितिरिक्त व्यक्ति का पुनःपरिनियोजन किया गया हो बहां जिस एकक में उसे झामेलित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा ।"

[फा० मं० 2/17/75-ए० 1/5450/77-मुहण]

- G.S.R. 1511.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Text Books Press. Bhubaneshwar (Class III Non-Gazetted, Non-Ministrial Posts) Recruitment Rules 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Text Books Press, Bhubaneshwar (Class III Non-Gazetted-Non-Ministrial Posts), Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Text Books Press, Bhubaneshwar (Class III Non-Gazetted Non-Ministerial Posts) Re-99 GI/77—8.

cruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:

- "5A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice-versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surpls staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is re-deployed he shall he treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

मा० का० ति० 1512 .---राष्ट्रपति, सथिधान के धनुरुछेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिवितयों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, नीलोखेड़ी (वर्ग 3 और वर्ग 4 धनीधोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाने हैं, ध्रथित :---

- १ (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, नीलोखोड़ी (वर्ग 3 और वर्ग 4 अनौद्योगिक पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपव में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत् सरकार मुद्रणालय, नीलोखेडी (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 श्रनौद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 6 के पश्चात् निम्न-लिखित नियम श्रन्त-स्थापित किया जाएगा, श्रर्थान् —

"6क. स्थानान्तरण की शक्ति:——जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण, निदेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, द्वादेश द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से प्रथने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को श्रीर धपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्राणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के प्राधार पर, या मुद्रणालयों के प्रधिशेष कर्मचारिवृन्द के पुन-परि-नियोजन के लिए, निम्नलिखन शर्नों के श्रायीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रार्थानु:——

- (i) जहां स्थानात्वरण का स्रादेश लोक हिल में किया गया हो वहां कर्नवारी के सेपा-डिनों पर प्रतिकृत प्रमाद नहीं पड़ना चाहिए:
- (ii) जहां स्थानात्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के धनुरोध पर धनुकस्पा के धाक्षार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को ध्रयने मृल एकक में की गई सेना का लान, उस एकक में व्येष्टता के प्रयोजन के लिए। नहीं मिनेना जडा वह स्थानात्त्ररित किया गया है; और
- (iii) जहा किसी अतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे आमेलित किया गया है उसमें ज्येष्ठता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्नी किया गया अपक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए०1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1512.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Nilokheri (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Nilokheri (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Nilokheri (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely :---
 - "6A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice-versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सा० का० मि० 1513:—राष्ट्रपति, संविधान के धनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार मृद्रणालय, नीलोखेड़ी (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रीद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम जनाते हैं, श्रथात :--

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मृत्रणालय, नीलोखेड़ी (वर्ष 3 भीर वर्ग 4 भीद्योगिक पद) भर्ती (मणोधन) नियम, 1977
 8 ।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, नीलोखेड़ी (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रीबो-गिफ पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 6 के पश्चात् निम्नलिखित नियम ग्रन्तःस्थापिन किया जाएगा, श्रथीन्:—-

"6क. स्थानान्तरण की शकित: — जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा, मुद्रण निदेशक का समाधान हो गयां हो वहां वह, धादेश द्वारा, किसी कर्मजारी को उक्त मुद्रणालय से ध्रपने नियंत्रणाधीन किसी धन्य मुद्रणालय की धारेर ध्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय की, लीक हिन में या ऐसे कर्मजारी के धनुरोध पर धनुकस्पा के धाधार पर, या मुद्रणालयों के धाधार कर्मजारिवृत्व के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखन धार्मों के धाधीन रहते हुए स्थानान्तरित कर रकता है, धर्षातः —

- (i) जहां स्थानात्तरण का ग्रादेश लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रशिकृत प्रशास नहीं पड़ना भाडिए;
- (ii) अहाँ स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मकारी के धनुरोध पर धनुकम्पा के घाधार पर किया गया हो वहाँ सम्बद्ध व्यक्ति को धपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ उस एकक में ज्येव्डता

- के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जैहां यह स्थानान्तरित किया गया है; भीर
- (iii) जहां किसी भितिस्कित व्यक्ति का पुनःपरिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे भ्रामेलिन किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ स॰ 2/17/75-ए०1/5450/77-मुहण]

- G.S.R. 1513.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Nilokheri (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974 namely:—
- 1, (1) These rules may be called the Government of India Press, Nilokheri (Class III and Class IV Industrial Ports), Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Nilokheri (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:
 - "6A. Power to transfer:—where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice-versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for re-deployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Pig.]

सा० का० नि० 1514:— राष्ट्रपति की संविधान अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदेश मिन्यों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मृद्रणालय, नीलोखेड़ी (वर्ग 3 अराजपित्रत, अलिपिकवर्गीय पद) भर्ती तिथम, 1975 में संशोधन करते के लिए निम्मालिखिन नियम सनाते है, अर्थोत्:—

- (1) इन नियमों का नाम भारत मरकार मृद्रणालय नीलोखेड़ी (वर्ग 3, कराजपित्रन, फलिपिकवर्गीय पद) भर्ती (मंशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रभुत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय, नीलोखेड़ी (वर्ग 3 धराजपितन ग्रिलिपिक-वर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखिन नियम ग्रन्त:स्थापित किया जाएगा, श्रथांत्:---

"5क. स्थानान्तरण की सकित:----अहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबढ़ किया जाएगा. मुद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, धारेस द्वारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को धौर अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को,लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के श्रनुरोध पर श्रनुकस्पा के श्राधार पर, या मुद्रणालयों के श्रिधिय कर्मचारिवृन्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्नलिखित शर्ती के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रथींत ---

- (i) जहां स्थानान्तरण का कार्वश लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृष प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए:
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के धनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को धपने मूल एकक से की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी श्रितिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे श्रामेणित किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रमोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ म॰ 2/17/75-ए॰1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1514.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Nilokheri (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - (1) These rules may be called the Government of India Press, Nilokheri (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press Nilokheri (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules 1975, after rule 5, the following rules shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सा० का० नि० 1515:—-राष्ट्रपति, संविधान के धनुष्ठेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गांकतयों का प्रयोग करते दुए, भारत सरकार मुद्रणालय मांद्रागाची (वर्ग 3 और वर्ग 4 धनोद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखन नियम बनाते हैं, धर्षातु:—-

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मृद्रणालय साम्रागाची (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रनौद्योगिक पद) भर्ती (मंशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार मुद्रणालय, साक्षागाची (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 ग्रनीचो-गिक पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चातृ निम्नलिक्षित नियम ग्रन्तःस्थापिन किया जाएगा, भर्थात:—

"5क. स्थानान्तरण की णक्ति:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, स्रादेण हारा किसी कर्मनारी को उक्त मृद्रणालय से स्थाने नियन्नणाधीन किसी सन्य मुद्रणालय को और अपने नियन्नणाधीन किसी मुद्रणालय के उक्त मृद्रणालय को, लोक हिन में या ऐसे कर्मनारी के सन्ररोध पर सनुकस्पा के स्राधार पर, या मृद्रणालयों के स्रधिभेष कर्मनारिवृत्द के पुनः परिनियोजन के लिए, निम्मलिखन सर्नों के स्रधीन रहने हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, स्थात:—

- (i) जहां स्थानान्तरण का ग्रादेश लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवाहिनों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना भाहिए।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कमंचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के ग्राधार पर किया गया हो वहां मबद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठत के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित कि गया है: भीर
- (iii) जहां किसी भ्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे भ्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्टना के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1515.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Santragachi (Class III and Class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Santragachi (Class III and Class IV Non-Industrial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Santragachi (Class III and Class IV Non-Industrial posts) Recruitment Rules, 1975 after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of senicrity in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

- सार कार निरु 1516:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 3८9 के परन्तुक द्वारा प्रदन्त प्रस्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय सालागाची (वर्ग 3 और वर्ग 4 श्रीशोगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में सणोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम बनाने हैं, प्रथति.——
- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मृद्वणालय साल्रागाची (वर्ग 3 भीर वर्ग 4 श्रीद्योगिक पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत मण्कार मुद्रणालय, सांत्रागाची (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रीशोगिक पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पश्चान् निम्निलिखन नियम श्रन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रथात्:---

"5क. स्थानास्तरण की शांकत: -- जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निवंशक का समाधान हो गया हो वहां वह, भावेण द्वारा किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से प्रपने नियंत्रणाधीन किसी भन्य मुद्रणालय को भीर अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय को भीर अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त मुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के भनुरोध पर अनुकम्पा के साधार पर या मुद्रणालयों के श्रिधियेष कर्मचारिकृत के पुन परिनियंजन के लिए, निम्नलिखन गर्नों के श्रिधीन रहते हुए, स्थामान्तरित कर सकता है, भर्षाम्:---

- (i) जहा स्थानान्तरण का भावेण लोक हिल में किया गया हो वहा कर्मचारी के सेवा-हितो पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए;
- (ii) जहाँ स्थानास्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहां मम्बद्ध व्यक्षित को अपने मूल एकक में की गई मेवा का लाभ, उस एकक में उथेष्टना के प्रयोजन के लिए नही मिलेगा जहां यह स्थानान्तरित किया गया है; और
- (iii) जहां किसी श्रीतिष्कत व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो यहां जिस एकक में उसे श्रामेलित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ मं॰ 2/17/75--ए॰1/5450/77-म**ुद्र**ण]

- G.S.R. 1516.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Santragachi (Class III and Class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - (1) These rules may be called the Government of India Press, Santragachi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Santragachi (Class III and Class IV Industrial posts) Recruitment Rules, 1975 after rule 5 of the following rule shall be inserted namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following condition, namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;

- (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned or on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed.

[File No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सा० का० कि 1517:—-राष्ट्रपति, सिश्यान के श्रमुक्छेद 30 में परन्तुक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार सृद्धण - लया सोत्रागाची (वर्ग 3 श्रराजपत्नित, श्रीलिकवर्गीय पद) भनी नियम 1975 में संशोधन करने के लिए निस्निलिखन नियम बनाने हैं, श्रथित् :—-

- ् 1 (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय सांद्रागाची (वर्ग 3 घराजपद्वित, घलिषिकवर्गीय पद्र) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालय सांलागाची (वर्ग 3 प्राराजय त, प्रालिपिक-वर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पण्चात् सिम्नलिखित नियम प्रन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथति .--

"5क. स्थानात्तरण की शक्ति: -- जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मुद्रण निवेशक का समाधान हो गया है वहां वह, आवेश हारा, किसी कर्मचारी को उक्त मुद्रणालय से अपने नियंत्रणाधीन किसी अन्य मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय को और अपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय के उक्त मुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर, या मुद्रणालयों के अधिणेष कर्मचारिवृत्व के पुन: परिनियोजन के लिए, निस्नलिक्षित मतौं के अधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अर्थात :--

- (i) जहां स्थानान्तरण का ब्रादेश लोक हित में किया गया हो यहां कर्मचारी के सेवाहितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मवारी के प्रनुशेध पर भ्रमुकम्पा के प्राधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को प्रपन् मृत एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए नहीं मिलेगा जहां यह स्थामान्तरित किया गया है: भ्रीर
- (iii) जहां किसी प्रतिश्कित व्यक्ति का पुनः परिभियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे घामेलिस किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नृया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ मं॰ 2,17/75-ए०1/5450/77-मूडण]

- G.S.R. 1517.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Santragachi (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
 - These rules may be called the Government of India Press, Santragachi, (Class III Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their pubpublication in the official Gazette.

- 2. In the Government of India Press, Santragachi (Class 191 Non-Gazetted, Non-Ministerial posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer.—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may, by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions, namely:—
 - where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected.
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सा० का० लि० 1518:— न्रान्ट्रपति, संबिधान के ब्रानुक्टेंट 309 के परन्तुक द्वार। प्रदत्त समितयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, (वर्ग 3 भीर वर्ग 4 धनीस्रोणिक पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए निस्तिलिखन नियम बनाते हैं, ग्रथीन :---

- 1. (1) इन नियमो का नाम भारत सरकार मुद्रागातय, भिन्टो रोड, नई दिल्ली (वर्ष 3 और वर्ष 4 अनौद्योगिक पद) पत्री (सणोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुहणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली, (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 श्रमीसोगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में नियम 6 के पश्चात् निम्मिलिल नियम श्रन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथत्.--

"6क. स्थानान्तरण की शक्ति:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबड़ किया जाएगा, सुद्रण निवेशक का समाधान हो गया हो वहां वह, आवेश डारा, किसी कर्मचारी को उकत सुद्रणालय से धपन नियत्नणाधीन किसी अन्य सूद्रणालय को और अपने नियत्नणाधीन किसी शृद्रणालय को और अपने नियत्नणाधीन किसी शृद्रणालय से उकत सुद्रणालय को, लोक हित में या ऐसे वर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आधार पर, या सुद्रणालयों के प्रधिणेष कर्मचारिवृत्व के पुन परिनियोजन के लिए निस्निलिखन शर्मी के अधीन रहने हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, अथित :—

- (i) अहा स्थानाल्यरण का अविश लोक हित में किया गया हो बहा कर्मचारी के सैथा-हिता पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
- (ii) अहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मधारी के अनुरोध पर अनुकम्पा के आधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मन्त एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक मे उथेल्टना के प्रयोजन के निए नहीं मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है: और
- (iii) जहां किसी मिनिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो बहां जिस एकक में उसे प्रासेनित किया गया है उसमें ज्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ मं॰ 2/17/75-ए०1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1518.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974 namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Min.o Road, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6 the following rule shall be inserted, namely:—
 - "6A. Power to transfer: —Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may by order, transfer of an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सा० का० कि० 1519:--राष्ट्रवात, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक तारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार सृद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली (वर्ग 3 और वर्ग 4 औद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1971 में संगोधन करने के लिए निम्निविधित नियम बनाते है, अर्थान् ---

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली (वर्ष 3 श्रीर वर्ष 1 श्रीद्योगिक पद) भनी (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ को प्रयुक्त होंगे।
- अभारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली (बर्ग 3 घौर वर्ग 4 घौद्योगिक पद) अर्ती नियम, 1974 के नियम 6 के पण्चात् निम्नलिखित नियम अन्तरशायित किया जाएगा, अर्थात्:---

"का. स्थानास्तरण की समित — जहां ऐसे कारणों से, जिस्हें लेखबद्ध किया जाएगा, सद्भण निवेशक का समाधान हो गया हो यहा वह, भावेश द्वारा, किसी कमंचारी को उक्त सृद्धणानय से प्रपने नियन्नणाधीन किसी श्रव्य सुद्धणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय को और प्रपने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय के उक्त सुद्धणालय को, लोक हित में या ऐसे कर्मचारी के श्रनुरोध पर श्रनुकस्पा के श्राधार पर, या मुद्रणालयों के श्रधिशेष कर्मचारिवृन्य के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्नलिखन मानों के श्रधीन रहते हुए, स्थानास्तरित कर सकता है, श्रथित :—

 (i) जहा स्थानान्तरण का स्रावेण लोक हित में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हितों पर प्रतिकृत्व प्रभाव नहीं पढ़ना चाहिए;

- (ii) अहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के अनुरोध पर अनुकस्पा के आभार पर किया गया हो नहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मूल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नही मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया के: और
- (iii) जहां किसी प्राविष्यत व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे भामेलित किया गया है उससे ज्ये हता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति माना जाएगा।"

[फा० मं० 2/17/75-ए०1/5450/77-मुद्रण]

- G.S.R. 1519.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974 namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Min'o Road, New Delbi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 6 the following rule shall be inserted, namely:—
 - "6A. Power to transfer:—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is ubsorbed."

[File No. 2/17/75-AI/5450/77-Ptg.]

सरः कार निरु 1520 - राष्ट्रपति मंत्रिधान, के मनुक्छेद 309 के परस्तुक हारा प्रवत्त प्रक्षियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणा-स्वय फोटो लियो पक्ष (वर्ग 3 प्रीर वर्ग 4 पव) भर्ती नियम, 1974 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, प्रथान्:--

- (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मृद्रणालय, फीटो लिथों
 पक्ष (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) में राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत गरकार मृद्रणालय, फोटो लियो पक्ष (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 197 t में नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम ब्रन्तस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:---

"5फ. स्थानान्तरण की शक्तिः :--जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबड़ किया जाएगा, सुद्रण निदेशक का समाधान हो गया हो वहां, वह श्रादेश वारा किसी कर्मवारी को उक्त मुद्रणालय से प्रयने नियंत्रणाधीन किसी भन्य मुद्रणातय को भ्रोर भ्रयने नियंत्रणाधीन किसी मुद्रणालय से उक्त पुत्रणातय की, लोक हिन में या ऐसे कर्मवारों के श्रनुरोध पर श्रनुकम्पा के श्राधार पर, या मुद्रणालयों के श्राधिशेद कर्मचारिबृन्द के पुतः परिमियोजन के लिए, निम्नलिखित भर्ती के श्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, श्रथान :--

- (i) जहां स्थानान्तरण का प्रावेग लोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवा-हिनों पर प्रिक्त प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए;
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मकारी के प्रनुरोध पर अनुकस्पा के घाधार पर किया गया हो वहां सम्बद्ध व्यक्ति को अपने मृल एकक में की गई सेवा का लाभ, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए नही मिलेगा जहां वह स्थानान्तरित किया गया है, धीर
- (iii) जहा किसी प्रतिरिक्त व्यक्ति का पुनः परिनियोजन किया गया हो नहां जिस एकक में उसे शामेलिन किया गया है उसमें अ्येष्टता के प्रयोजनों के लिए उसे नया भर्ती किया गया व्यक्ति मोना आएगा।

[फा॰ सं॰ 2/17/75-ए॰1/5450/77-मूदण]

- G.S.R. 1520.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Photo Litho Wing (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Photo Litho Wing (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Photo Litho Wing (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1974, after rule 5 the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may by order, transfer of an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on own request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds, the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
 - (iii) where a surplus person is redeployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.]

सा० का० कि० 1521.—-राष्ट्रपति, सविशान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रथंन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मृहणालय, मिन्टों रोड, नई दिल्ली (वर्ग 3, अराजपत्तित, अलिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

- 1. (1) इस नियमों का नाम भारत सरकार बद्दणालय मिन्टी रोड, नई दिल्ली (वर्ग 3, प्रशाजपत्रित, श्रालिपिकवर्गीय पद) भर्ती (संणोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारत सरकार मुद्रणालया मिन्टी रोड नई दिल्ली (वर्ग 3, घराजपत्नित प्राणिपिकवरीय पद) भर्ती नियम, 1975 में नियम 5 के पण्चान् निम्नलिखित नियम ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा, ग्रथीत् :----

"5क स्थानात्मरण की प्रक्रित:—जहां ऐसे कारणों से, जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, मृद्रण निर्देशक का समाधान हो गया हो वहां यह, प्राप्टेण टारा, किसी कर्मचारी को उक्त मृद्रणालय से प्रपंत नियंत्रणाधीन किसी प्रस्य सृद्रणालय को प्रौर धपने नियंत्रणाधीन किसी मृद्रणालय को उक्त सृद्रणालय को लोक द्विल में या ऐसे कर्मचारी के प्रनुशोध पर प्रनुकस्पा के प्राधार पर, या मृद्रणालयों के प्रधिषेक कर्मचारिक के पुनः परिनियोजन के लिए, निस्नलिखित णतीं के प्रधीन रहते हुए, स्थानान्तरित कर सकता है, प्रथान —

- (i) जहां स्थानाः नरण का द्यावेश स्रोक हिन में किया गया हो वहां कर्मचारी के सेवाहिनों पर प्रिकृल प्रभाव नदी पडना चाहिए।
- (ii) जहां स्थानान्तरण सम्बद्ध कर्मचारी के प्रानुरोध पर अनुकस्पा के प्राक्षार पर किया गया हो बहां सभ्यद्ध त्यक्ति को प्रपने मल एकक में की गई सेवा का लाग, उस एकक में ज्येष्टता के प्रयोजन के लिए मिलेगा जहा वह स्थानाःनरिन किया गया है, और
- (iii) जहां किसी ब्रासिरियत स्थिक का पूनः परिनियोजन किया गया हो वहां जिस एकक में उसे ब्रामिनित किया गया है उसमें ज्येक्ता के प्योजनों के लिए उसे नया भर्टी किया गया प्यक्ति माना जाएगा।"

[फा॰ २० 2/17/75-१००1/5450/77-मृथ्या] क्रेजेस्क नाथ मुखर्जी, श्रवर सचिव

- G.S.R. 1521.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President bereby makes the following rules to amend the Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III and Class IV Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III Non Gazetted, Non Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.
- (2 They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III Non Gazetted, Non Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5A. Power to transfer:—Where the Director of Printing is satisfied for reasons to be recorded in writing, he may by order, transfer an employee from the above Press to any other Press under his control and vice versa in the public interest or on the request of such employee on compassionate grounds or for redeployment of surplus staff of the Presses, subject to the following conditions namely:—
 - (i) where the transfer is ordered in the public interest, the service interests of the employee concerned should not be adversely affected;
 - (ii) where the transfer is made on the request of the employee concerned on compassionate grounds,

- the individual concerned will not get the benefit of the service rendered by him in his own parent unit for the purposes of seniority in the unit to which he is transferred; and
- (iii) where a surplus person is re-deployed, he shall be treated as a fresh recruit for the purposes of seniority in the unit in which he is absorbed."

[File No. 2/17/75-A1/5450/77-Ptg.] B. N. MUKHERJEF, Under Secy.

रेल मंत्राह्म (रेलवे बोडं)

नई दिल्ली, 25 मक्तूबर, 1977

साक्तांवित 1522.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त मक्तियो का प्रयोग करते हुए, रेलवे बोर्ड मचिवालय सेवा नियम, 1969 में भीर मंशोधन करते के लिए निस्तिलिखन नियम बनाते हैं, भ्रषान् :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम रैलवे बोई मिचवालय मेवा (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) यें 1 जनवरी, 1975 को प्रवृत हुए समझे आएंगे।
 रेलवे बोर्ड गचियालय सेवा नियम, 1969 में,---
- (1) नियम 2 में, खण्ड (इ) के स्थान पर, सिम्नलिखिन खण्ड रखा जाएगा, प्रथान :---
 - "(इ) चयन श्रंणी भीर श्रेणी 1 या भनुभाग मधिकारी श्रेणी या महायक श्रेणी के संबंध में, "चयन सूची" से ऐसी चयन सूची मभिप्रेन है जो, यथास्थित, नियम 8 के उपनियम (5) के मधीन क्लाए गए विनियमों या भनुसूची में भन्निकट विनियमों के श्रधीन तैयार की गई हो;"
 - (2) नियम 3 में,---
- (क) उप-नियम (1) के स्थान पर निम्निलिखन उप-नियम रखा जाएगा, श्रयति :---

"सेवा में चार श्रेणियां होंगी जो निम्न प्रकार में वर्गीकृत होंगी; प्रयोत :---

श्रेणी

धारित किए जाए।

वर्गीकरण

- (1) चयन श्रेणी (उप मचिव/मय्कृत रेलवे बोर्ड सिचिवालय सेवा, वर्ग [निर्देणक): मंस्कृत निर्देणक/उप सिचव, रेलवे बोर्ड की श्रेणी के वे पर जो रेलवे बोर्ड मचिवालय सेवा के प्रधि-कारियो द्वारा समय-समय पर
- (2) श्रेणी 1 (अबर सचिव/उप निर्देशक). रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, वर्ग I उपनिदेशक/धवर सिषक, रेलवे बोर्ड के वे पद जो रेलवे बोर्ड मिचवालय सेवा के अधिकारियों इत्तरा धारित किए जाएं।
- (3) मनुभाग मधिकारी श्रेणी . रेलवे बोर्ड मिचवालय सेवा वर्ग-2 सिपिकवर्गीय।
- (4) महायक श्रेणी . रेखवे बोर्ड सिवालय सेवा वर्ग 3 लिपिकवर्गीय''

- (ख) उपनिषम (з) में, कद ''डासिदेशकों की धेर्णा' पा लोप किया आपमा:
- (3) नियम 4 मे, उपनियम (+) के स्थान पर निस्तालिखिन उप-नियम रखा जाएगा, श्रर्थान् .--
 - "(।) सेवा र्का थिनिज श्रीणयो के प्राधिकृत स्थायी सदस्यों की संख्या निम्न प्रकार होगी, ग्रयांत् :---

चयन श्रेणी : → -जयसचिव/सयुक्त निदेशक 11 श्रेणी 1 : → -अवर सचिव/उपनिदेशक 15

अनुभाग अधिहारी श्रेणी 91 महायक श्रेणी 313"

(4) नियम 8 गेंटन **र**

- (कं) पार्क्व र्मार्य में, शब्द ''उपिनदेशक श्रेणी'' का ≔ीप किया जाएगा ।
- (ख) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखिन उप-नियम रखा जाएगा, प्रथान :---
- "(1) जयन श्रेणी में रिक्त स्थान श्रेणी 1 के स्थायी श्रीध-कारियों को जिन्होंने उस श्रेणी में कम ने कम 5 वर्ष की श्रन्मीदित सेवा कर ली हो श्रीर जो उप-नियम (5) के श्रीधीन तैयार की गई जयन श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित है, श्रोधित द्वारा भरे जाएंगे:

परन्तु बाद की जयन सूर्जा में सम्मिलित कोई भी व्यक्ति तब तक श्रेणी में नियुक्त किए जाने का पात्र नहीं होगा, जब तक पूर्ववर्ती चयन सुत्री में सम्मिलित सभी ग्रधिकारी नियुक्त नहीं हो जाने:

परन्तु यह घौर कि यांव श्रेणी-। में नियुक्त किसी व्यक्ति पर इस उपित्रयम के प्रधीन चयन श्रेणी में प्रोन्नित के लिए विचार किया जाता है तो उस श्रेणी में उससे ज्येष्ट सभी व्यक्तियों पर भी इस बात के होते हुए भी विचार किया जाएगा कि उन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष की धनु-मोदित मेना नहीं की है।"

- (ग) उप-नियम (2) का लोप किया जाएगा।
- (घ) उप-नियम (।) में णब्द "उपनिदेशकों की श्रेणी" का लोप किया जाएगा ;
- (इ.) उप-नियम (5) के स्थान पर निस्तिलिखन उप-नियम रखा जाएगा, ग्रंथीन :--
 - "(5) उप-नियम (1) और (3) के प्रयोजनों के लिए, षयन श्लेणी और श्लेणी-1 के लिए चयन सूचियां तैयार की जाएंगी और समय-समय पर उनका पुनरीक्षण किया जायेगा। चयन सूचियों को तैयार करने और उनका पुनरीक्षण करने की प्रक्रिया ऐसी होगी जो रेल मंत्रालय, केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए विनियमों द्वारा विहित हो.

परन्तु श्रेणी-1 के लिए खयन सूची तैयार करने श्रीर उनका पुनरीक्षण करने की प्रक्रिया में समधित विनियम श्रायीग के परामर्ण से बनाए आएंगे श्रीर ऐसी घयन सूची भी उनके परामर्ण से तैयार की जाएगी"।

- (च) उप-नियम (६) का लोप किया जाएगा और इस प्रकार लोप किए गए उपनियम (६) के पश्चात्, निस्तलिखित उप-नियम अन्त-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् .---
 - "(7) उप-नियम (1) भौर (3) में श्रन्तिबिष्ट किसी बात के होते हुए भी, उप-नियम (1) के घंधीन ऋपन श्रेणी में या उप-नियम

(3) के अधान श्रेणी 1 में प्राप्तित के लिए विचार किये जाने के पात्र किसी व्यक्ति को, यथ।स्थिति, स्थम श्रेणी या श्रेणी-1 में तीन माम की प्रनिधक की प्रविध के लिए स्थानापन्न पद पर नियुक्त किया जा सकता है यदि सुमगत श्रेणी के लिए स्थान सूची में मम्मिलित कोई प्रधिकारी ऐसी रिश्ति में नियुक्त किए जाने के लिए किसी कारण से उपलब्ध नहीं है या उस रिक्ति में नियुक्त नहीं किया आ सकता:

परन्तु यह कि पूर्वोक्त तीन माम की भ्रवधि भ्रमाधारण मामलों में, लोकहिन में बढ़ाकर छह माम नक की जा सकती है।"

- (5) नियम 14 में, उप नियम (3) में, खण्ट 1 में, "उपनिदेणक की श्रेणी" णब्दी का लोप किया जाएगा;
 - (6) नियम 15 में,
- (क) खण्ड (1) के स्थान पर निस्निलिश्वन खण्ड रस्ता जाएगा प्रथित् ---
 - "(1) चयन श्रेणी : 1500-60-1800-100-2000 ६०" (उप मचिव/संयक्त निदेणक)
- (ख) खण्ड "(ii) क" ग्रीर "(ii) ख" के स्थान पर निम्नलिखिन खण्ड रखा जाएगा, श्रश्नां :---
 - "(ii) श्रेणी 1 : 1200-50-1600 रु०" (भ्रवर मचिव/उपनिदेशक)

व्यास्यात्मक क्षापन

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा की श्रेणी 1 के कर्मजारियों के वेतम-मानों के संबंध में तीसरे वेतम ग्रायोग की सिफारियों को कियान्वित करने तथा वेतन ग्रायोग की सिफारिश पर उप निवेशको के पूर्ववर्ती ग्रेड को समाप्त करने के लिए रेल मंत्रालय (रेलवे वोर्ड) द्वारा जारी रेल सेवा (संगोधित वेतन) नियम, 1973 के अनुसरण में रेलवे बोर्ड सचिवालय मेवा (संगोधन) नियम, 1977 को 1 जनवरी, 1973 से पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ लागू किया जा रहा है। तदनुसार, नियमों को 1 जनवरी, 1973 से पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ लागू किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा (संगोधन) नियम, 1977 को पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ लागू करने से किसी के हितो पर कोई प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मिं० ई०श्रार**्मी ०-**1/76/16/4]

MINISTRY OF RAILWAYS (Railway Board)

New Delhi, the 25th October, 1977

G.S.R.1522.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Railway Board Secretariat Service (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1973.
- 2. In the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969,-
 - (i) in rule 2, for clause (m), the following clause shall be substituted, namely :—
 - "(m) "Select List" in relation to the Selection Grade and Grade I or the Section Officers' Grade or the Assistants' Grade means the Select List prepared

in accordance with the regulations made under sub-rule (5) of rule 3 or, under the regulations contained in the Schedule, as the case may be;"

- (ii) in rule 3,-
 - (a) for rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(1) There shall be four grades in the Service, classified as follows, namely:—

Grade

Classification

(i) Selection Grade (Deputy Secretary/ Joint Director): Such posts in the grade of Joint Director/Deputy Secretary, Railway Board, as may from time to time be held by officers of the Railway Board Secretariat Service. Railway Board Secretariat Service Class I.

(ii) Grade-I (Under Secretary/Deputy Director): Such posts of Deputy Director/Under Secretary, Railway Board, as may from time to time be held by officers of the Railway Board Secretariat Service.

Railway Board Secretariat Service Class I.

(iii) Section Officers' Grade

Railway Board Secretariat Service Class II Ministerial.

(iv) Assistants' Grade

Railway Board Secretariat Service Class III Ministerial.

: 11

- (b) in sub-rule (3), the words "Deputy Directors' Grade," shall be omitted;
- (iii) in rule 4, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(1) The authorised permanent strength of the various grades of the Service shall be as follows, namely:—

Selection Grade :—Deputy Secretary/Joint Director

Grade I :—Under Secretary/Deputy Director : 15

Section Officers' Grade : 91 Assistants' Grade : 393"

- (iv) in rule 8,—
 - (a) in the marginal heading, the words Directors' Grade," shall be omitted;
 - (b) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(1) Vacancies in the Sclection Grade shall be filled by promotion of permanent officers of Grade I who have rendered not less than 5 years' approved service in that grade and are included in the Sclect List for the Selection Grade prepared under subrule (5):
 - Provided that no person included in a later Select List shall be eligible to be appointed to the Grade until all officers included in an earlier Select List have been appointed:
- Provided further that if any person appointed to Grade-I is considered for promotion to the Selection Grade under this sub-rule, all persons senior to him in that Grade shall also be so 99 GI/77—9.

considered notwithstanding that they may not have rendered 5 years' approved service in that Grade.";

- (c) sub-rule (2) shall be omitted;
- (d) in sub-rule (4), the words "Deputy Directors' Grade" shall be omitted;
- (e) for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely:
- "(5) For the purposes of sub-rules (1) and (3), Select Lists for the Selection Grade and Grade-I shall be prepared and may be revised from time to time. The procedure for preparing and revising the Select Lists shall be such as may be prescribed by regulations made by the Central Government in the Ministry of Railways;

Provided that the regulations relating to the procedure for preparing and revising the Select List for Grade-I shall be made in consultation with the Commission and such Select List shall also be prepared in consultation with them.";

- (f) sub-rule (6) shall be omitted, and after sub-rule (6) as so omitted, the following sub-rule shall be inserted, namely:
- "(7) Notwithstanding anything contained in subrules (1) and (3), any person eligible to be
 considered for promotion to the Selection
 Grade under sub-rule (1) or to Grade-I under
 sub-rule (3), may be appointed to officiate in a
 temporary vacancy for a period not exceeding
 three months in the Selection Grade or Grade-I,
 as the case may be, if an officer included in the
 Select List for the relevant Grade is not available
 or cannot, for any reason, be appointed to such
 vacancy:

Provided that the aforesaid period of three months may, in exceptional cases, be extended to six months in public interest.";

- (v) in rule 14, in sub-rule (3), in clause I, the words "Deputy Directors' Grade" shall be omitted;
- (vl) in rule 15,-
 - (a) for clause (i), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(i) Selection Grade: Rs. 1500-60-1800-100-2000";

(Deputy Secretary/Joint Director).

- (b) for clauses "(ii)a" and "(ii)b, the following clauses shall be substituted, namely :—
 - "(ii) Grade-I:

Rs. 1200-50-1600".

(Under Secretary/Deputy Director).

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Railway Board Sccretariat Service (Amendment) Rules, 1977, are being given retrospective effect from the 1st day of January, 1973, in pursuance of the Railway Services (Revised Pay) Rules, 1973, issued by the Ministry of Railway (Railway Board) to implement the recommendations made by the Third Pay Commission with respect to the pay scales of Class I employees of the Railway Board Secretariat Service and the abolition of the erstwhile grade of Deputy Directors as recommended by the Pay Commission. Accordingly, the rules are being given retrospective effect from the 1st day of January, 1973. The interests of no one would be prejudicially affected by the reason of the retrospective effect being given to the Railway Board Secretariat Service (Amendment) Rules, 1977.

[No. ERB-I/76/16/4]

सा॰का॰ित॰ 1523 केन्द्रीय सरकार, रेल गंतालय, रेलवे बोर्ड मिषवालय सेवा नियम, 1969 के नियम 8 के उपनियम (5) के अनुसरण में निम्नलिखित विनियम बनाने हैं, अथित् :---

- सिक्षिप्त नाम ग्रीर प्रारंभ :---(1) इन विनियमों का सिक्षप्त नाम रेलवे बोर्ड सिवबालय सेवा (चयन श्रेणी में प्रोन्नित) विनियम, 1977 है।
 - (2) ये विनियम राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2. परिभाषाएं:---(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से भन्यया अपेक्षित न हो---
 - (क) 'पाल ग्रधिकारी' से ऐसा ग्रधिकारी ग्रभिनेत है जो रेलवे बोर्ड सिवालय सेवा नियम, 1969 के, जैसे कि वे उस कलेण्डर वर्ष की पहली जुलाई की, जिसमें चयन सूची तैयार की जाती है, रहे हीं, नियम 8 के उपनियम (1) के ग्रधीन सेवा की चयन श्रेणी में नियुक्ति के लिए विचार किए जाने का पाल है;
 - (ख) 'जयन क्षेत्र' से पात्र अधिकारियों की बह सूची अभिप्रेत है जिसमें से 'चयन सूची' में सम्मिलित किए जाने के लिए उनका चयन किया जाए;
 - (ग) 'सरकार' से रेख मंत्रालय, भारत सरकार ग्राभिप्रेत है;
 - (घ) 'नियम' से रेल बोर्ड निचनालय सेवा नियम, 1969 प्रभिन्नेत हैं;
 - (ङ) 'चयन समिति' से विनियम 4 के प्रनुसार गठित समिति प्रभिन्नेत है;
 - (च) 'भयन सूची' से ऐसे पाल ग्रधिकारियों की सूची ग्रधिप्रेत हैं जो अपन श्रेणी में नियुक्त किए जाने के पाल समझे गए हैं, ग्रीर जो सूची जिनियम 5 के धनुसार तैयार की गई हो।
- (2) इत्र विनियमों में प्रयुक्त सभी धन्य शब्दों और पदों के, जो यहां परिभाषित नहीं है, वहीं धर्ष होंगे जो रेलचे बोर्ड सचिवालय सेवा नियम, 1969 में उन्हें कमशः विग् गए हैं।
- 3. चयन सूची की सबस्य संख्या और चयन-क्षेत्र :---(1) चयन श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित किए जाने वाले ग्रिधकारियों की सबस्य संख्या सरकार द्वारा समय-समय पर ग्रवधारित की जाएगी।
- (2) चयन क्षेत्र, चयन सूची में मन्मिलित किए जाने वाले ग्रिध-कारियों की संख्या के सामान्यतः पांच गुने तक सीमित रहेगा, परन्तु यदि अपेक्षित मानक के प्रधिकारियों की अपेक्षित संख्या इस प्रकार भवधारित क्षेत्र में उपलब्ध नहीं हैं तो चयन-क्षेत्र का विस्लार, खयन ममिति द्वारा आवश्यक समझी जाने वाली मीमा तक किया जा सकता है।
- 4. चयन समिति का गठन:--(1) घयन समिति में रेलवे बोर्ड का ग्राध्यक्ष, रेलवे का जित्त आयुक्त और रेलवे बोर्ड के अन्य भदस्य होंगे।
- (2) चयन समिति की बैठकों की रेलवे बोर्ड का प्रध्यक्ष, प्रध्यक्षता करेगा।
- 5. चयन सूची का नैयार करना:—(1) यदि चयम श्रेणी के लिए चयन सूची में पहले से सम्मिलित मिश्रकारियों की संख्या किसी वर्ष की पहली जुलाई को विनियम 3 के उप-विनियम (1) के म्रिधीन नियम की गई सदस्य संख्या में कम है तो उस श्रेणी के लिए एक नयी चयन सूची उस प्रत्येक वर्ष में कम से कम एक बार तैयार की जाएगी।
- (2) चयन सिर्मात, ज्योष्ठतम पान्न श्रेणी-1 के श्रक्षिक्षारियों के ज्येष्ठता कम में जनकी ग्रेपेक्षिन संख्या को लेकर चयन क्षेत्र का श्रवधारण करेगी।

(3) चयन समिति, चयन क्षेत्र में सम्मिलित ऐसे प्रधिकारियों का, जो चयम श्रेणी में नियुक्ति के योग्य समझे गए हैं वर्गीकरण गुणागुण के प्राधार पर 'उत्कृष्ट', 'बहुत प्रकृष्टा', प्रौर 'अज्छा' के रूप में करेगी।

िटप्पण---अनुसूचिन जानि घौर ग्रनुस्चित जनजानि के ग्रधिकारियों के मामलो पर विचार करने समय, चयन समिति ऐसे ग्रमुदेशों से मार्ग दर्शन प्राप्त करेगी जो समय-समय पर गृह संत्रालय के कार्मिक विभाग द्वारा जारी किए जाएं।

- (4) सरकार के ब्रादेशों के ब्रधीन रहते हुए, वर्गीकरण की बाबत जयन समिति की भिफारिण स्वीकार की जाएंगी।
- (5) जयन सूची, ऐसे प्रधिकारियों के नामों की पहले उनमें से जिनका 'उस्कृष्ट' के रूप में, उसके परचात् उनमें से जिनका उसी प्रकार 'बहुत प्रच्छा' के रूप में प्रौर नत्परचात् उनमें से जिनका उसी प्रकार 'अच्छा' के रूप में वर्गीकरण किया गया है, प्रपेक्षित संख्या में मिम्मिलित करके हैयार की जाएगी। प्रस्थेक प्रवर्ग में परस्पर नामों का कम श्रेणी 1 में ज्येष्ठता के प्रनुसार होगा। इस प्रकार की गई चयन सूची सरकार हारा जारी की जाएगी।
- 6. चयन सूची से नामों का हटाया जाना:——(1) इस विनियम के खण्ड (3) के प्रधीन किए गए प्रपत्नादों के प्रधीन रहने हुए, चयन सूची में सम्मिलित अधिकारी उसमें तब तक सम्मिलित बना रहेगा जब तक वह चयन श्रेणी में प्रधिष्टायी रूप से नियुक्त नहीं हो जाता है।
- (2) चयन सूची में सम्मिलित ऐसे अधिकारी जो चयन श्रेणी में नियुक्त नहीं किये जा सकते था जिनको रिक्त स्थानों की कभी के कारण बहां से प्रवर्तित कर दिया गया है, घयन सूची में सम्मिलित बसे रहेंगे श्रीर मूची में समन्दिष्ट उनकी ज्येष्ठन। बनी रहेगी।
- (3) निम्निणिखत प्रवर्गों के व्यक्तियों के नाम चयन-सूची में से हटा दिये जाएंगे, भ्रषात् :---
 - (क) चयन श्रेणी में मिधिष्ठायी रूप मे नियुक्त व्यक्ति;
 - (ख) किसी अन्य सेवा या पद पर स्थानान्तरित व्यक्ति;
 - (ग) ऐसे व्यक्ति जिनकी मृत्यु हो जाती है या जो सेवा से निवृक्ष हो जाते हैं या जिनकी सेवाएं फ्रन्यथा समाप्त हो जाती हैं;
 ग्रीर
 - (घ) (1) ऐसे व्यक्ति, जो नियमों के नियम II में विनिर्विष्ट विचारण-प्रविध के पश्चात् चयन श्रेणी में स्थानापक्ष रूप में काम कर रहे हैं, धौर जिनको रेलवे सेवक (धनुशासन धौर प्रपील) नियम, 1968 के धधीन विभागीय जांच या कार्य-वाहियों के परिणाम स्वक्ष्य वहां से परिवर्तित कर दिया गया है; ध्रयवा
 - (2) ऐसे व्यक्ति, जिनको नियमों के नियम II में विहित अयन श्रेणी में विचारण अविधि के दौरान या अन्त में वहां से, नियमों के नियम 13 के उपनियम (4) के प्रधीन, श्रेणी में बने रहने की श्रयोग्यता के श्राधार पर परिवर्तित कर दिया गया है; श्रथवा
 - (3) ऐसे व्यक्ति, जिनको चयन श्रेणी में परीक्षण पर झशी प्रोधन नहीं किया गया है, ग्रीर जिनको, चयन सूची के सार्षिक पुनिक्षिलोकन के पश्चीत्, सूची में उन्हें सम्मिलन किए जाने के समय से उनके श्रीक्षेत्रक में या श्राचरण में या बोनों में ह्यास श्रा जाने के कारण, श्रपेक्षित मानक से गिरा हुआ पाया गया है।

- G.S.R. 1523,—In pursuance of sub-rule (5) of rule 8 of the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969, the Central Government in the Ministry of Railways hereby makes the following regulations, namely:
- 1. Short title and commencement:—(1) These regulations may be called the Railway Board Secretariat Service (Promotion to Selection Grade) Regulations, 1977.
 - (2) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions:—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—
 - (a) 'eligible officer' means an officer eligible to be considered for appointment to the Selection Grade of the Service, under sub-rule (1) of rule 8 of the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969, as on the 1st July of the calendar year in which the Select List is prepared;
 - (b) 'field of selection means the list of eligible officers from which a selection shall be made for inclusion in the Select List;
 - (c) 'Government' means the Government of India in the Ministry of Railways;
 - (d) 'rules' means the Railway Board Secretariat, Service Rules, 1969;
 - (e) 'Selection Committee' means the Committee constituted in accordance with regulation 4;
 - (f) 'Select List' means the list of eligible officers considered fit for appointment to the Selection Grade and prepared in accordance with regulation 5.
- (2) All other words and expressions used in these regulations and not defined herein shall have the meanings respectively assigned to them in the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969.
- 3. Strength of Sclect List and field of selection:—(1) The strength of officers to be included in the Select List for the Selection Grade shall be as determined from time to time by the Government.
 - (2) The field of selection shall ordinarily extend to five times the number of officers to be included in the Select List, provided that if the required number of officers of the requisite standard are not available in the field so determined, the field may be enlarged to the extent considered necessary by the Selection Committee.
- 4. Constitution of the Selection Committee:—(1) The Selection Committee shall consist of the Chairman, Railway Board, Financial Commissioner, Railways, and the other Members of the Railway Board.
 - (2) The Chairman, Railway Board, shall preside at the meetings of the Selection Committee.
- 5. Preparation of the Select List :—(1) A fresh Select List for the Selection Grade shall be prepared at least once every year if on the 1st July of the year the number of officers already included in the Select List for the Grade is below the strength fixed under sub-regulation (1) of regulation 3.
 - (2) The field of selection shall be determined by the Selection Committee by taking the required number of senior most eligible Grade I officers in the order of their seniority.
 - (3) The Selection Committee shall classify such of the officers included in the field of selection as are considered fit for appointment to the Selection Grade as 'Outstanding', 'Very Good' and 'Good' on the basis of merit.
 - Note: —While considering the cases of officers belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, the Selection Committee shall be guided by such instructions as may be issued by the Department of Personnel in the Ministry of Home Affairs from time to time.

- (4) Subject to the orders of Government, the recommendations of the Selection Committee as regards classification shall be accepted.
- (5) The Select List shall be prepared by including the required number of names first from amongst the officers finally classified as 'Outstanding', then from amongst those similarly classified as 'Very Good', and thereafter from amongst those similarly classified as 'Good'. The order of names inter-se within each category shall be according to seniority in Grade I. The Select List so prepared shall be issued by the Government.
- 6. Removal of names from the Select List:—(1) Subject to the exceptions made under clause (3) of this regulation, an officer included in the Select List shall continue to be included therein till he is substantively appointed to the Selection Grade.
- (2) Officers included in the Select List who cannot be appointed to the Selection Grade, or who are reverted therefrom for want of vacancies, shall continue to be included in the Select List and retain the seniority assigned to them in the List.
- (3) The names of persons of the following categories shall be removed from the Select List, namely:—
 - (a) persons substantively appointed to the Selection Grade;
 - (b) persons transferred to another service or post;
 - (c) persons who die or retire from Service or whose services are otherwise terminated; and
 - (d) (i) persons officiating in the Selection Grade beyond the period of trial specified in rule 11 of the rules, who are reverted therefrom as a result of a departmental enquiry or proceedings under the Railway Servants (Discipline and Appeal) Rules, 1968; or
 - (ii) persons who either during or at the end of the period of trial in the Selection Grade, prescribed in rule 11 of the rules, are reverted therefrom, under sub-rule (4) of rule 13 of the rules, on the ground of unfitness to continue in the Grade; or
 - (iii) persons not yet promoted on trial to the Selection Grade, who, on an annual review of the Select List, are found, because of deterioration in their record or conduct or both since inclusion in the list, to have fallen below the required standard.

[No. ERB-I/76/16/4]

सार कार निर्ध 1524 — राष्ट्रपति, मंविधान के प्रमुख्छेव 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा नियम, 1969 में भौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, भवित् :—

- (1) इन नियमों सा संक्षिप्त नाम रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा (डितीय संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये प्रथम मप्रैल, 1976 को प्रवृक्त हुए समझे जाएंगे।
- 2. रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा नियम, 1969 में नियम 3 में, "वर्ग-1", "वर्ग 2" धौर "वर्ग 3" शब्द और धंकों के स्थान पर, जहां कही वे भाएं हैं, 'समूह क', 'समूह 'ख', धौर 'समृह ग' शब्द और धंक कमशः रखे जाएंगे।

[मं • ई • म्रार • बी •-1/76/18/4]

व्याख्यात्मक शापन

रेलों पर राजपितत तथा घराजपितत पवों को 1 घप्रैल, 1976 से निम्निलिखित वर्ग को को 'ख' तथा वर्ग 'ग' के पवों के रूप में पुनर्वगीकृत करने के लिए तीसरे वेतन आयोग की रिपोर्ट के अध्याय 65 पैरा 7की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये निर्णय के प्रनुसरण में रेखवे बोर्ड सचिवालय सेवा (दितीय संशोधन) नियम, 1977 को 1 प्रप्रैल, 1976 से पूर्व व्यापी प्रभाव के साथ लागू किया जा रहा है:---

| वर्तमान वर्गीकरण | | | | संगोधित वर्गीकरण |
|------------------|---|---|---|------------------|
| श्रेणी 1 | • | , | | . वर्गक |
| श्रेणी 2 | | | | . वर्गेख |
| श्रेणी 3 | | • | • | . वर्गग |

2. रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा (द्वितीय संगोधन) नियम, 1977 को 1 अप्रैल, 1976 से पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ लागू करने के निर्णय के फलस्वरूप किसी के हितों पर कोई प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

> [सं० ६० जार० बी०-I/76/16/4] बी० मोहन्ती, सचिव एवं पवेन संयुक्त सचिव

- G.S.R. 1524.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969, namely:—
- 1. (1) These Rules may be called the Railway Board Secretariat Service (Second Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1976.
- 2. In the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969, in rule 3, for the words and figures "Class I", "Class II" and "Class III", wherever they occur, the words and letters "Group A", "Group B" and "Group C" shall respectively be substituted.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Railway Board Secretariat Service (Second Amendment) Rules, 1977, are being given retrospective effect from the 1st day of April, 1976, in pursuance of the decision taken by the Government on the recommendations of the Third Pay Commission as contained in paragraph 7, Chapter 65 of their report, to reclassify, with effect from the 1st day of April, 1976, the gazetted and non-gazetted posts on the Railways as Group A, Group B and Group C posts as indicated below:

| Existing Classification | Revised Classification |
|-------------------------|------------------------|
| Class I | Group A |
| Class II | Group B |
| Class III | Group C |

2. The interests of no one would be prejudicially affected by reason of the decision to give retrospective effect from 1st day of April, 1976, to the Railway Board Secretariat Service (Second Amendment) Rules, 1977.

[No. ERB-I/76/16/4] B. MOHANTY, Secy. & ex-officio Jt. Secy.

विस संत्रालय

(राजस्य विभाग)

नई विस्ली, 5 नवम्बर, 1977

केम्ब्रीय उत्पाद शुस्क

सा० का० कि० 1525. केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय सीमा-गुल्क नियम, 1944 के नियम 174क द्वारा प्रदल णक्तियों का प्रयो ग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना धाषश्यक धौर समीचीन है, प्रत्येक ऐसे विनिर्माता को, की धपने माल का विनिर्माण धपने लेखें किसी मन्य व्यक्ति से कराता है, उक्त नियमों के नियम 174 के प्रवर्तन से इस गर्त के प्रधीन छूट देनी है कि उक्त विनिर्माता उस व्यक्ति को, जो वस्तुत: माल का विनिर्माण करता है या उसे तैयार करता है उक्त विनिर्माता की घोर से, विनिर्मित माल की बाबत केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की और तब्धीन बनाए गए नियमों के प्रधीन प्रक्रिया संबंधी सभी ऐसी औषचारिकताओं का पालन करने के लिए, जिससे उक्त प्रधिनियम की धारा 4 के प्रधीन उक्त माल का मूल्य निर्धारण किया जा सके, उस मूल्य से संबंधित जानकारी देने के लिए जिस पर उक्त विनिर्माता उक्त माल को बेच रहा है, प्राधिकृत कर भीर इस प्रकार प्राधिकृत व्यक्ति उक्त धाविनयम श्रीर तद्धीन बनाए गए नियमों के धादीन सभी वायिरवों का निवेहन करने के लिए सहमत हो।

[मघिसूचना सं० 305/77 कें ० उ० शु०, फा० सं० 213/51/78-कें ० उ० शु०-6]

के० बी० ट्याल, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

New Delhi, the 5th November, 1977 CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1525.—In exercise of the powers conferred by rule 174A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts from the operation of rule 174 of the said rules every manufacturer who gets is goods manufactured on his account from any other person, subject to the condition that the said manufacturer authorises the person who actually manufactures or fabricates the said goods to comply with all procedural formalities, under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder, in respect of the goods manufactured on behalf of the said manufacturer and, in order to enable the determination of value of the said goods under section 4 of the said Act, to furnish information relating to the price at which the said manufacturer is selling the said goods and the person so authorised agrees to discharge all liabilities under the said Act and the rules made thereunder.

[NOTIFICATION No. 305/77-C. E. F. No. 213/51/76-CX.6]

K. D. TAYAL, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद गुरुक

सा० का० नि० 1526.—केन्टीय सरकार, ग्रतिरिक्त उत्पाद शुरूक (विजेष महत्व के माल) श्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 58) को शिरा 3 की उपधारा (3) के साथ पटित केन्द्रीय उत्पाद शुरूक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के किस मंद्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की श्रिष्टिम्बना सं० 199/71 केन्द्रीय उत्पाद गुरूक, तारीख 11 विसम्बर, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रथींस् :—

जनत श्रधिसूचना के परिणिष्ट 1 में कम सं० 30 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के पण्चान् निम्नलिकित कम संख्या और प्रविष्टियां ग्रंग:स्थापिन की जाएंगी, प्रथात्:—-

| (1) | (2) | (3) |
|-----|-----|----------------------------|
| "31 | 23 | सीमेन्ट, सभी प्रकार के ।'' |

[ब्रिधिसूचना सं०309/77 कैं। उ० फा॰ सं० 71/31/76 सी ०एक्स० 2]

ए० एस० सिज्ञू, भवर सचित्र

New Delhi, the 5th November, 1977 CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1526.—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section 3 of Section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 199/71-Central Excises, dated the 11th December, 1971, namely:—

In Appendix I to the said notification, after Serial number 30 and the entries relating thereto, the following Serial number and entries shall be inserted namely:—

| (1) | (2) | (3) |
|-----|-----|-------------------------|
| "31 | 23 | Cement, all varieties". |

[Notification No. 309/77-CE F. No. 71/31/76-CX,2] A. S. SIDHU, Under Secy.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोडं)

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1977

सा० का० ति० 1527.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्ठिय 309 के रन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रेल कोई सिववालय लिपिकीय सेवा नियम, 1970 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थाल्:--

- (1) इन नियमो का नाम रेल बोर्ड राचिवालय लिपिकीय सेवा (संबोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. रेल बांड सचिवालय लिपिकीय सेवा नियम, 1970 (जिसे इसमें इसके पण्चात उपन नियम कहा गया है) के नियम (2) में,—
 - (क) खण्ड (হাজা) का लोप किया जाएगा;
- (स्त्र) खण्ड (च) के पण्चात् निम्नलिखित खण्ड श्रन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात्:---
 - "(चर्च) 'भ्रायोग', से गृह मंत्रालय में कार्मिक विभाग के श्रधीन श्रधीनस्थ सेवा श्रायोग श्रभिप्रेत हैं।"
- उक्त नियम में 'सस्थान' शब्द के स्थान पर जहां कही भी यह शाया है, 'आयोग' गब्द रखा जाएगा।
- जुक्त नियमों की अनुमूची में, विनियम 2 के उप विनियम (1)
 स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम रखा जाएगा, अर्थातः
 - "(1) इस विनियम के उप विनियम (2) के उपबन्धों के श्रधीन रहते हुए, विनियम 1 के श्रधीन चयन सूची बनाने के पश्चान उसमें उतनी संख्या में जो रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) विद्यमान ग्रौर होने वाली रिक्तियों को ध्यान में रखते हुए, समय-समय पर विनिय्चत करे श्रौर निम्नलिखित में ने 3:1 के अनुपात में वृद्धि की जाएगी—
- (क) निम्न श्रेणी ग्रेड के ऐसे अधिकारी, जिन्होंने श्रपनी श्रेणी में भाठ वर्ष से कम अनुमीदित सेवा न की हो भ्रीर जो उस श्रेणी में ज्येष्टता की रैंज में भाते हैं श्रयोग्य व्यक्ति का श्रस्तीकृत किया जा सकता है; भीर

(का) निम्न श्रेणी के ऐसे प्रधिकारी जिन्हें समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए धायोग द्वारा ली जाने वाली सीमित विभागीय प्रति-योगिता परीक्षा के परिणाम पर योग्यता ऋम के प्राधार पर चुना गया है,"

ऊपर निर्विष्ट दो प्रवर्गों के ध्यक्तियों में से बारी-बारी प्रवर्ग (क) में से तीन व्यक्तियों ग्रीर प्रवर्ग (ख) में से एक व्यक्ति लेकर, ग्रीर ग्रागे इसी कम से, चयम श्रेणी में रखे आएंगे।

[सं० ई० 76 मो०जी० 1/मार०बी० 3(मार०बी०डी०)]

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 13th September, 1977

- G.S.R. 1527.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules, 1970, namely:—
 - (1) These rules may be called the Railway Board Secretariat Clerical Service (Amendment) Rules, 1977.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules, 1970 (hereinafter referred to as the said rules), in rule: (2),—
 - (a) clause (jj) shall be omitted;
 - (b) after clause (f), the following clause shall be inserted, namely:---
 - "(ff) "Commission" means the Subordinate Services
 Commission under the Department of Personnel in
 the Ministry of Home Affairs."
- 3. In the said rules, for the word "Institute" wherever it occurs, the word "Commission" shall be substituted.
- 4. In the Schedule to the said rules, for sub-regulation (1) of regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—
 - "(1) Subject to the provisions of sub-regulation (2) of this regulation, additions to the Select List after its constitution under regulation I shall be made in such numbers as the Ministry of Railways (Railway Board) may determine from time to time, keeping in view the existing and anticipated vacancies, and in the proportion of 3: 1 from—
 - (a) Officers of the Lower Division Grade who have rendered not less than eight years' approved service in the grade and are within the range of seniority in that Grade subject to the rejection of the unfit; and
 - (b) members of the Lower Division Grade selected on the results of the limited departmental competitive examinations held by the Commission for this purpose from time to time, in the order of their merit."

Persons of the two categories referred to above being included in the Select List by taking alternately three persons from category (a) and one person from category (b) above, and so on, in that order.

[No. E 76 OG1/RB3(RBD)]

मई विल्ली, 27 भन्तूबर, 1977

सा० का० नि० 1528.—राष्ट्रपति, संविधान के श्रमु च्छेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रेल बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा नियम, 1971 में भीर संशोधन करने के लिए निम्निलिखन नियम बनाते हैं, शर्यात:—

- (1) इन नियमों का नाम रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये 1 जनवरी, 1973 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
- 2. रेल बोर्ड सचिवालय ग्राणुलिपिक सेवा नियम, 1971 (जिन्हें इसमें इसके पण्चात् उक्त नियम कहा गया है) में 'प्रवरण श्रेणी', 'श्रेणी 1', 'श्रेणी 2' ग्रीर 'श्रेणी 3' णब्दों ग्रीर ग्रंकों के स्थान पर, जहां कहीं भी बे शांते हैं, कमणः 'श्रेणी क'', "श्रेणी ख'', "श्रेणी ग'' ग्रीर 'श्रेणी घ' शब्द भीर श्रकर रखे जाएंगे।
 - 3. जुक्त नियमों के नियम 11 में,--
 - (i) उपनियम (2) में, परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखिन टिप्पण भ्रन्तःस्थापित किया जाएगा, भ्रथातः ----
 - 'टिप्पण—सेवा की श्रेणी 'ख' में धनुमोबित केशा में 1 जन-बरी, 1973 के पूर्व, सेवा की भूतपूर्व श्रेणी 1 में की गई अनुमोबित सेवा सम्मिलित होगी;
 - (ii) उपनियम (3) में, परन्तुक के पश्चास् निम्नलिखित टिप्पण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थातः :--
 - 'टिप्पण--सेवा की श्रेणी 'ग' में धनुमोदित सेवा में 1 जनवरी, 1973 के पूर्व, सेवा की भूतपूर्व श्रेणी-2 में की गई धनुमोदित सेवा सम्मिलित होगी';
- 4. उक्त नियमों के नियम 12 में, उपनियम (2) में, परन्तुक के पश्चात निम्नलिखित टिप्पण अन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात्:--
 - 'टिप्पण—सेवा की श्रेणी-च में अनुमोदित सेवा में 1 जनवरी, 1973 के पूर्व, सेवा की भूतपूर्व श्रेणी 3 में की गई अनुमोदित सेवा सम्मिलित होगी';
- 5. उकत नियमों में, नियम 19 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा आएगा, अर्थात:---
- '19. वेतन क्रम-मेवा की श्रेणी क, ख, ग ग्रौर घ से संलग्न वेतन क्रम इस प्रकार होंगे:---
 - (1) श्रेणी क-650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-4(-1000 द०रो०-40-1200-ह०
 - टिप्पण:--सेवा की श्रेणी-क में प्रोक्षन सेवा की श्रेणी-ख के प्रधिकारी को इस बेननमान में न्यूनतम 775 घ० का प्रारम्भिक वेतन ग्रनुज्ञात होगा।
 - (2) श्रेणी ख-650-30-740-35-880-द०रो०-40-1040 र०। टिप्पण:—सेवा की श्रेणी ख में प्रोन्नत सेवा की श्रेणीग के श्रधिकारी को इस वेतनमान में त्यूनतम 710 रु० का प्रारम्भिक वेतन अनुकात होगा।
 - (3) श्रेणी ग----425-15-500-द०गे०-15-560-20-700-४०रो०-25-800 रु०
- (4) श्रेणी घ—330-10-380-वं रोग-12-500-वं रोग-15-560 क् परन्तु 1 जनवरी, 1973 के पूर्व किमी श्रेणी में निय्कत श्रधिकारी रेन सेवा (पूनरीक्षित चेतन) नियम, 1973 के उपबन्धों के श्रनुकार उन्हें भ्रनुकोय वेतनकम में बेतन पाने के हकदार होंगे,।

6. जक्त नियमों की चतुर्थ प्रतुसूची में, पैरा 2 में, उपपैरा (1) में, तृतीय परन्तुक के पश्चास् निम्निलिखित टिप्पण श्रन्त:स्थापित किया जाएगा, प्रश्नीतु:---

'टिप्पण:--सेवा की श्रेणी घ में श्रनुमोदित सेवा में 1 जनवरी, 1973 के पूर्व, मेवा की भूतपूर्व श्रेणी-3 में की गई श्रनुमोदित सेवा सम्मिलित होगी'।

व्याख्यात्मक शापन

े रेल बोर्ड सिचवालय झागुलिपिक (संगोधन) नियम, 1977 को, रेल बोर्ड सिचवालय झागुलिपिक सेवा के विभिन्न ग्रेडों के वेतनमानों और प्रवानों के संबंध में तीमरे वेतन झायोग की मिफारिशों पर, जिन्हें 1 जनवरी, 1973 से लागू किया गया है, भारत सरकार के निर्णय के अनुसरण में जारी किया जा रहा है। तद्नुसार उक्त नियमों को 1 जनवरी, 1973 से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किया जा रहा है। उक्त नियमों को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू करने से किसी के हित पर कोई प्रतिकल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मं० ई० ६९ म्रो०जी० 1/6/श्रार०बी० 2 (म्रार०बी०डी०)]

New Delhi, the 27th October, 1977

- G.S.R. 1528.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Railways Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971, namely:—
 - (1) These rules may be called the Railway Board Secretariat Stenographers Service (Amendment) Rules 1977.
 - (2) They shall be deemed to have come into force of the 1st day of January, 1973.
- 2. In the Railway Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971 (hereinafter referred to as the said rules), for the words and figures "Selection Grade", "Grade I", "Grade II" and "Grade III", wherever they occur, the words and letters "Grade A", "Grade B", "Grade C" and Grade D" shall respectively be substituted.
 - 3. In rule 11 of the said rules,-
 - (i) in sub-rule (2), after the proviso, the following Note shall be inserted, namely:—
- "Note,—Approved service in Grade B of the Service shall include approved service in the erstwhile Grade I of the Service rendered prior to the 1st January. 1973";
 - (ii) in sub-rule (3), after the proviso, the following Note shall be inserted, namely:---
- "Note.—Approved Service in Grade C of the Service shall include approved service in the erstwhile Grade II of the Service rendered prior to the 1st January 1973".
- 4. In rule 12 of the said rules, in sub-rule (2) after the proviso, the following Note shall be inserted, namely:—
 "Note.—Approved Service in Grade D of the Service shall include approved Service in the erstwhile Grade III of the Service rendered prior to the 1st January, 1973".
- 5. In the said rules, for rule 19, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "19. Scale of pay.—The scales of pay attached to Grades A, B, C, and D of the Service shall be as follows:—
 - (1) Grade A—Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

Note.—An officer of Grade B of the Service promoted to Grade A of the Service shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 775/- in this scale.

- (2) Grade B-Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040.
- Note.—An officer of Grade C of the Service promoted to Grade B of the Service shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 710/- in this scale.
 - (3) Grade C-Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-
- (4) Grade D-Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560. Provided that officers appointed to any Grade before the 1st day of January, 1973, shall be entitled to draw pay in the scale of pay admissible to them in accordance with the provisions of the Railway Services (Revised Pay) Rules, 1973".

 6. In the Fourth Schedule to the said rules, in paragraph 2, in sub-paragraph (1), after the third proviso, the following Note shall be inserted namely:

Note shall be inserted, namely :-

Note.—Approved service in Grade D of the Service shall include approved service in the erstwhile Grade III of the Service rendered prior to the 1st January,

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Railway Board Secretariat Stenographers Service (Amendment) Rules, 1977 are being issued in pursuance of the decision of the Government of India on the recommendathe decision of the Government of India on the recommenda-tions of the Third Pay Commission on the pay scales and designations of the various grades of the Railway Board Secretariat Stenographers Service which have been given effect from the 1st January, 1973. Accordingly, the said rules are being given retrospective effect from the 1st January, 1973. The interests of no one would be prejudicially affected by the retrospective effect being given to the said rules.

[No. E 69 OG1/6/RB 2(RBD)]

सा० का० नि० 1529.--केन्द्रीय सरकार का रेल मंत्रालय, रेल बोर्ड सचिवालय ग्राणलिपिक सेवा नियम, 1971 की चतुर्थ ग्रनुसूची के पैरा 2 के उपपैरा (2) के अनुसरण में, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, रेल बोर्ड सचिवालय ग्राश्लिपिक सेवा ग्रेड, II (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1971 में और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, ग्रर्थात्:--

- 1. (1) इन विनियमों का नाम रेल बोर्ड सचिवालय ग्राश्लिपिक सेवा श्रेणी 2 (प्रतियोगिना परीक्षा) संशोधन विनियम, 1977 है।
 - (2) ये 1 जनवरी, 1973 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
- 2. रेल बोर्ड मचिवालय ग्रामलिपिक सेवा ग्रेड II(प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम 1971 में, "ग्रेड II" शब्द ग्रौर श्रंक के स्थान पर, जहां कहीं भी वे म्राने हैं, "श्रेणी ग" शब्द मौर म्रक्षर रखे जाएंगे।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

रेल बोर्ड सचिवालय ग्राश्निः पक सेव। श्रेणी 2 (प्रतियोगिता परीक्षा) संशोधन विनियम, 1977 की, रेल बोर्ड सचिवालय ग्राशलिपिक सेवा के विभिन्न ग्रेडों के पदनामों के संबंध में तीसरे वेतन ग्रायोग की सिफारिशों पर, जिन्हे 1 जनवरी, 1973 से लागू किया गया है, भारत सरकार के निर्णय के ग्रनुसरण में जारी किया जा रहा है। तद्नुसार उक्त विनियमों को 1 जनवरी, 1973 से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किया जा रहा है। उक्त विनियमों को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागु करने से किसी के हिन पर कोई प्रतिकृत प्रभाव नही पड़ेगा।

[सं० ई० 71 ग्रो० जी० 4/ग्रार०बी० 3(ग्रार०बी०डी०)]

G.S.R. 1529.—In pursuance of sub-paragraph (2) of paragraph 2 of the Fourth Schedule to the Railway Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971, the Central Government in the Ministry of Railways, in consultation with the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Railway Board Secretariat Stenographers Service Grade II (Competitive Examination) Regulations, 1971, namely:—

- (1) These regulations may be called the Railway Board Secretariat Stenographers Service Grade II (Competitive Examination) Amendment Regulations, 1977.
 - (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1973.
- 2. In the Railway Board Secretariat Stenographers Service Grade II (Competitive Examination) Regulations, 1971, for the word and figure "Grade II", wherever it occurs, the word and letter "Grade C" shall be substituted.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Railway Board Secretariat Stenographers Service Grade II (Competitive Examination) Amendment Regulations, 1977 are being issued in pursuance of the decisions of tions, 19// are being issued in pursuance of the decisions of the Government of India on the recommendations of the Third Pay Commission regarding the designations of the various grades of the Railway Board Secretariat Stenogra-phers Service which have been given effect to from the 1st January, 1973. Accordingly, the said regulations are being given retrospective effect from the 1st January, 1973. The interests of no one would be prejudicially affected by the retrospective effect being given to the said regulations.

[No. E 71 OG4/3/RB3(RBD)]

सां का नि 1530 .-- केन्द्रीय मरकार का रेल मंत्रालय रेल बोर्ड सचिवालय आशलिपिक सेवा नियम, 1971 के नियम 21 और चतुर्थ ग्रनसूची के पैरा 2 के उपपैरा (2) के ग्रनुसरण में, रेल बोर्ड सचिवालय ग्राशलिपिक सेवा (ग्रेड II सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1971 में ग्रीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, ग्रथति :--

- 1. (1) इन विनियमों का नाम रेल बोर्ड सचिवालय ग्राशुलिपिक सेवा (श्रेणी 2 सीमिन विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) संशोधन विनियम, 1977 है।
 - (2) ये 1 जनवरी, 1973 को प्रवृत हुए समझे जाएंगे।
- रेल बोर्ड सिचवालय आशुलिपिक मेवा (ग्रेड II सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1971 में,
 - (i) "ग्रेड II" ग्रीर "ग्रेड III" शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं भी वे स्राते हैं, ऋमश. "श्रेणी ग" स्रौर "श्रेणी घ" शब्द स्रौर ग्रक्षर रखे जाएंगे;
 - (ii) विनियम 4 में, उपविनियम (i) में खण्ड (क) में, विद्यमान टिप्पण को टिप्पण 1 के रूप में मख्यांकित किया जाएगा श्रीर इस प्रकार पुर्नसख्यांकित टिप्पण 1 के पश्चात निम्नलिखित टिप्पण अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थातः ---

"टिप्पण 2:--रेल बोर्ड सचिवालय ग्राणुलिपिक सेवा की श्रेणी घ में अनुमोदित और निरन्तर सेवा में 1 जनवरी, 1973 के पूर्व सेवा, की भृतपूर्व श्रेणी 3 में ग्रन्भोदित ग्रौर निरन्तर सेवा सम्मिलिन होगी। "

व्याख्यात्मक ज्ञापन

रेल बोर्ड मचिवालय ग्राम लिपिक सेवा (श्रेणी 2 सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) संशोधन विनियम, 1977 को, रेल बोर्ड सचिवालय ग्रामुलिपिक सेवा के विभिन्न ग्रेडों के पदनामों के संबंध में तीसरे बेतन ग्रायोग की सिफारिशों पर, जिन्हें 1 जनवरी, 1973 से लागु किया गया है, भारत सरकार के निर्णय के श्रमुसरण में जारी किया जा रहा है। तदनुमार उक्त विनियमों को 1 जनवरी, 1973 से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किया जा रहा है। उक्त विनियमों को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू करने पर किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० ई० 73 ग्रो०जी० 4/1/ग्रार०बी० 3(ग्रार० बी० डी०)]

- G.S.R. 1530.—In pursuance of rule 21 of, and sub-paragraph (2) of paragraph 2 of the Fourth Schedule to, the Railway Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971, the Central Government in the Ministry of Railways hereby makes the following regulations further to amend the Railway Board Secretariat Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1971, namely:—
- 1. (1) These regulations may be called the Railway Board Secretariat Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Amendment Regulations, 1977.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1973.
- 2. In the Railway Board Secretariat Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1971,—
 - (i) for the words and figures "Grade II" and "Grade III", wherever they occur, the words and letters 'Grade C' and 'Grade D' shall respectively be substituted;
 - (ii) in regulation 4, in sub-regulation (i), in clause (a), the existing Note shall be numbered as Note 1, and after Note 1 as so renumbered, the following Note shall be inserted, namely:—
 - "Note 2.—Approved and continuous service in Grade D of the Railway Board Secretariat Stenographers shall include approved and continuous service in the erstwhile Grade III of the Service rendered prior to the 1st January 1973.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Railway Board Secretariat Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Amendment Regulations, 1977, are being issued in pursuance of the decision of the Government of India on the recommendations of the Third Pay Commission regarding the designations of the various grades of the Railway Board Secretariat Stenographers Service which have been given effect to from the 1st January, 1973. Accordingly, the said regulations are being given retrospective effect from the 1st January, 1973. The interests of no one would be prejudicially affected by retrospective effect being given to the said regulations.

[No. E 730G4/1/RB3(RBD)]

सा० का० नि० 1530. ---केन्द्रीय सरकार का रेल मंत्रालय, रेल बोर्ड मिचवालय ग्राणुलिपिक सेवा नियम, 1971 के नियम 13 के उपनियम (3) के ग्रनुमरण में, रेल बोर्ड सिचवालय ग्राणुलिपिक सेवा ग्रेड III (प्रतियोगिता प्रदीका) विनियम 1971 में ग्रीर सणोधन परने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाना है, बर्धात.—

- (1) इन विनियमो या नाम नेल बोर्ड मिबबालय ग्राणुलिपिन सेवा श्रेणी 3 (प्रतियोगिता परीक्षा) संशोधन विनियम 1977 है ।
 - (2) ये 1 जनवरी, 1973 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
- 2. रेल बोर्ड सचिवालय ग्राशृतिपिक सेवा ग्रेड III (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1971 में, 'ग्रेड III' शब्द ग्रौर ग्रक के स्थान पर 'श्रेणी घ' शब्द ग्रौर ग्रक्षर रखे जाएंगे।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

रेल बोर्ड सचिवालय ब्राशुलिपिक सेवा श्रेणी 3 (प्रतियोगिता परीक्षा) संशोधन विनियम 1977 को, रेल बोर्ड सचिवालय ब्राशुलिपिक सेवा के विभिन्न ग्रेडों के पदनामों के सबंध में तीसरे वेतन ब्रायोग की सिफा-रिशों पर, जिन्हें 1 जनवरी, 1973 से लागू किया गया है, भारत सरकार के निर्णय के ब्रनुसरण में जारी किया जा रहा है । तद्नुसार उक्त विनियमों को 1 जनवरी, 1973 से पूर्वव्यापी प्रभाव में लागू करने में किसी के हित पर कोई प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० ई० 76 श्रो०जी 4/2/श्रार० बी० 3(श्रार०बी०डी०)] एस० के० रामनाथन, सयक्त सचिव

- G.S.R. 1531.—In pursuance of sub-rule (3) of rule 13 of the Railway Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971, the Central Government in the Ministry of Railways hereby makes the following regulations further to amend the Railway Board Secretariat Stenographers Service Grade III (Competitive Examination) Regulations, 1971, namely:—
- 1. (1) These regulations may be called the Railway Board Secretariat Stenographers Service Grade III (Competitive Examination) Amendment Regulations, 1977.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1973.
- 2. In the Railway Board Secretariat Stenographers Service Grade III (Competitive Examination) Regulations, 1971, for the word and figure "Grade III", the word and letter "Grade D" shall be substituted.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Railway Board Secretariat Stenographers Service Grade III (Competitive Examination) Amendment Regulations, 1977 are being issued in pursuance of the decisions of the Government of India on the recommendations of the Third Pay Commission regarding the designations of the various grades of the Railway Board Secretariat Stenographers Service which have been given effect to from the 1st January, 1973. Accordingly, the said regulations are being given retrospective effect from the 1st January, 1973. The interests of no one would be prejudicially affected by the retrospective effect being given to the said regulations.

[No. E 76OG4/2/RB3(RBD)] S. K. RAMANATHAN, Jt. Secy.